हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 12.05.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 284 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

भगवंत मान के चचेरे भाई भाजपा में शामिल

चंडीगढ़ : पंजाब में सोमवार को एक तरफ निकाय चुनावों का ऐलान हुआ, तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने उन्हें पार्टी में शामिल किया। भाजपा में शामिल होने वाले ज्ञान सिंह मान पूर्व के समय भगवंत मान का चुनाव प्रबंधन संभालते रहे हैं। वह लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव के दौरान भगवंत मान के प्रचार अभियान के इंचार्ज भी रहे हैं। संगरूर के गांव सतौज के रहने वाले ज्ञान सिंह मान ने साल 2012 के विधानसभा चुनाव से अपना सफर शुरू किया। 2013 में आम आदमी पार्टी के गठन के समय से ही संगठन की मजबूती के लिए कार्य किया। वह 2014 से 2022 तक संगरूर सांसद कार्यालय के प्रभारी रहे। 2022 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री भगवंत मान के चुनाव क्षेत्र धूरी के कार्यालय प्रभारी के रूप में मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा कि सतौज गांव से आज सीएम के चचेरे भाई ज्ञान सिंह ने भाजपा जॉइन की है। हमने पहले ही कहा था कि ईंट का जवाब पत्थर से देंगे और आज हमने कर दिया।

शुभेंदु अधिकारी पीए हत्या के तीन आरोपियों को 13 दिनों की सीआईडी हिरासत

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में पुलिस ने बिहार और उत्तर प्रदेश से तीन शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों को सोमवार को उत्तर 24 परगना जिला स्थित बारासात एसीजेएम अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने इन्हें 13 दिनों की सीआईडी हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीआईडी आरोपियों से पूछताछ कर हत्या की साजिश, फंडिंग, हथियार सप्लाई और संभावित मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी जुटाएगी। आरोपियों में एक को बिहार के बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र से पकड़ा गया, जबकि दो को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल पुलिस, बिहार पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुटी हुई हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने टोल प्लाजा पर ऑनलाइन पेमेंट किया था। इसी डिजिटल लेनदेन के आधार पर पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली।

केरल तक जुड़ रहे धांधली के तार, ₹5 लाख तक में बिका पेपर, 125 सवालों के मिलान से हड़कंप

नीट परीक्षा से पहले वायरल हुआ गेस पेपर, 14 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली : देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 को लेकर राजस्थान में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। परीक्षा में कथित गड़बड़ी, गेस पेपर और संभावित पेपर लीक की आशंका के बीच राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और एंटी टेरर स्क्वॉड लगातार जांच में जुटी हैं। मामले में अब तक 14 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जबकि कई लोगों से पूछताछ जारी है। जांच के केंद्र में राजस्थान का सीकर जिला है, जहां परीक्षा से पहले छात्रों के बीच एक कथित "गेस पेपर" वायरल हुआ था। हालांकि

- 2 मई की रात वायरल हुआ गेस पेपर
- पहले 5-5 लाख तो परीक्षा से एक दिन पहले 30 हजार में बिका गेस पेपर
- जांच के केंद्र में राजस्थान का सीकर जिला है, जहां परीक्षा से पहले छात्रों के बीच एक कथित "गेस पेपर" वायरल हुआ था

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (नीट) ने शुरूआती स्तर पर पेपर लीक से इनकार किया है, लेकिन जांच एजेंसियों के सामने आए तथ्यों ने मामले को बेहद गंभीर बना दिया है। बताया जा रहा है कि वायरल गेस पेपर के 100 से अधिक सवाल वास्तविक नीट यूजी 2026 परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों से मेल खाते थे। कुछ रिपोर्ट्स में यह संख्या करीब 125 बताई गई है।

जानकारी के अनुसार, नीट यूजी 2026 परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी। परीक्षा से ठीक एक दिन पहले यानी 2 मई की रात कुछ छात्रों तक एक गेस पेपर पहुंचा। यह गेस पेपर व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए साझा किया गया था और बाद में इसकी फोटोकॉपी भी कई जगहों पर बांटी गई। राजस्थान एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने खुद इस बात की पुष्टि की कि गेस पेपर आया था। यह व्हाट्सएप पर आया और फोटोकॉपी की दुकान पर मिला। इसकी जांच चल रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, शुरूआत में यह गेस पेपर कथित तौर पर 2 से 5 लाख रुपये में कुछ छात्रों तक पहुंचाया गया था। बाद में यही सामग्री 30 हजार रुपये तक में बेचे जाने की बात सामने आई। हालांकि, एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह रकम किस स्तर पर और किन लोगों के बीच ली गई।

राज्य स्तरीय इन्फ्लुएंसर मीट 2026 का हुआ सफल आयोजन

झारखंड की असली पहचान राज्य के इन्फ्लुएंसर्स ही प्रस्तुत कर सकते हैं : मंत्री

मंत्री ने किया 'इन्फ्लुएंसर एंगेजमेंट पोर्टल' का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने पतरातू स्थित होटल पर्यटन विहार में सोमवार को पर्यटन विभाग, झारखंड द्वारा 'राज्य स्तरीय इन्फ्लुएंसर मीट 2026' का सफल आयोजन के दौरान कहा कि झारखंड के पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार के लिए बड़े महानगरों के क्रिएटर्स को आमंत्रित किया जा सकता था, लेकिन झारखंड की असली पहचान, यहां की सादगी, संस्कृति और लोकजीवन को सबसे बेहतर ढंग से हमारे अपने राज्य के इन्फ्लुएंसर्स ही प्रस्तुत कर सकते हैं। हमारी कोशिश है कि झारखंड के युवा क्रिएटर्स जब किसी पर्यटन स्थल पर कंटेंट निर्माण करें, तो वे गर्व से कह सकें कि वे झारखंड पर्यटन विभाग के साथ जुड़े हुए हैं। इससे न केवल राज्य की ब्रांडिंग मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय क्रिएटर्स को भी नई पहचान और अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के विजन एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड के पर्यटन स्थलों, कला-संस्कृति, विरासत एवं स्थानीय खानपान को डिजिटल माध्यमों से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी पहचान दिलाना है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार द्वारा 'इन्फ्लुएंसर एंगेजमेंट पोर्टल' का शुभारंभ किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से राज्य के कंटेंट क्रिएटर्स एवं इन्फ्लुएंसर्स को पर्यटन विभाग से औपचारिक रूप से जुड़कर कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। यह पहल डिजिटल क्रिएटर्स एवं पर्यटन विभाग के बीच एक सशक्त एवं संरचित साझेदारी स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस आयोजन में राज्य के 80 से अधिक प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन संभावनाओं एवं स्थानीय पहचान को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करना है।

कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लुएंसर्स के साथ संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन प्रचार, डिजिटल स्टोरीटेलिंग, कंटेंट निर्माण एवं झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम में विभागीय सचिव मुकेश कुमार, झारखंड पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक प्रेम रंजन, महाप्रबंधक राजीव रंजन सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

बरातियों से भरी पिकअप पलटी दो लोगों की मौत, छह घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उंधन गांव के पास उस समय हुआ, जब बरातियों से भरी एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 10 फीट नीचे खेत में जा गिरी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों की पहचान बारंगा गांव निवासी 12 वर्षीय रोहन गोप और गोपीपुर गांव निवासी 25 वर्षीय दशरथ सरदार के रूप में हुई है।

पत्नी, बेटा व गर्भवती बेटी की हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर के एग्रिको इलाके में सोमवार सुबह एक ट्रिपल मर्डर का मामला सामने आया, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। खास बात यह है कि यह दिल दहला देने वाली वारदात झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के निजी आवास से कुछ ही दूरी पर हुई है।

जानकारी के अनुसार, क्वार्टर नंबर L5/13 में रहने वाले टाटा स्टील के रिटायर्ड कर्मचारी रविन्द्र प्रसाद सिंह ने कथित तौर पर अपनी पत्नी सरिता सिंह (55), बेटी सुप्रिया सिंह (31) और बेटे रविशेक कुमार (30) की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी ने रविवार रात वारदात को अंजाम दिया और पूरी रात शवों के साथ घर में ही मौजूद रहा।

सोमवार सुबह आरोपी ने खुद डायल-100 पर फोन कर पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। घर के अंदर तीन शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी इसी वर्ष फरवरी में टाटा स्टील से सेवानिवृत्त हुआ था।

झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार सुबह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम और उनके पीए संजीव लाल को बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी है। आलमगीर आलम को प्रवर्तन निदेशालय ने 15 मई 2024 को टेंडर कमीशन घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई उनके करीबियों के ठिकानों पर की गई छापेमारी में 32.20 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद होने के बाद हुई थी। ज्ञात हो कि झारखंड हाई कोर्ट ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और उनके पीए संजीव लाल की जमानत याचिका खारिज कर चुका था, जिसके बाद से उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की ओर से कहा गया कि इस मामले में उनके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष आरोप नहीं है। न ही उनके यहां से किसी तरह के कोई पैसे बरामद हुए थे। ऐसे में उन्हें राहत मिलनी चाहिए। इसके अलावा पूर्व मंत्री के अधिवक्ताओं ने उनकी बीमारी का भी हवाला देते हुए को जमानत की गुहार लगाई।

शुभेंदु की पहली कैबिनेट बैठक में फैसला, बीएसएफ को मिलेगी जमीन

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की नवगठित भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक सोमवार को राज्य सचिवालय नवान्न में हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की प्रशासनिक दिशा, सुशासन, सीमा सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन और संवैधानिक शासन व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की। पहली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कई बड़े फैसले किए हैं। इनमें से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बॉर्डर पर 45 दिनों में भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करने का बड़ा निर्णय शामिल है। बैठक में राज्य के मतदाताओं, प्रशासन और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद और बधाई दी गई। इसके अलावा राजनीतिक हिंसा के दौरान जान गंवाने वाले पार्टी के 321 कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई। कैबिनेट बैठक में पश्चिम बंगाल सरकार ने आधिकारिक रूप से आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का भी निर्णय लिया है। स्वास्थ्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय के सलाहकार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ आवश्यक समझौते जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

मंत्रियों को विभाग बांटे : निषिथ को युवा कल्याण, अग्निमित्रा को महिला विकास मंत्रालय, दिलीप को पंचायती राज विभाग

पश्चिम बंगाल में भाजपा की नई सरकार की पहली प्रशासनिक बैठक हुई। पार्टी विधायक गौरिशंकर घोष के मुताबिक सोमवार को विभागों का बंटवारा हुआ है। हालांकि पार्टी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घोष के मुताबिक निषिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्रालय सौंपा गया है। दिलीप घोष को पंचायत और ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास मंत्री बनाया गया है। अशोक कीर्तनिया को खाद्य मंत्रालय, क्षुदिराम टुडु को जनजातीय विकास और पर्यटन मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल कल्याण और अर्बन डेवलपमेंट मंत्रालय सौंपा गया है।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : मोदी

एजेंसी

गिर सोमनाथ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही उसे दबाव में ला सकती है। उन्होंने कहा कि 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की अटल राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय कराया था।

गुजरात के सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में पहले तीन परमाणु परीक्षण किए थे और उसके बाद दुनिया भर की शक्तियों ने भारत पर विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगाए थे। उन्होंने कहा, 11 मई के बाद दुनिया हम पर टूट पड़ी थी, लेकिन 13 मई को भारत ने दो और परमाणु परीक्षण किए। इससे दुनिया को पता चला कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह दिखाया था कि भारत के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। मोदी ने कहा, दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती, दबाव में नहीं ला सकती। मोदी ने कहा कि सोमनाथ अमृत महोत्सव केवल अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का पर्व है। उन्होंने कहा कि 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद 1951 में सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के समय सरदार वल्लभभाई पटेल ने 500 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर आधुनिक भारत की नींव रखी और सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के जरिए दुनिया को संदेश दिया कि भारत केवल स्वतंत्र ही नहीं हुआ, बल्कि अपनी प्राचीन गौरवशाली विरासत को पुनर्स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इतिहास में महमूद गजनवी और अलाउद्दीन खिलजी जैसे कई आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन यह मंदिर हर बार फिर खड़ा हो गया। मोदी ने कहा कि आक्रांता भारत की वैचारिक शक्ति को समझ नहीं सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उन्हें मंदिर और क्षेत्र की सेवा का अवसर मिला और अब देशभर के तीर्थ स्थलों के विकास का जो अवसर मिल रहा है, वह भगवान सोमनाथ की कृपा है। उन्होंने लोगों से प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करने वाली जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि तीर्थों और मंदिरों के विकास के साथ उनकी गरिमा बनाए रखना भी आवश्यक है।

ऑपरेशन शक्ति : भारतीय परंपरा और वैज्ञानिक शक्ति का प्रतीक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षणों को 'ऑपरेशन शक्ति' नाम दिया था, क्योंकि शिव और शक्ति की आराधना भारत की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यही विचार देश की वैज्ञानिक प्रगति का भी प्रेरणास्रोत बना। 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में पहले तीन परमाणु परीक्षण किए थे।

ईरान को भारत से मदद की उम्मीद!

यूएस से जंग के बीच नई दिल्ली आ रहे ईरानी विदेश मंत्री, ब्रिक्स में होगा बड़ा मंथन

एजेंसी

नयी दिल्ली : अमेरिका और इजरायल के साथ जारी तनाव, होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते संकट और वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल के बीच ईरान अब भारत की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। इसी कूटनीतिक हलचल के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची इस सप्ताह नई दिल्ली पहुंच रहे हैं, जहां ब्रिक्स मंच पर युद्ध, ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया के भविष्य को लेकर बड़ा मंथन होने वाला है। माना जा रहा है कि तेहरान इस दौरे के जरिए भारत से रणनीतिक और कूटनीतिक समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा।

ईरान के विदेश मंत्री का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब पश्चिम एशिया में युद्ध, होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और वैश्विक ऊर्जा संकट लगातार बढ़ रहा है। भारत 14-15 मई को ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस बैठक में ईरान, रूस, चीन और अन्य देशों के प्रतिनिधि पश्चिम एशिया की स्थिति, युद्धविराम और वैश्विक तेल आपूर्ति पर चर्चा करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही पर भी अहम बातचीत हो सकती है। हाल के हफ्तों में भारतीय जहाजों को इस इलाके में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

एक नजर

सांढ़ विद्यालय में पानी की किल्लत, विद्यार्थियों को हो रही है परेशानी

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के सांढ़ पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय सांढ़ में बोरिंग का मोटर एवं चापानल खराब हो जाने के कारण पानी की काफी किल्लत हो गई है जिससे विद्यालय के विद्यार्थियों , शिक्षकों एवं रसोईया दीदीयों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय में 180 से अधिक बच्चे अध्यनरत है। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार नायक ने बताया कि बताया गया कि आसपास से काफी दिक्कतों का सामना करते हुए पानी लाकर मध्याह्न भोजन बनाया जा रहा है।वहीं विद्यालय में बच्चों को पीने के लिए एवं शौचालय के लिए पानी नहीं उपलब्ध होने से काफी परेशानी हो रही है। परेशानी को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन समिति ने मांग किया है कि जल्द से जल्द विद्यालय में डीप बोरिंग करवाया जाए ताकि पानी की समस्या दूर किया जाए।क्योंकि अनुमान लगाया जा सकता है कि इस मौसम में पानी की किल्लत है तो भीषण गर्मी में क्या होगा। मांग करने वालों में मुख्य रूप से विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद कुमार, सचिव मनोज कुमार नायक, उपाध्यक्ष आरती कुमारी, संयोजिका पूनम कुमारी, शिक्षक नर्सिंग प्रसाद दांगी, अयोध्या कुमार महतो, परमेश्वर कुमार, नंदकिशोर नारायण देव, उमेश प्रसाद दांगी, सबिता कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, अंजू कुमारी, एसएमसी सदस्य प्रकाश कुमार, शिवनाथ प्रसाद दांगी, गुलशन कुमारी, रामअवतार कुमार, प्रमिला कुमारी, रेखा कुमारी एवं संगीता देवी सहित सैकड़ो लोग शामिल हैं।

बेटियों के खेल सपने को मिलेंगे पंख, दो दिवसीय स्पोर्ट्स टैलेंट हंट शुरू

हजारीबाग : जिले की होनहार बेटियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए जिला खेल कार्यालय ने स्पोर्ट्स टैलेंट हंट कार्यक्रम की शुरूआत की है। पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मार्गदर्शन में कर्जन ग्राउंड में 11 से 12 मई तक चलने वाले इस दो दिवसीय ट्रायल में पहले दिन ही 100 से अधिक बालिका खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया।

तीन खेलों में होगा चयन इस टैलेंट हंट के जरिए एथलेटिक्स, फुटबॉल और नवस्थापित आवासीय बैडमिंटन प्रशिक्षण केंद्र के लिए 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग की प्रतिभाशाली बालिकाओं का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्रों में नि:शुल्क प्रशिक्षण, आवास, भोजन और पढ़ाई की सुविधा मिलेगी।

तकनीकी टीम ने परखी प्रतिभा रविवार को हुए ट्रायल में खिलाड़ियों का बैटरी टेस्ट और खेल विशेष कौशल परीक्षण लिया गया। एथलेटिक्स एनआईएस कोच नीरज कुमार, फुटबॉल कोच सुशीला कुमारी एवं बैडमिंटन कोच की निगरानी में तकनीकी मूल्यांकन हुआ। खेल प्रशिक्षकों कुलेश्वर गोप, संदीप खलखो, कुंदन कुजूर, नीलम कुमारी एवं अनुकम्पा रुंडा ने चयन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया।

12 मई तक चलेगा ट्रायल

जिला खेल पदाधिकारी के मार्गदर्शन में चल रहा यह चयन शिविर 12 मई तक जारी रहेगा। इच्छुक बालिका खिलाड़ी जरूरी दस्तावेजों के साथ कर्जन ग्राउंड पहुंचकर ट्रायल में हिस्सा ले सकती हैं। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि ग्रामीण अंचल की छुपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाकर उन्हें बेहतर मंच दिया जाए, ताकि हजारीबाग की बेटियां भी ओलंपिक तक देश का नाम रोशन कर सकें।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राथमिक, उत्क्रमित, 10+2 उच्च विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय, समर्थ विद्यालय, सीएम एक्सीलेंस स्कूल तथा पीएम श्री विद्यालयों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी विद्यालयों में पठन-पाठन की वर्तमान स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, विभागीय कार्रवाई, सेवा संपुष्टि, स्थानांतरण, पदोन्नति एवं नामांकन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी एवं पात्रता आधारित बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों की बीईओ, बीआरपी एवं सीआरपी के माध्यम से विधिवत जांच कराई जाए। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी को पांच आवेदनों का चयन कर भौतिक सत्यापन कर जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने शिक्षकों की कमी वाले विद्यालयों में सहायक आचार्यों की पदस्थापना सुनिश्चित करने एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने पर बल दिया। उन्होंने 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाने, शिक्षकों के रेशनलाइजेशन कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा कक्षा 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए एडीपीओ को वार्डन के साथ समन्वय स्थापित कर उप विकास आयुक्त को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। सेवा सत्यापन एवं समय पर लेखा सत्यापन सुनिश्चित करने हेतु संबंधित स्थापना लिपिक, प्रधान लिपिक एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में शिक्षा विभाग से संबंधित न्यायालयीन मामलों की समीक्षा भी की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्थानांतरण एवं कक्षा 1 से 5 तक के एकल शिक्षक से जुड़े कार्यों के निष्पादन हेतु सभी बीपीओ को निर्देशित करने को कहा। अंत में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित विद्यालय परिसर बनाए रखने तथा अनुमंडल पदाधिकारी को सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त हेमन्त सती के अलावे उपविकास आयुक्त रिया सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, बीईओ, बीपीओ, वार्डन सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

केरेडारी प्रखंड में जनगणना प्रशिक्षण संपन्न शुरू होगा मकान सूचीकरण का कार्य 16 मई सें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड जनगणना के प्रथम चरण के मकान सूचीकरण के लिए पर्यवेक्षक और प्रगणकों का प्रशिक्षण 11 मई को केरेडारी प्रखंड सभागार में संपन्न हो गया। अब 16 मई से प्रगणक और पर्यवेक्षक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य शुरू करेंगे। यह चरण 14 जून तक चलेगा। मकान सूचीकरण जनगणना का प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 अप्रैल को प्रारंभ हुआ तथा 11 मई तक चला। वहीं 1 मई से 15 मई तक स्व-गणना का कार्य जारी है। 16 मई से फील्ड में वास्तविक जनगणना का पहला चरण शुरू हो जाएगा। प्रशिक्षणये के दौरान फील्ड ट्रेनर शिवचरण साहू तथा राजेश कुमार गुप्ता ने प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को बारीकी से प्रशिक्षित किया। सहायक चार्ज पदाधिकारी तैयब हुसैन ने प्रशिक्षण की समाप्ति पर सभी प्रशिक्षकों और प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी ।उन्होंने कहा कि तय समयानुसार जनगणना का कार्य करना है। चार्ज जनगणना अधिकारी - सह - प्रखंड विकास पदाधिकारी, केरेडारी विवेक कुमार ने सभी कर्मियों से कहा कि जनगणना का कार्य अति महत्त्वपूर्ण कार्य है इसीलिए इसे ईमानदारी पूर्वक तथा पूरी निष्ठा से करेंगे।

विभावि में प्लास्टिक के दायित्वपूर्ण व संवहनीय उपयोग पर हुई कार्यशाला आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में सोमवार को प्लास्टिक के संवहनीय तथा दायित्वपूर्ण उपयोग पर एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थी विश्वविद्यालय परिसर में प्लास्टिक फुटप्रिंट का आकलन करने से संबंधित सर्वेक्षण में भाग लिया। विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा संचालित इस ऑनलाइन सर्वेक्षण में विद्यार्थियों से 21 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए। प्रत्येक प्रश्न के पांच उत्तर उपलब्ध कराए गए। इसमें से विद्यार्थियों को किसी एक उत्तर पर क्लिक करना था। इस सर्वेक्षण की जानकारी देते हुए वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ अविनाश कुमार ने बताया इसका उद्देश्य है विद्यार्थियों में प्लास्टिक के व्यक्तिगत उपभोग के प्रति जागरूक करना तथा प्लास्टिक के दायित्वपूर्ण उपयोग के प्रति संवेदीकृत करना। विशेषकर एकल उपयोग के प्लास्टिक सामग्री के खतरनाक परिणाम के प्रति सचेत करना। सर्वेक्षण में प्लास्टिक के दैनिक उपयोग से संबंधित प्रश्न सम्मिलित किए गए थे। जैसे की प्लास्टिक के बोतल, पैकेट, थैला तथा कटलरी के उपयोग की मात्रा पर प्रश्न पूछे गए थे। इसमें किचन तथा बॉथरूम एवं लॉन्ड्री में उपयोग किए जाने वाले सामग्री से संबंधित प्रश्न भी थे। होटल से मंगाए गए खाना तथा यात्रा के समय किए गए प्लास्टिक के उपयोग पर भी प्रश्न पूछे गए थे। राजनीति विज्ञान विभाग के चतुर्थ तथा प्रथम समसत्र के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस ऑनलाइन सर्वेक्षण में भाग लिया।

एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक के विस्थापित-प्रभावित क्षेत्र के रैय्यतों के साथ वार्ता संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक के एमडीओ बीजीआर के नेतृत्व में एनटीपीसी आइटीआइ कॉलेज के सभागार भवन में सोमवार को एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक के विस्थापित और प्रभावित क्षेत्र के रैय्यतों के साथ बैठक रखी गई । बैठक में रैयतों ने गैर मजूरवा जमीन, शिक्षा स्वास्थ्य, बिजली और सड़क की समस्याओं को कंपनी के पदाधिकारीयों के समक्ष रखा बहुत से सवालों का जवाब कंपनी के पदाधिकारी द्वारा गोल मटोल जवाब देने की कोशिश की गई,जिसका रैय्यतों ने विरोध भी किया। रैय्यतों ने जिला प्रशासन, एनटीपीसी और एमडीओ के साथ सम्मिलित बैठक की मांग रखी। रैयतों का जो भी मांग पत्र होगा वह जिला प्रशासन को दे दिया जाएगा। वही एनटीपीसी बादम कॉल ब्लॉक के ऐजीएम समित देव ने रैय्यतों को आस्वस्त कराया की बहुत जल्द जिला प्रशासन एनटीपीसी और एमडीओ के साथ रैय्यतों की मीटिंग कराई जाएगी। आगे श्री देव ने कहा कि रैयतों के साथ वार्ता सकारात्मक रहा। इसी तरह का माहौल बनाकर हम लोग विस्थापित प्रभावित हर एक गांव और मोहल्ले में जाकर वार्ता करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक के एजीएम माइनिंग एस आर मांझी, डीजीएम प्रणेश कुमार के अलावा एमडीओ बीजीआर कंपनी के जीएम पीपी सत्यनारायण और लाइजनिंग ऑफिसर दिवाकर विश्वकर्मा के अलावा विस्थापित प्रभावित क्षेत्र के सैकड़ो रैयत शामिल थे।

उरीमारी नव पदस्थापित परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह से प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बरकास्याल क्षेत्र के उरीमारी परियोजना में नवपदस्थापित परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह से आरसीएमयू एवं विस्थापित संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधियों ने राजू यादव के नेतृत्व में मुलाकात किया। और परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह को बुके देकर स्वागत किया। संगठन के प्रतिनिधियों ने पीओ अनिल कुमार सिंह से उरिमारी में रैयतो के जमीन के बदले नौकरी, मुवावजा एवं रोड सेल में प्रयाप्त कोयला नहीं मिलने के मामाले से अवगत करवाया गया। वहीं कर्मियों के लंबित इन्क्वारी, क्वाटर मरम्मत नहीं होना, जरूरत से ज्यादा बिजली कटना का भी मामला उठाया गया। सभी बातों एवं समस्याओं को सुनने के पश्चात परियोजना पदाधिकारी के द्वारा अश्वस्त किया गया कि औधोगिक शांति के लिए संगठन द्वारा श्रमिक एवं विस्थपित हित को लेकर सुझाए जाने वाले कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। प्रबन्धन के तरफ से खान प्रबन्धक कमर फहीम, कार्मिक प्रबन्धक राजीव वर्मा, यूनियन एवं विस्थापित की तरफ से आरसीएमयू के शाखा अध्यक्ष सीताराम किस्कू, विस्थापित संघर्ष मोर्चा के सचिव महादेव बेसरा, पोटंगा पंचायत मुखिया चरका करमाली, पंचायत समिति सदस्य गीता देवी, जी आर भगत,कानू मरांडी, त्रिपाक्षीय सुरक्षा समिति सदस्य गणेश राम, बिश्वनाथ मांझी, दशाराम मांझी, सुखदेव सोरेन, तालो सोरेन, बिनोद प्रजापति, कुल प्रजापति, चंदू जायसवाल , दीपक यादव, राधेश्याम बैठा मोहित सिंह, फुलमणि देवी,फूलमती देवी, शांति देवी, तेतरी देवी आदि लोग उपस्थित थे।

जेबरा क्लब रामनगर हसनदाग में इंटर विलेज नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 का भव्य शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के बेन्दगी पंचायत अंतर्गत जेबरा क्लब रामनगर हसनदाग में आयोजित एक दिवसीय इंटर विलेज नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 का रविवार रात भव्य शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। इस दौरान सांसद और विधायक ने मैदान में बल्लेबाजी कर खिलाड़ियों एवं दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के खेल आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच मिलता है। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, टीम भावना, ऊर्जा और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का जरिया है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने का काम करते हैं। वहीं बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन बेहद जरूरी है। इससे युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे खेल के क्षेत्र में भी बेहतर भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

फाइनल मुकाबले में कोबरा 203 वाहिनी ने मारी बाजी :

फाइनल मैच पारा शिक्षक 11 और कोबरा 203 वाहिनी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोबरा वाहिनी 203 ने आठ ओवर में 103 रन बनाए। टीम की ओर से भूषण कुमार ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 60 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पारा 11 की टीम 68 रन पर सिमट गई। इस तरह कोबरा 203 वाहिनी ने 35 रन से शानदार जीत दर्ज कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम कोबरा वाहिनी 203 के कप्तान दीपक कुमार को विजेता शील्ड प्रदान की गई, जबकि रनर ट्रॉफी पारा 11 के कप्तान योगेंद्र राणा को दी गई। दोनों सेमीफाइनलिस्ट टीमों को भी शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिला परिषद सदस्य प्रीति कुमारी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, मोतीलाल चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सह मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, भाजपा युवा नेता आकाश जायसवाल, शिक्षक संजय दुबे, उपमुखिया मनोज उपाध्याय, श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य रोहित सिंह, समाज के अध्यक्ष डॉ. रामटहल साव, सचिव कपिल साव, उपसचिव दशरथ यादव, उपमुखिया अशोक राणा, पंसस प्रतिनिधि झमन यादव, कोषाध्यक्ष खेमाली साव, राजेंद्र साव, बाल्मीकि साव, महेश राणा, गणेश राणा, राजदेव यादव, कार्तिक यादव, महावीर राणा, विष्णु साव, महेंद्र पासवान, खगेश्वर राणा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। वहीं टूनार्मेंट को सफल बनाने में अध्यक्ष सुधीर राणा, उपाध्यक्ष पंकज सिंह, सचिन साव, बिरेंद्र यादव, सतीश यादव समेत अन्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग में 'अग्नि सुरक्षा सप्ताह' पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

हजारीबाग : जिले में "अग्नि सुरक्षा सप्ताह" के तहत सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने की। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आग से बचाव, सुरक्षा उपायों और आपातकालीन स्थिति में सतर्कता बरतने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि गर्मी के मौसम में अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए समय-समय पर Fire Safety Audit एवं विद्युत सुरक्षा ऑडिट कराना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का पालन कर बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। कार्यशाला में स्वास्थ्य कर्मियों को आग बुझाने के व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ लाइट Fire Safety Pledge भी दिलाया गया। साथ ही अस्पतालों में विद्युत लोड, आपातकालीन निकासी व्यवस्था और अग्निशमन उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग एवं विभिन्न अस्पतालों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

नवपदस्थापित महिला थाना प्रभारी का किया स्वागत

बरही : बरही महिला थाना में नवपदस्थापित महिला थाना प्रभारी राधा रागिनी का सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी एवं उनके सहयोगियों ने पुष्पगुच्छ देकर गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील किया। साथ ही उन्होंने पूर्व की भांति ही, नए थाना प्रभारी के साथ पूर्ण सहयोग का आशवासन दिया है। वहीं नवपदस्थापित महिला थाना प्रभारी राधा रागिनी ने भी उन्हें आशवासन दिया कि पूर्व के भांति ही महिलाओं को सुरक्षा प्रदान किया जाएगा। मौके पर मुखिया मोतीलाल चौधरी, अधिवक्ता मनीलाल चौधरी, सागर चौधरी एवं अधिवक्ता राजेश केशरी मौजूद थे।

ब्रह्म विद्या विहंगम की ओर से सत्संग गोष्ठी का हुआ आयोजन

बरही : ब्रह्म विद्या विहंगम योग की ओर से हजारीबाग रोड स्थित शकुंतला पैलेस में सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता राज मोहन राजन एवं संचालन कृष्णा कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक ॐ कार ध्वनि से हुआ। जिसके बाद स्वागत गान, मंगल गान, शांति पाठ, ज्ञान गुदरी ममता देवी द्वारा, उद्बोधन सुनीता देवी द्वारा, स्वर्वेद पाठ कृष्णा कुमार गुप्ता द्वारा, भजन ममता देवी, सुनीता देवी व सुलेखा कुमारी द्वारा किया गया। 10 मिनट ध्यान साधना पर प्रवचन, अमृत वाणी राज मोहन राजन एवं डॉ. महेश प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृष्णा कुमार गुप्ता, रविन्द्र सिंह, अनिल प्रजापति,चंदन शर्मा, अनमोल राणा, राकेश प्रसाद, प्रमोद गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संत जोसेफ स्कूल एनएमएल का हुआ शुभारंभ नामांकन जारी

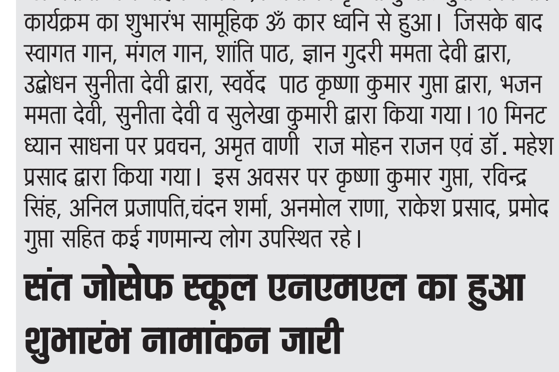

बड़कागांव : संत जोसेफ स्कूल एनएमएल एनटीपीसी सिकरी, बरकागांव द्वारा संचालित नर्सरी से कक्षा 5 तक नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यह पहल परियोजना प्रभावित ग्रामीण बच्चों के उज्ज्वल संत जोसेफ स्कूल म भविष्य एवं बेहतर शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनटीपीसी परियोजना ग्रामीण बच्चों की गुणवत्तापूर्ण एवं उच्च शिक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। खनन कार्य के साथ-साथ बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध हो सके, इसके लिए परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक सुब्रत कुमार दास की सकारात्मक सोच एवं दूरदर्शिता सराहनीय है। उन्होंने परियोजना प्रभावित परिवारों के बच्चों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने का निरंतर प्रयास किया है। परियोजना प्रबंधन का उद्देश्य है कि हजारीबाग एवं बरकागांव क्षेत्र के बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर झारखंड सहित पूरे देश में अपनी पहचान बनाएं तथा शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्र का नाम रोशन करें। यह उपलब्धि परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक के निरंतर प्रयास एवं शिक्षा के प्रति समर्पण का परिणाम है। इसके साथ ही एनटीपीसी परियोजना प्रभावित गांवों के समग्र विकास के लिए भी लगातार कार्य कर रही है। परियोजना प्रबंधन समय-समय पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर क्षेत्र की आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त करता है। वर्तमान में 09 विद्यालयों में विकास एवं आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन का कार्य भी कराया जा रहा है। एनटीपीसी ने ग्रामीण अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे शीघ्र विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों का नामांकन कराएं तथा इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' भारत की वैज्ञानिक क्षमता तथा तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान कोल प्रबंधन, रांची में विज्ञान भारती के तत्वावधान में कोल इंडिया लिमिटेड, IIT धनबाद, CSIR-CIMFR, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा अन्य संस्थानों के सहयोग से आयोजित "Sustainable Mining and Ecological Restoration" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए कहा कि आज आवश्यकता केवल खनन की नहीं, बल्कि सतत एवं उत्तरदायी खनन की है, जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ें। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" की सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह दिवस भारत की वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता तथा नवाचार की शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने वर्ष 1998 में 11 एवं 13 मई को पोखरण में "ऑपरेशन शक्ति" के अंतर्गत हुए सफल परमाणु परीक्षणों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में भारत ने विश्व मंच पर अपनी वैज्ञानिक क्षमता और आत्मविश्वास का परिचय दिया तथा वैश्विक स्तर पर नई पहचान स्थापित की। उन्होंने कहा कि उस समय अनेक अंतरराष्ट्रीय चुनौतियाँ एवं प्रतिबंध सामने आए, लेकिन भारत झुका नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प के साथ और अधिक मजबूती से आगे बढ़ा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह दिवस हमें प्रेरणा देता है कि जब विज्ञान, तकनीक और राष्ट्रीय संकल्प एक साथ आगे बढ़ते हैं, तब भारत असंभव को भी संभव बना देता है। उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य रहा है कि उन्हें श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में कार्य करने का भी अवसर प्राप्त हुआ। अटल जी को स्मरण करते हुए उन्होंने भावुक होकर कहा कि वर्ष 1984 के चुनाव में अटल जी ने बरेली में उनके लिए एक दिन में आठ जनसभाएं की थीं। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों एवं खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है। यहाँ उपलब्ध कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट एवं यूरेनियम जैसे खनिज देश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विश्व जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में "Sustainable Mining" भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधन केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर भी हैं। हमें ऐसा भारत बनाना है, जहाँ विकास भी हो, पर्यावरण भी सुरक्षित रहे, उद्योग भी आगे बढ़े और प्रकृति भी मुस्कुराती रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन जिम्मेदार एवं पर्यावरण-अनुकूल खनन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश "विकसित भारत @2047", "आत्मनिर्भर भारत" तथा "सतत विकास" के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

संस्कार भारती रांची महानगर की साधारण सभा की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संस्कार भारती रांची महानगर द्वारा आयोजित साधारण सभा का आयोजन सांस्कृतिक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराह्न 2:30 बजे मुख्य अतिथि विजय भूषण द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आगंतुक सदस्यों का स्वागत मंगल तिलक एवं अंगवस्त्र से किया गया। कार्यक्रम का स्वागत अभिभाषण रांची महानगर के उपाध्यक्ष आशुतोष प्रसाद ने दी। सभा में सुश्री सुजाता मजूमदार एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत ध्येय गीत ने वातावरण को सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया। वहीं सरस्वती वंदना की मधुर प्रस्तुति ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। इसके पश्चात मुख्य अतिथि विजय भूषण को अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। महामंत्री शशिकला पौराणिक ने संगठन का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्ष भर की गतिविधियों, उपलब्धियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष अनूप कुमार मजूमदार ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि विजय भूषण ने अपने संबोधन में भारतीय कला, साहित्य और संस्कारों के संरक्षण में संस्कार भारती की भूमिका की सराहना करते हुए इसे समाज की सांस्कृतिक चेतना का सशक्त मंच बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन में रांची महानगर अध्यक्ष रामानुज पाठक ने संगठन की रचनात्मक सक्रियता को और व्यापक बनाने का आह्वान किया। सभा का प्रमुख आकर्षण माँ दिवस की संवेदनशील थीम पर आधारित काव्य गोष्ठी रही।

रांची से लापता डेढ़ साल की बच्ची की तलाश तेज, सूचना देने पर 50 हजार का मिलेगा इनाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित कोकर के खोरहा टोली से लापता हुई 18 महीने की मासूम बच्ची अदिति पांडे की तलाश में रांची पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। बच्ची के बारे में जानकारी देने वाले को पुलिस की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है। रांची पुलिस ने बच्ची की सकुशल बरामदगी के लिए आम लोगों से सहयोग की अपील की है। पुलिस का कहना है कि बच्ची से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पता पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। बच्ची के संबंध में जानकारी देने के लिए पुलिस ने चार मोबाइल नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों पर सीधे संपर्क कर सूचना दी जा सकती है। रांची एसएसपी : 9431706136, सिटी एसपी : 9431706137, सदर डीएसपी : 9431102090, सदर थाना प्रभारी : 9431706160 इस संबंध में पुलिस उपाधीक्षक केवी रमण ने सोमवार को बताया कि रांची पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार जांच और छापेमारी कर रही है। बच्ची की तलाश के लिए विभिन्न इलाकों में अभियान चलाया जा रहा है और पुलिस हर संभावित पहलू पर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि मासूम बच्ची की सुरक्षित बरामदगी के लिए आम लोगों का सहयोग बेहद जरूरी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं बच्ची दिखाई दे या उससे जुड़ी कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। अदिति पांडे के लापता होने की घटना के बाद पूरे इलाके में चिंता का माहौल है। पुलिस लगातार अलर्ट मोड में काम कर रही है और बच्ची को जल्द से जल्द खोज निकालने के प्रयास जारी हैं।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्य स्तरीय खरीफ कर्मशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सोमवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन हुआ। सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों ने आने वाले मौसम को ध्यान में रखते हुए जिलों में किए जा रही तैयारियों को एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से बतलाया । आने वाले मौसम में यदि राज्य में सूखे की आशंका बनती है तो, जिलों में किस प्रकार की तैयारियां की जा रही है इससे अवगत कराया । सूखे की स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाना प्राथमिकता बिरसा विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एससी दुबे ने कर्मशाला में सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों को एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी कि प्राकृतिक आपदा में हमलोग किस प्रकार की तैयारी करें कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा राहत पहुंचा सकें। उन्होंने बतलाया कि जुलाई के अंतिम सप्ताह तक सभी तैयारियाँ और प्लान सुनिश्चित कर लें। बीज वितरण को प्राथमिकता के साथ लें। नर्सरी प्रबंधन पर फोकस करें। इंटरक्रॉपिंग भी साथ साथ करें। सूखे की यदि थोड़ी भी संभावना दिखे तो उसे देखते हुए युरिया का प्रयोग सावधानी के साथ करें। सॉइल कांजेर्वेशन और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को प्राथमिकता दें। बागवानी भी साथ-साथ में करें। आम-लीची के पेड़ लगायें। पानी की कमी है तो खेत खाली ना छोड़े बल्कि खरीफ सब्जी लगायें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि झारखंड में किसानों की आय बढ़ानी है तो सिर्फ. खेती पर निर्भर ना रहें बल्कि किसानों को पशुपालन के लिए भी प्रेरित करें । राज्य में मानसून के मद्देनजर सभी तैयारियां करें सुनिश्चित उपनिदेशक, सांख्यिकीय,शैलेन्द्र कुमार ने कहा कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सभी पदाधिकारियों को निदेश दिया है कि राज्य में यदि सूखे की स्थिति बनती है तो इस मद्देनजर सभी स्तर पर व्यापक तैयारियां सुनिश्चित किया जाए। सूखे की स्थिति में अन्य विकल्पों पर कार्य करें। कृषि विभाग से जुड़े सभी प्रभाग को बेहतर समन्वय बनाते हुए सभी तैयारियाँ रखें ताकि किसी भी प्रकार की आपदा से निपटा जा सके और राज्य के किसानों को राहत मिल सके । इन सभी पर आकस्मिक योजना की जानकारी देने हेतु 11 एवं 12 मई को दो दिवसीय कर्मशाला का आयोजन किया जा रहा है। जहाँ पहले दिन सोमवार को कंटीजेंट प्लान पर प्रेजेंटेशन दिया गया और मंगलवार को दूसरे दिन कर्मशला का आयोजन होगा ।

विभिन्न जिलों के कृषि पदाधिकारियों ने बतलाया कांटीजेंट प्लान

रांची के जिला कृषि पदाधिकारी राम शंकर प्रसाद सिंह रांची जिला के कंटिंजेंट प्लान को एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में की जा रही तैयारियों को बतलाया।

रुक्का जलाशय से ओवरहेड टैंकों को जोड़ने का काम युद्धस्तर पर

रांची : शहर में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रांची शहरी जलापूर्ति परियोजना के तहत विभिन्न क्षेत्रों में बन रहे 14 ओवरहेड टैंकों को रुक्का जलाशय से जोड़ने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। अब तक मुख्य 'राइजिंग मेन' पाइपलाइन का कुल 77.58 किलोमीटर हिस्सा बिछाया जा चुका है। रुक्का जलाशय से टैंकों तक पानी लाने वाली 'राइजिंग मेन' पाइपलाइन का फेज-2 अ में 38.50 किमी, फेज-2 इ में 33 किमी और फेज-1 में 6.08 किमी काम पूरा हो चुका है. जलाशय से इन सभी टैंकों के पूर्ण रूप से जुड़ते ही शहर के लगभग 2 लाख 6 हजार घरों में नल से जल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

इन 14 ओवरहेड टैंकों तक पहुंचेगा पानी परियोजना के तहत जिन 14 ओवरहेड टैंकों को जोड़ना है, उनमें से 10 टैंकों का निर्माण कार्य 100 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है।

मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण पर हाई कोर्ट सख्त, पुनर्वास और सुरक्षा व्यवस्था पर मांगी रिपोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रामगढ़ जिले के प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण से जुड़े मामले में दायर अवमानना याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान रामगढ़ के उपायुक्त वर्चुअल माध्यम से अदालत में उपस्थित हुए और मंदिर परिसर से हटाए गए वेंडरों के पुनर्वास समेत श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी तैयारियों की जानकारी दी।

उपायुक्त ने अदालत को बताया कि मंदिर परिसर से हटाए गए 254 वेंडरों को पहले मंदिर के निकट अस्थायी रूप से पुनर्वासित किया जाएगा। इसके बाद उनके लिए दुकानें बनाकर स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी, ताकि किसी भी दुकानदार को आजीविका संबंधी परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में दरी बिछाने और पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही वन भूमि पर अवैध कब्जा कर दुकान चला रहे लोगों को हटाया जाएगा। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि का उपयोग मंदिर के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यों में किया जाएगा। सुनवाई के दौरान उपायुक्त ने रजरप्पा मंदिर के पुनर्निर्माण से संबंधित मास्टर प्लान अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय देने का आग्रह किया। इस पर न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को निर्धारित करते हुए उस दिन भी उपायुक्त को उपस्थित रहने का निर्देश दिया।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने भैरवी नदी के डेंजर जोन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जताई। न्यायालय ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि लोगों की सुरक्षा के लिए दो स्तरों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि तत्काल लो-लेवल बैरिकेडिंग की जाए, जबकि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए हाई-लेवल बैरिकेडिंग की अलग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता भारत कुमार ने अदालत में पक्ष रखा।

उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में जल संसाधन विभाग के सचिव ने अदालत को बताया था कि भैरवी नदी के डेंजर जोन में सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बैरिकेडिंग का डीपीआर तैयार किया गया है। दरअसल, उच्च न्यायालय ने पूर्व में एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए थे।

एक नजर

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के 70वें जन्मदिवस पर 'तेरा मैं' उत्सव का आयोजन

रांची : द आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के 70वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर 'तेरा मैं' कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा, साधना एवं सत्संग का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर रांची में दिनभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ हैं विश्व शांति हेतु हस्ताक्षर अभियान जो प्रातः 6:00 बजे से ऑक्सीजन पार्क, मोराबादी, रांची में आयोजित की गयी है रक्तदान शिविर प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक राज्य योग केंद्र, ईस्ट जेल रोड, रांची में होगो क्षितिज मूक एवं बधिर स्कूल, निवारनपुर में बच्चों के साथ खेल-कूद, आमोद-प्रमोद एवं मध्याह्न भोजन होगो सत्संग संध्या एवं गुरु पूजा, 71 दीप दान, सुदर्शन होम, भजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं प्रसाद वितरण सायं 5:30 बजे से राज्य योग केंद्र, ईस्ट जेल रोड, रांची में होगो आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं एवं रांचीवासियों से इन कार्यक्रमों में सपरिवार सम्मिलित होकर सेवा, साधना और सत्संग का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

200 सौ केवी नया ट्रांसफार्मर का किया गया उद्घाटन

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मुरी पश्चिम पंचायत के भिखारी चौक के समीप सिल्ली विधायक अमित महतो के स्वजन से 200 सौ केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। जिसका उद्घाटन डिस्को महतो के द्वारा फिता काटकर किया गया। वही नया ट्रांसफार्मर लगते ही ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। बताते चले की क्षेत्र में लगातार बारिश होने से ट्रांसफार्मर ब्रजपात के कारण जल गया था। जिससे लोगों को परेशान उठानी पड़ रही थी। दुसरी ओर ट्रांसफार्मर जलने की शिकायत विधायक अमित महतो से लोगों ने किया था। इस मौके पर मेघा महली, सरवन महतो, मुख्तार लाली, सुभाष, जावेद, विशाल, साबिर, तहसील, प्रकाश आदि लोग उपस्थित थे।

ट्रैफिक पुलिस ने पकड़े नशे में ड्राइव करने वाले 114 चालक

रांची : राजधानी रांची में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने सख्त अभियान चलाया है। शहर में लगातार मिल रही शिकायतों और सड़क हादसों की आशंका को देखते हुए विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के निर्देश पर यातायात पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर अलग-अलग यातायात थाना क्षेत्रों में ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा पिछले दो महीनों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कुल 4973 वाहनों की जांच की गई। जांच के क्रम में 114 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए, जिनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने प्रत्येक चालक पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। इस तरह कुल 11 लाख 40 हजार रुपए का फाइन वसूला गया।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर सुरेंद्रनाथ सेनटेनरी स्कूल के विद्यार्थियों ने किया एचईसी का शैक्षणिक भ्रमण

रांची : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर सुरेंद्रनाथ सेनटेनरी स्कूल की कक्षा नौवीं और दसवीं के विद्यार्थियों ने सोमवार को हेवी इंजीनियर्स कॉपोरेशन का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने औद्योगिक मशीनों और उत्पादन प्रक्रिया को करीब से समझा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षक धीरज कुमार और शिक्षिका शिल्पी कुमारी के नेतृत्व में भ्रमण में भाग लिया। शिक्षक धीरज कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों को एचएमबीपी प्लांट का अवलोकन कराया गया, जहां उन्होंने विभिन्न औद्योगिक मशीनों और उनकी कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा एवं समझा। वहीं, शिक्षिका शिल्पी कुमारी ने जानकारी दी कि छात्रों को शीयरिंग मशीन, सीएनसी मशीन, फर्नेस, ड्रिलिंग मशीन, वेल्डिंग यूनिट, हाइड्रोलिक प्रेस और लेथ मशीन जैसी आधुनिक मशीनों के संचालन एवं उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। भ्रमण के दौरान एचईसी के अभियंताओं और तकनीकी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मशीनों की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया तथा औद्योगिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं। तकनीकी गतिविधियों को देखकर विद्यार्थियों ने उत्साह व्यक्त किया और विशेषज्ञों से कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए बेहद ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित हुआ। इससे छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक पक्ष को समझने के साथ-साथ औद्योगिक वातावरण से परिचित होने का अवसर मिला।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की बैठक में एमआरपी नीति पर चर्चा, कार्यकारिणी का विस्तार

रांची : अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की प्रांत और रांची जिला स्तरीय बैठक 10 मई 2026 को रातू रोड स्थित पोद्दार एनक्लेव में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से एमआरपी नीति, संगठन विस्तार और आगामी योजनाओं पर रणनीति तैयार की गई।

बैठक में संगठन को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। श्री सुरेश जी को 'पर्यावरण आयाम' की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा अनीता जी, आर. अजय, अंशु जी, आलोक पांडेय, आलोक सिंह, ब्रजमोहन ओझा, सत्यप्रकाश जी, मीरा कुमारी और प्रशांत जी सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए। बैठक में क्षेत्र और प्रांत के वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ, जिनमें शिवाजी क्रांति,अंजल उपाध्याय, श्रीमती अनीता, श्री आर. अजय और अंशु सिंह शामिल थे। वक्ताओं ने कहा कि उपभोक्ताओं को एमआरपी के नाम पर होने वाली लूट से बचाना संगठन की प्राथमिकता है। इसके लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को लेकर 'पर्यावरण आयाम' के माध्यम से नए कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। अगर चाहो तो मैं इसे और भी संक्षिप्त और आकर्षक न्यूज हेडलाइन + पहला पैराग्राफ के रूप में बना दूँ, जो अखबार की तर्ज.पर तुरंत छापने योग्य हो।

मातृ दिवस पर नवा बिहान द्वारा रक्तदान एवं नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

रांची : मातृ दिवस के पावन अवसर पर लेक व्यू ब्लड सेंटर के सहयोग से डोरंडा, राँची में रक्तदान शिविर तथा विजन आई हाउस हॉस्पिटल के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। मातृ दिवस हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को माताओं के निस्वार्थ प्रेम, त्याग और परिवार में उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में मनाया जाता है। इसी प्रेरणादायी अवसर पर समाज सेवा एवं जनस्वास्थ्य के उद्देश्य से इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्व थैलेसीमिया दिवस के महत्व को भी रेखांकित किया गया। नवा बिहान का उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों को सहयोग देना, उनका मनोबल बढ़ाना तथा जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। नवा बिहान के फाउंडर आर अजय जी ने कहा कि आज बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक आंखों की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। समय रहते आंखों की जांच कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राँची शहर में रक्त की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहनी चाहिए ताकि आकस्मिक परिस्थितियों में जरूरतमंदों को सुगमता से रक्त मिल सके। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के उपाध्यक्ष बृज मोहन ओझा ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक शिविर समाज के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित होते रहना चाहिए ताकि लोगों के बीच रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियां दूर हों। एक यूनिट रक्त कई जिंदगियाँ बचा सकता है तथा प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में कम से कम दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। शिविर में लगभग 80 लोगों की मोतियाबिंद, चश्मा एवं नखूना जांच की गई, वहीं रक्तदान शिविर में 20 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश जी, रामाश्रय शर्मा, अंकित कुमार, प्रकाश शाह, रिया रानी, आलोक सिंह, सन्नी शर्मा एवं शुभम मेहता जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। नवा बिहान ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों, सहयोगी संस्थाओं एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाजहित में आगे भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत

सिल्ली : प्रखंड के टुटकी तालाब के समीप कुलसूद निवासी कैलाश लोहरा उम्र (21) वर्ष पिता धूमा लोहरा का मोटरसाइकिल दुर्घटना में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक चांगडू गांव से अपने घर कुलसूद की ओर जा रहे थे। तेज गति के कारण मोटरसाइकिल पोल से टकरा गई जिससे चालक अनियंत्रित हो कर गिर गया और गंभीर चोट लग गई। सूचना मिलते ही सिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को लेकर सिल्ली सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया गया जहाँ चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सिल्ली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु रांची रिम्स रेफर भेज दिया।सिल्ली पुलिस मामले को लेकर छानबीन में जुट गई है।

एक नजर

शिक्षा में बदलाव तय करेगा देश का भविष्य : ख्याली राम

कोडरमा : कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर झुमरी तिलैया में विद्या भारती के उत्तर पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री ख्याली राम जी का आज आगमन हुआ। उन्होंने विद्यालय के आचार्य परिवार के साथ बैठक की। बैठक में आचार्य को निर्देश देते हुए कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में हमें अपने आप को विषय ज्ञान की दृष्टि से अद्यतन होना है। उन्होंने आगे कहा की शिक्षा के क्षेत्र में आमूल चूल परिवर्तन देश का भविष्य तय करेगा और इसकी जिम्मेदारी आप शिक्षण संस्थानों से जुड़े लोगों की है। आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अध्ययन सांगोपांग रूप से सभी करें एवं पंचपदी शिक्षण पद्धति को आधार बनाकर अध्यापन करें। यह शिक्षा पद्धति विद्यालयों में पढ़ने वाले भैया बहनों मे ज्यादा प्रभावी होती है ऐसा प्रयोग सिद्ध है। उन्होंने आचार्य को कई सुझाव भी दिए जिन में विभिन्न भाषाओं का ज्ञान अर्जित करने की बात कही। अंग्रेजी के आचार्य हिंदी के मर्म को भी समझे और संस्कृत के आचार्य अंग्रेजी भाषा को भी बोले। संस्कृत की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए उन्होंने कहा की यही वह भाषा है जिसमें आप भूगोल भी ढूंढ सकते हैं और गणित भी। इस बैठक में विद्यालय की प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह हजारीबाग विभाग के विभाग प्रमुख ब्रजेश कुमार सिंह विद्या विकास समिति झारखंड से अवकाश प्राप्त विभाग निरीक्षक रामावतार साहू और विद्यालय के प्राचार्य आनंद मोहन थे। सर्वप्रथम परिचय का कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य आनंद मोहन के द्वारा संपन्न हुआ। कल्याण मंत्र के साथ बैठक का समापन हुआ।

प्रेरणा शाखा ने वृद्ध आश्रम में मनाया भावपूर्ण मदर्स डे समारोह

झुमरी तिलैया : मदर्स डे के अवसर पर वृद्धा आश्रम में उपस्थित माताओं के साथ प्रेम, सम्मान एवं अपनत्व के साथ मदर्स डे मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर खुशियाँ बाँटी गईं तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, डांस, मनोरंजक गेम्स एवं हॉजी का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण उल्लास एवं भावनाओं से सराबोर हो उठा। साथ ही सभी माताओं के लिए अल्पाहार की सुंदर व्यवस्था की गई एवं उन्हें उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। माताओं के चेहरे पर मुस्कान और आँखों में खुशी देखकर सभी सदस्य भावुक हो उठे तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त कर इस दिन को यादगार बनाया। अध्यक्ष आकृति चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि माँ हमारे जीवन की सबसे बड़ी शक्ति और प्रेरणा होती हैं। वृद्धजनों का सम्मान करना केवल हमारा कर्तव्य नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और संस्कारों की पहचान है।

कोडरमा कांग्रेस की नई टीम को 12 मई को मिलेगा नियुक्ति प्रमाण पत्र

कोडरमा : प्रकाश रजक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है कि 12 मई 2026, मंगलवार को सुबह 11:00 बजे से साहू धर्मशाला में कोडरमा जिला कांग्रेस की नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी एवं प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर भव्य स्वागत समारोह का भी आयोजन किया गया है। जिला अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से नए पदाधिकारियों को नई सोच और नई ऊर्जा के साथ संगठन को मजबूती प्रदान करने का संदेश दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजीव रंजन प्रसाद उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में उमाशंकर अकेला एवं अरुण साहू मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में पॉलीटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य, सभी प्रखंड अध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, विभिन्न मंच-मोर्चा के अध्यक्ष सहित जिले के बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल होंगे।

गोला में नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ हजारों लीटर शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के गोला थाना क्षेत्र में अवैध विदेशी शराब निर्माण और तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली शराब फैक्ट्री का पदार्फाश किया है। ऊपर खखरा टोला, पत्थलगढ़ा स्थित एक बंद घर में चल रहे इस अवैध कारोबार पर छापेमारी कर पुलिस ने भारी मात्रा में शराब, स्प्रिट, नकली लेबल और शराब निर्माण में उपयोग होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को 10 मई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि गोला क्षेत्र में अवैध विदेशी शराब तैयार कर आसपास के इलाकों में तस्करी की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस उपाधीक्षक (मु.) सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ चंदन वत्स के नेतृत्व में विशेष एसआईटी टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में मनोज मुर्मू, पिता भगतु मांझी, ग्राम ऊपर खखरा टोला, पत्थलगढ़ा तथा भदरू सिंह, पिता शम्भु सिंह, ग्राम चोपादारू, थाना गोला शामिल हैं। दोनों की निशानदेही पर तीन घरों में छापेमारी कर अवैध शराब निर्माण और पैकेजिंग का पूरा नेटवर्क उजागर हुआ। पुलिस ने करीब 250 पेटी विदेशी शराब, 1800 लीटर तैयार शराब, 1600 लीटर स्प्रिट, 120 लीटर मोल्ट, 40 हजार लेबल-स्टीकर, 20 हजार बोतल कैप-सील, 20 हजार खाली शराब बोतल, 250 खाली कार्टून, 50 जार, शराब भरने वाले दो ड्रम, दो एल्कोहॉल मीटर, एक पिकअप वाहन और दो मोटरसाइकिल बरामद किए हैं। गोला थाना कांड संख्या 51/2026 में धारा 111(2)(इ), 111(3), 111(4), 340(2), 342(2), 274, 275, 292 भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं 47(ए) उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई में चंदन वत्स, पंकज कुमार, कृष्णा कुमार, अभिषेक कुमार, अशोक कुमार, अमित कुमार, कुमार प्रभात रंजन, स्वामी रंजन ओझा, अनिल कुमार सिंह, बहादुर महतो, दिनानाथ केशरी, संजय कुमार गोराई, तालेबर महतो, तरसिसिया लकड़ा, राजेश कुमार ओझा, प्रेमचंद प्रसाद यादव, राजकुमार बेदिया, सुखदेव कुमार साव, कार्तिक करमाली, पैंथर मोबाइल दस्ता और रामगढ़ जिला सशस्त्र बल शामिल रहे।

जयनगर परियोजना में आंगनबाड़ी सेविकाओं की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जयनगर परियोजना अंतर्गत सोमवार को सेक्टर 1 से 4 की आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, पोषण ट्रैकर, टीएचआर वितरण, एचसीएम उपस्थिति, गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, बच्चों के नियमित मापन तथा बच्चों की पहचान एवं उन्हें समय पर एमटीसी में भर्ती कराने समेत विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान केंद्रवार प्रगति प्रतिवेदन एवं लाभुकवार जानकारी की जांच की गई। जिन लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है तथा जो अब भी वंचित हैं, उनकी सूची की समीक्षा करते हुए सेविकाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विशेष रूप से 3 से 6 वर्ष के बच्चों की एचसीएम उपस्थिति पर जोर देते हुए कम से कम 21 दिनों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा पोषण ट्रैकर ऐप में नियमित एवं शुद्ध डेटा प्रविष्टि, शून्य एवं कम प्रदर्शन वाले केंद्रों में सुधार, पेयजल एवं शौचालय सुविधा की उपलब्धता तथा पोषण संबंधी सभी इंडिकेटरों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सभी सेविकाओं को निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करने तथा क्षेत्र भ्रमण कर लाभुकों से नियमित संपर्क बनाए रखने का निर्देश दिया गया। मौके पर एलएस अनीता कुमारी, एबीएफ अशोक कुमार समेत सेक्टर 1 से 4 की सभी आंगनबाड़ी सेविकाएँ उपस्थित थीं।

रामगढ़ में 34 'हिट एंड रन' मामलों में 68 लाख मुआवजा मंजूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सड़क दुर्घटनाओं में अपनों को खो चुके परिवारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में हिट एंड रन सड़क दुर्घटना मुआवजा योजना के तहत 34 वैध मामलों को स्वीकृति प्रदान की गई। प्रशासन की इस पहल से पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहारा मिलने की उम्मीद जगी है। बैठक के दौरान लंबित आवेदनों की गहन समीक्षा की गई। जांच के बाद कुल 34 मामलों को स्वीकृति देते हुए 68 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की गई। नियमानुसार प्रत्येक मृतक के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि सभी मामलों का निष्पादन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों और कानूनी प्रावधानों के तहत पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति सहायता से वंचित नहीं रहना चाहिए और पीड़ित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके आश्रितों को दो लाख रुपये की सहायता राशि दी जाती है। वहीं गंभीर रूप से घायल होने की स्थिति में 50 हजार रुपये का प्रावधान है। योजना का लाभ लेने के लिए पीड़ित या उनके परिजनों को निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित थाना या अंचल कार्यालय के माध्यम से आवेदन करना होता है। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई को सड़क दुर्घटना पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनशील पहल माना जा रहा है।

धोबियाडीह में डेढ़ लाख का डीजे साउंड सिस्टम चोरी, पुलिस जांच में जुटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददतात

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत धोबियाडीह मे साउंड सिस्टम चोरी होने का मामला प्रकाश मे आया है। जिसे लेकर धोबियाडीह निवासी बलदेव रजक ने नवलशाही थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध डीजे साउंड सिस्टम चोरी करने का मामला दर्ज कराया है। दिए गए आवेदन में उन्होंने कहा है कि मैं रोज की तरह अपने बोलोरो पिकअप वैन में अपने घर के पास डीजे साउंड सिस्टम बांध कर खड़ी किया था। जिसमें चार साउंड सिस्टम लगा था जिसकी कीमत 150000 था जब मैं 11 जून की सुबह उठा तो देखा कि मेरी गाड़ी से चारों साउंड सिस्टम गायब है मुझे उम्मीद है कि चारों साउंड सिस्टम को किसी अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया मामले को लेकर बलदेव रजक ने कहा है कि अज्ञात चोरों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कर साउंड सिस्टम को बरामद करने की अपील किया है। इधर पुरे मामले को लेकर नवलशाही पुलिस जाँच मे जुट गई है।

देश के वीरों ने थामा समाज सेवा का संकल्प, पूर्व सैनिकों की नई टीम गठित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बंजारी नगर स्थित ब्लू प्लेनेट फार्म हाउस परिसर रविवार को राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और पूर्व सैनिकों की ऐतिहासिक एकजुटता का गवाह बना। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की महत्वपूर्ण बैठक में जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों पूर्व सैनिकों ने भाग लेकर संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का माहौल देशभक्ति के जज्बे और सामाजिक सरोकारों से ओत-प्रोत नजर आया। बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं, उनके अधिकारों, सम्मान और समाजहित में उनकी सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व सैनिक देश की सुरक्षा के साथ-साथ समाज सेवा में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने और पूर्व सैनिकों को एक मंच पर जोड़ने का निर्णय लिया गया। वर्दी भले उतर गई हो, लेकिन देश सेवा का जुनून आज भी पूर्व सैनिकों के दिलों में उसी शान और गर्व के साथ जीवित है। यह पंक्ति पूरे कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिकों के जज्बे और समर्पण को बयां करती रही। उपस्थित पूर्व सैनिकों ने कहा कि राष्ट्र सेवा केवल सीमा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाजहित के कार्यों में योगदान देना भी उनका कर्तव्य है। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत सर्वसम्मति से नई टीम का गठन किया गया। राम टहल महतो को अध्यक्ष, अमित साहू को उपाध्यक्ष, विजय सिंह को महासचिव, शिवराज पाटील को सचिव तथा रंजीत कुमार को उप सचिव चुना गया। विवेक कुमार विश्वकर्मा को जिला कोषाध्यक्ष और राम प्रसाद सिंह को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कोयलांचल के हक और युवाओं के रोजगार की लड़ाई को मिला नया मंच, भुरकुंडा क्षेत्र कोयलांचल संघर्ष समिति का हुआ गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भुरकुंडा पंचायत भवन में सोमवार को क्षेत्र के सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं और ग्रामीणों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्रीय समस्याओं और रोजगार के मुद्दों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से भुरकुंडा क्षेत्र कोयलांचल संघर्ष समिति का गठन किया गया। समिति ने क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने, स्थानीय हितों की रक्षा करने और सीसीएल प्रबंधन के कथित मनमाने रवैये के खिलाफ संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सीसीएल प्रबंधन ने 7 मई को गुपचुप तरीके से संगम खुली खदान को चालू कर स्थानीय जनता और पंचायत प्रतिनिधियों की अनदेखी की है। इसे लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। समिति के सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र की जनता की सहमति और स्थानीय हितों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कहा गया कि कोयलांचल क्षेत्र के युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। समिति ने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय लोगों के अधिकारों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि समिति क्षेत्र के विस्थापन, प्रदूषण और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ेगी। बैठक में संरक्षक मंडली में मनोज कुमार राम, चमन लाल, श्रीनाथ करमाली, जगतार सिंह, एचएन यादव और प्रेमनाथ विश्वकर्मा को शामिल किया गया। संयोजक मंडली में अध्यक्ष अजय कुमार पासवान, उपाध्यक्ष योगेश दांगी, आशीष गुप्ता, मुकेश पाण्डेय, इम्तियाज अहमद और सतीश मोहन मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई। वहीं प्रदीप मांझी को सचिव बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजेन्द्र नायक, फिरदोस आलम, पंकज कुमार, राहूल यादव, प्रकाश दास, बागेश करमाली, विजय कुमार और शहजाद हुसैन को शामिल किया गया।

संक्षिप्त खबरें

'सेल्फी विद झोला' अभियान से बच्चों ने दिया प्लास्टिक मुक्त समाज का संदेश

रामगढ़ : पॉलिथीन डोनेट मिशन के तहत चलाए जा रहे सेल्फी विद झोला अभियान का अगला पड़ाव पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय मनुवा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए कपड़े के सुंदर झोले तैयार किए और उन पर आकर्षक कलाकृतियां बनाकर पर्यावरण संरक्षण का अनोखा संदेश दिया। कार्यक्रम ने विद्यालय परिसर को जागरूकता और रचनात्मकता के रंगों से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वर्गों के छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों से कपड़े के झोले तैयार किए। झोलों पर पर्यावरण बचाओ, पॉलिथीन हटाओ और स्वच्छ भारत जैसे संदेशों के साथ रंग-बिरंगी कलाकृतियां बनाई गईं। बच्चों की रचनात्मकता और उत्साह ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे नगर परिषद के सिटी मैनेजर राजीव कुमार ने बच्चों को प्लास्टिक और पॉलिथीन के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पॉलिथीन पर्यावरण और मानव जीवन दोनों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। उन्होंने बच्चों से दैनिक जीवन में कपड़े के झोले के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि स्कूल में बच्चों को नियमित रूप से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाता है। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिसर में पॉलिथीन के उपयोग को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को पॉलिथीन से दूरी बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान देने की शपथ दिलाई गई।

आदिम जनजाति परिवारों की 9 बच्चियों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन

कोडरमा : आदिम जनजाति समुदाय की बच्चियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य निर्माण की दिशा में पहल करते हुए सोमवार को कुल 9 बच्चियों का नामांकन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कराया गया। इनमें पंचायत खारयोडीह अंतर्गत गड़ियाई गांव की 5 तथा पंचायत नईटांड़ के मैसेंधा गांव की 4 बच्चियां शामिल हैं। नामांकित बच्चियों में गड़ियाई गांव की प्रिया कुमारी, रेखा कुमारी, करिश्मा कुमारी, नेहा कुमारी एवं सजनी कुमारी शामिल हैं। वहीं मैसेंधा गांव की सुमा बिरहोर, सविता कुमारी, मुस्कान बिरहोर एवं रेखा कुमारी का नामांकन कराया गया। इस अवसर पर बीडीओ गौतम कुमार ने अभिभावकों एवं बच्चों को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक आवासीय विद्यालय है, जहां बच्चों के रहने, भोजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पुस्तक, पोशाक, स्वास्थ्य जांच, खेलकूद सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। विद्यालय में सुरक्षित एवं अनुशासित वातावरण में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। बीडीओ ने कहा कि शिक्षा समाज और जीवन में सकारात्मक बदलाव का सबसे मजबूत माध्यम है। आदिम जनजाति समुदाय के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बच्चों को शिक्षा के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन और आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को शिक्षा के प्रति लगातार प्रेरित करने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से आदिम जनजाति समुदाय के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर एनसीसी शिविर में गूंजा देशभक्ति का स्वर

कोडरमा : बागीटांड़ स्थित राजकीय पॉलिटेक्नीक कोडरमा परिसर मे ग्रुप हैडक्वाटर हजारीबाग के अंतर्गत 45 झारखंड बटालियन की एनसीसी कोडरमा के कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार सेना मेडल की कुशल नेतृत्व में चल रहे 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के सातवें दिन राज्य के विभिन्न जिलों से आए लगभग 650 एनसीसी कैडेट्स सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। शिविर के दौरान कैडेट्स द्वारा सैन्य एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है। प्रशिक्षण के अंतर्गत फायरिंग ड्रिल, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट, ऑब्स्टेकल ट्रेनिंग, टेंट पिचिंग एवं मैप रीडिंग जैसी गतिविधियों का अभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही थल सेना कैंप चयन प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रतियोगिताये कि जा रही है।संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर देशभक्ति एवं वीर सैनिकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय सेना के शौर्य, साहस एवं बलिदान को नमन किया गया। विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए एनसीसी अधिकारियों के मार्गदर्शन में कैडेट्स द्वारा देशभक्ति एवं राष्ट्रीय जागरूकता पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कैडेट्स ने ह्वऑपरेशन सिंदूरह्व के महत्व, देश के वीर जवानों के साहस, त्याग, बलिदान तथा राष्ट्र सुरक्षा में उनके समर्पण को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। कैडेट्स की प्रस्तुति ने उपस्थित अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों को भावुक कर दिया तथा पूरे शिविर परिसर में देशभक्ति का वातावरण व्याप्त हो गया।

रजरप्पा ज्वेलरी लूटकांड में बड़ा खुलासा जमीन में गाड़कर छिपाए गए जेवर बरामद

रामगढ़ : रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर रजरप्पा मोड़ स्थित एनएच-23 पर अवस्थित शिव शंकर ज्वैलर्स में 21 अप्रैल 2026 को हुई चर्चित डकैती कांड में रामगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लगातार चल रही छापेमारी के दौरान पुलिस ने जमीन में गाड़कर छिपाए गए सोना-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। इस कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता की चर्चा तेज हो गई है। वादी विष्णु प्रसाद के फर्दबयान पर रजरप्पा थाना कांड संख्या 48/2026 दर्ज किया गया था। मामले में धारा 310(2)/111(2)(बी)/111(4) बीएनएस एवं 25(1-ए)/25(1-बी)(ए)/25(1-एए)/35/27(1) आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (मु.) सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ चंदन वत्स के नेतृत्व में गठित एसआईटी लगातार कार्रवाई कर रही है। इससे पहले 24 अप्रैल 2026 को सात अपराधियों को गिरफ्तार कर लगभग 180 पीस सोना-चांदी के आभूषण, एक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, तीन दोपहिया वाहन, एक चारपहिया वाहन, दो मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त कपड़े बरामद किए गए थे। 10 मई 2026 को गुप्त सूचना के आधार पर मुख्य अभियुक्त सुभानी अंसारी उर्फ ललका की पत्नी नाजमा खातुन और दामाद शहनवाज हुसैन की निशानदेही पर बरकट्टी स्थित घर में छापेमारी की गई।

एक नजर

चीचाकी पंचायत के होंकपोंक गांव में चोरों ने नगदी समेत सोने चांदी के जेवर ले उड़े

सरिया : सरिया थाना क्षेत्र के चीचाकी पंचायत अंतर्गत होंक–पोंक गांव में चोरों ने शनिवार को बंद घर से ताला तोड़कर 2,05,000 रू .नगद तथा सोने–चांदी के जेवर ले उड़े।

इस संबंध में भुक्त भोगी फूलमती देवी ने सरिया थाना में एक आवेदन देते हुए कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित फूलमती देवी पति महेंद्र दास ने बताई कि बेटी की शादी की तैयारी को लेकर रुपए व्यवस्था करने वह अपने बच्चों व पति के साथ शनिवार को अपना नैहर टाटी झरिया गई थी। घर में विवाह के लिए 1,80,000 रुपए तथा महिला समूह के 25000 बक्सा में रखी थी। रविवार की सुबह पास पड़ोस के लोगों ने उसके घर का दरवाजा टूटा हुआ देखा .उसके देवर रामु रविदास ने दूरभाष के माध्यम से उन्हें घटना की जानकारी दी। सपरिवार टाटी झरिया से अपना घर होंक–पोंक लौटे। परिजनों ने देखा कि गेट का ताला टूटा हुआ है। आंगन में प्रवेश करने पर कमरे के दरवाजे में लगे ताली भी टूटे हुए थे। घर में रखा बक्सा का ताला टूटा पड़ा था .बक्सा के अंदर रखे सामान भी इधर–उधर बिगड़ पड़ा था। बक्से में रखें 2,05,000 रू .नगद गायब थे। वहीं चांदी का चार जोड़ा पायल तथा सोने का दो जोड़ा झुमका भी गायब था। तब उन्हें समझ में आया कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। वहीं घटना की सूचना सरिया थाना को दी गई। सरिया पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई। वही उसी रात गांव के दो अन्य घरों में भी चोरी की सूचना की बात कही गई।

दनुआ घाटी में देर रात भीषण हादसा: 9 वाहन टकराए, एक दर्जन घायल, घंटों बाधित रहा हाईवे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : "मौत की घाटी" कही जाने वाली दनुआ घाटी शुक्रवार देर रात एक बार फिर दर्दनाक हादसे की गवाह बनी। घाटी में तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहनों के कारण एक के बाद एक 9 वाहन आपस में भिड़ गए। हादसे के बाद चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। कई वाहनों के परखच्चे उड़ गए और पूरी घाटी दहल उठी।

कैसे हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे दनुआ घाटी के तीखे मोड़ पर एक कंटेनर के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रहे वाहन उससे टकराते चले गए। देखते ही देखते 5 फोर-व्हीलर, 2 कंटेनर और 2 ट्रक आपस में उलझ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई वाहन पलटकर सड़क किनारे जा गिरे, जबकि कुछ एक-दूसरे में बुरी तरह फंस गए।

बाल-बाल बचीं जिंदगियां

राहत की बात यह रही कि इस भीषण हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि करीब एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कई यात्रियों ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अगर हादसा दिन में होता तो नुकसान और बड़ा हो सकता था।

घंटों फंसा रहा हाईवे

दुर्घटना के बाद ठल-2 पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम, स्थानीय प्रशासन और राहगीरों ने रेस्क्यू शुरू किया। क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे घायलों को निकालकर चौपारण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। क्रेन की मदद से वाहनों को हटाने के बाद करीब 3 घंटे बाद यातायात सामान्य हो सका।

फिर उठे सुरक्षा पर सवाल

दनुआ घाटी में लगातार हो रहे हादसों ने हाईवे सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि घाटी में स्पीड लिमिट का बोर्ड तो है, लेकिन निगरानी नहीं। भारी वाहनों की ओवरलोडिंग और रात में तेज रफ्तार हादसों की बड़ी वजह बन रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि घाटी में रंबल स्ट्रिप, अतिरिक्त चेतावनी संकेत, सीसीटीवी कैमरे और हाईवे पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए। साथ ही भारी वाहनों के लिए अलग टाइम स्लॉट तय हो ताकि हादसों पर रोक लग सके।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा नेता ने लिया ओलावृष्टि से हुए नुकसान का जायजा

खूंटी : मुरहू प्रखंड के कई इलाकों में रविवार को हुई भारी वर्षा, तेज आंधी–तूफान और ओलावृष्टि ने मुरहू प्रखंड के कई गांवों में भारी क्षति पहुंचाई। सोमवार को भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो ने प्रभावित गांवों कुंजला, खूंटी टोला, दुलवा, ईठे, चारिद, बरटोली, पोकला सहित अन्य गांवों का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि तेज हवा और पत्थर पानी के कारण कई घरों की छत क्षतिग्रस्त हो गई। इससे गरीब परिवारों के सामने रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। काशीनाथ महतो ने बताया कि कई परिवारों के घर पुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने तत्काल अंचल अधिकारी (सीओ) से बात कर प्रभावित परिवारों को राहत उपलब्ध कराने की मांग की। अंचल अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कर्मचारी और सीआई को प्रभावित क्षेत्रों में भेजकर जांच शुरू कराई। प्रशासन की ओर से नुकसान का आकलन कर आगे आवश्यक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

चलकुशा में आज 14 घंटे गुल रहेगी बिजली, डीवीसी लेगा शटडाउन

हजारीबाग : चलकुशा प्रखंड के लोगों को मंगलवार 12 मई को 14 घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। डीवीसी द्वारा केटीपीएस स्थित 315 एमवीए, 400/220/33 केवी ग्रिड में आईसीटी-2 के तकनीकी निरीक्षण और अनुरक्षण कार्य के लिए आपातकालीन शटडाउन लिया जा रहा है। सुबह 6 से रात 8 बजे तक बाधित रहेगी आपूर्ति बिजली विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक पूरे चलकुशा प्रखंड में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप रहेगी। इस दौरान 33 केवी और 11 केवी संचरण लाइनों का मेंटेनेंस किया जाएगा। साथ ही लाइनों की सुरक्षा के लिए पेड़ों की टहनियों की छटाई का काम भी कराया जाएगा। उपभोक्ताओं से की गई अपील विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि इस अस्थायी असुविधा में सहयोग करें और जरूरी काम सुबह 6 बजे से पहले निपटा लें। मोबाइल चार्ज, पानी का स्टोरेज और अन्य आवश्यक कार्य पहले से कर लें।

ईसाई प्रार्थना सभा पर रोक लगाने की मांग, उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : तोरपा प्रखंड के दियांकेल स्थित एनओपीसी मैदान में 13 और 14 मई को प्रस्तावित ईसाई धार्मिक प्रार्थना सभा को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इस संबंध में पारंपरिक आदिवासी संगठनों ने सोमवार को उपायुक्त खूंटी को ज्ञापन सौंपकर कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह क्षेत्र अनुसूचित जनजातीय (आदिवासी) एवं पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां ग्राम सभा की स्वायत्तता, पारंपरिक रीति-रिवाज और आदिवासी संस्कृति को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। आरोप लगाया गया है कि ह्लप्रोफेट ब्रजिंदर सिंह मिनिस्ट्रीह्व द्वारा आयोजित इस प्रार्थना सभा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है तथा कार्यक्रम में शारीरिक बीमारियों, कर्ज, निराशा एवं बंधन से मुक्ति जैसे दावे किए जा रहे हैं। ज्ञापनकताओं ने आशंका जताई है कि इस प्रकार के आयोजनों से आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था, रूढ़ि-प्रथा और सांस्कृतिक पहचान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बाहरी धार्मिक गतिविधियों से धर्मांतरण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 19(5)(6), अनुच्छेद 244(1), पांचवीं अनुसूची तथा पेसा कानून 1996 का हवाला देते हुए कहा गया है कि अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समाज की परंपराओं, सांस्कृतिक पहचान एवं ग्राम सभा के अधिकारों की रक्षा करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से मांग की गई है कि प्रस्तावित कार्यक्रम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए, ताकि आदिवासी समाज की पारंपरिक धार्मिक-सामाजिक व्यवस्था एवं संवैधानिक अधिकार सुरक्षित रह सकें।

टोल वसूली जारी, सड़क बदहाल, चौका-कांड्रा मार्ग पर भड़के हरे लाल महतो, दी आंदोलन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : खरसावां जिले के महत्वपूर्ण चौका-कांड्रा मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर अब राजनीतिक और जनआक्रोश तेज होने लगा है। लगभग एक वर्ष से जर्जर पड़े इस टोल रोड को लेकर आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह ईचागढ़ के पूर्व विधायक प्रत्याशी हरे लाल महतो ने सरकार और सड़क निर्माण एजेंसी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सड़क की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू नहीं हुआ तो आम जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में हरे लाल महतो ने कहा कि चौका-कांड्रा मार्ग केवल ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिले के हजारों लोगों के लिए राजधानी रांची पहुंचने का

प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसके बावजूद सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि रोजाना लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन चुके हैं, खासकर चौका क्षेत्र के आसपास स्थिति अत्यंत भयावह है। भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है और आए दिन वाहन गड्ढों में फंस रहे हैं। इससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। हरे लाल महतो ने टोल वसूली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब यह एक टोल रोड है। तो इसकी देखरेख करने वाली एजेंसी आखिर क्या कर रही है। लोगों से नियमित रूप से टोल टैक्स वसूला जा रहा है, लेकिन सड़क की मरम्मत के नाम पर कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे रहने वाले दुकानदार और स्थानीय ग्रामीण पिछले एक साल से धूल और कीचड़ के बीच नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–रेहान कुरैशी, उम्र–11 वर्ष, उँचाई–4 फीट, रंग–सॉवला, पहनावा–हरा रंग फुल गंजी (टी शर्ट) हाफ ट्राउजर पहने हुए है।

उपरोक्त लापता लड़का रेहान कुरैशी, उम्र–11 वर्ष, पिता–शकिल कुरैशी, ग्राम–माण्डर बाजारटॉड़ पतरा कोना, थाना–माण्डर, जिला–राँची जो दिनांक–14.04.2026 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में माण्डर थाना काण्ड सं0–42/2026, दिनांक–18.04.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आव यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़का कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, खलारी, रॉची। –9431742777

थाना प्रभारी, माण्डर, राँची। –9431706187

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR.NO.379514 Police(26-27):D

मेहनत के बल पर प्रति वर्ष 3.5 आय अर्जित कर रहीं मनोरमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : मुरहू प्रखंड की कुंजला पंचायत अंतर्गत ग्राम ईठे की रहने वाली मनोरमा टूटी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी हैं। कभी आर्थिक अभाव और पारिवारिक कठिनाइयों से जूझने वाली मनोरमा ने अपने संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर न केवल अपनी जिंदगी बदली, बल्कि पूरे गांव की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पति आनंद पाहन के निधन के बाद मनोरमा टूटी के सामने परिवार चलाने की बड़ी चुनौती थी। बीपीएल परिवार से होने के कारण बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी कठिन हो

गया था। इसी दौरान ग्रामसभा में उनका चयन मनरेगा महिला मेट के रूप में किया गया, जिसने उनके जीवन को नई दिशा दी। लीड्स संस्था और प्रखंड प्रशासन की ओर से मिले प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और क्षमता विकास कार्यक्रमों से मनोरमा का आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने वर्षों से बंजर पड़े खेत को उपजाऊ बनाने का संकल्प लिया और ग्रामीणों के साथ मिलकर सामूहिक आम बागवानी की योजना तैयार की। उनकी प्रेरणा से पांच किसानों ने सात एकड़ भूमि पर मनरेगा योजना के तहत आम बागवानी की शुरूआत की। मनोरमा की मेहनत और दूरदृष्टि रंग लाई और बंजर भूमि हरे-भरे बाग में बदल गई। वर्ष 2017 में इस बागवानी को बिरसा मुंडा आम बागवानी के नाम से पहचान मिली। इसका नामकरण तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने किया था। सात एकड़ में फैले इस बाग से आम और मौसमी सब्जियों की खेती के जरिए प्रतिवर्ष लगभग 03 लाख से 3.5 लाख रुपये तक की आय हो रही है।

चांडिल कॉलेज में गृह विज्ञान विषय हटाने के विरोध में छात्र प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सोमवार को सिंहभूम कॉलेज चांडिल में ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन के बैनर तले क्लस्टर मॉडल लागू करने के तहत चांडिल कॉलेज से गृह विज्ञान विषय की पढ़ाई को बंद करने के विरोध में प्रदर्शन किया गया। उपस्थित ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन के जिला सचिव युधिष्ठिर प्रमाणिक ने कहा कि सिंहभूम कॉलेज चांडिल 1973 में स्थापित हुआ, उसके लगभग कुछ ही वर्ष बाद ही होम साइंस की पढ़ाई यहां शुरू हुई है इतने लंबे समय विषय में पढ़ाई होता रहा है। इस विषय में पर्याप्त संख्या में विद्यार्थियों होने के बावजूद भी कॉलेज से विषय की पढ़ाई को हटाया जा रहा है। कितने

संघर्ष के बाद किसी विषय का पढ़ाई कॉलेज में शुरू किया जाता है लेकिन आज एक तुगलकी फरमान जारी करके विषय की पढ़ाई को खत्म किया जा रहा है। जहां इस विषय के साथ साथ और नए-नए विषय की पढ़ाई शुरू करनी चाहिए, पढ़ाई को बेहतर तरीके से जारी रखने के लिए शिक्षक, गैर शैक्षणिक कर्मचारी व आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने की जरूरत है वहीं पुनर्गठन के नाम पर कोल्हान विश्वविद्यालय के द्वारा स्ट्रीम वाइज व क्लस्टर मॉडल को शुरू करके पढ़ाई को खत्म करने का साजिश रच रही है।

कार्यालयः–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, सिमडेगा वन प्रमण्डल, सिमडेगा

E-mail :dfo-simdega@gov.in, Mobile No. – 8987790117, Pin Code - 835235

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि M/s Twenty First Century, Mining Private Ltd., 1st and 2nd Floor, 443/A, Road No.-5, Ashok Nagar, Ranchi, Jharkhand द्वारा Tokisud Block II Coal Mines, Ramgarh हेतु वनभूमि अपयोजन के बदले सिमडेगा जिला अन्तर्गत मौजा–लिटीमारा, थाना–कुरडेग, थाना सं0–34, अंचल–कुरडेग के खाता सं0–26 एवं 82, कुल रकबा–6.31 एकड़ गैरवनभूमि का क्षति पूरक वनरोपण योजना हेतु वन विभाग को उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से उपयुक्तता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरांत Sale Deed सं0–2026/SIM/86/BK1/86 &2026/SIM/87/BK1/87, दिनांक–09.02.2026 द्वारा रैयत से भूमि क्रय करने के उपरांत लगान रसीद, नामांतरण शुद्धि पत्र, सम्पति अवभार प्रमाण पत्र एवं अपर समाहर्त्ता, सिमडेगा द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र समर्पित किया है तथा उक्त रैयती भूमि खाता सं0–26 एवं82 के कुल–रकबा–6.31 एकड़ **(छः एकड़ एकतीस डिसमिल)** को अपनेपक्ष में करा लिया है, जो निम्नवत् है :–

ग्राम का नाम	थाना/थाना संख्या	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	रकबा(एकड़ में)	अभ्युक्ति
लिटीमारा	कुरडेग/34	26	1628	0.81	
		26	1700	0.67	
		82	1635	3.97	
		82	1698	0.27	
		82	1699	0.59	
		कुल :–	5प्लॉट	6.31 एकड़	

त्दोपरांत M/s Twenty First Century, Mining Private Ltd., 1st and 2nd Floor, 443/A, Road No.-5, Ashok Nagar, Ranchi, Jharkhand द्वारा उपरोक्त भूमि की कुल रकबा–6.31 एकड़ कोवन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग, झारखण्ड (सिमडेगा वनप्रमंडल, सिमडेगा) के पक्ष में निबंधन, नामांतरण एवं हस्तांतरण की कार्रवाई किये जाने हेतु अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में आवेदन समर्पित किया गया है।

उपरोक्त भूमि के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग, झारखण्ड (सिमडेगा वनप्रमंडल, सिमडेगा) के पक्ष में निबंधन, नामांतरण एवं हस्तांतरण होने से खतियानी रैयत के संबंधी/रिश्तेदार को यदि किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वनप्रमंडल पदाधिकारी, प्रादेशिक वन प्रमंडल, सिमडेगा के कार्यालय में कार्य दिवस की कार्यालय अवधि (10:00 बजेपूर्वाह्न से 5:00 अपराह्न तक) में अपना आपत्ति/शिकायत संबंधी आवेदन आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर समर्पित करेंगे, अन्यथा यह माना जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है। 15 दिनों की अवधि समाप्ति के उपरांत आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

PR 379456 Simdega(26-27)#D

वन प्रमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा वन प्रमंडल, सिमडेगा

हजारीबाग में बनेगा मल्टीपरपज इंडोर स्पोर्ट्स सेंटर, सूरजकुंड 'नो बोरिंग जोन' घोषित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में खेल और पर्यटन को नई उड़ान देने के लिए उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में अहम समीक्षा बैठक हुई। बैठक में हजारीबाग में बहुउद्देशीय इंडोर स्पोर्ट्स सेंटर बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। खेल सुविधाओं पर फोकस उपायुक्त ने आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र में राष्ट्रीय-राज्य स्तर के खिलाड़ियों की स्थिति, तीरंदाजी की गुणवत्ता, हॉकी डे-बोर्डिंग, खेलो इंडिया योजना, बालिका एथलेटिक्स और बैडमिंटन प्रशिक्षण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी खेल मैदानों में शौचालय, प्रकाश व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त करने का निर्देश दिया।

स्विमिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो और वॉलीबॉल को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। जिला खेल पदाधिकारी को मल्टीपरपज इंडोर स्पोर्ट्स सेंटर का प्रस्ताव खेल विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया। साथ ही डे-बोर्डिंग केंद्रों का दोबारा निरीक्षण कर जरूरतें तय करने और हॉकी टर्फ के लिए स्थल चयन करने को कहा गया। पर्यटन स्थलों का होगा कायाकल्प पर्यटन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि हजारीबाग झील, जगन्नाथ धाम सिलवार और चम्पेश्वरी मंदिर इचाक को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। पर्यटन विभाग को इनके लिए प्राक्कलन भेजने को कहा गया। बरकट्ठा के प्रसिद्ध सूरजकुंड और हजारीबाग झील स्थित एम्फी थियेटर के रख-रखाव व संचालन की जिम्मेदारी जिला परिषद को सौंपी गई। सूरजकुंड के 2 किलोमीटर क्षेत्र को ह्लनो बोरिंग जोनह्व घोषित किया गया है। वहां पानी की सप्लाई के लिए चेक डैम भी बनेगा। झील में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट लगाने के लिए निविदा प्रक्रिया का प्रारूप तैयार करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी पर्यटक स्थलों पर छायादार स्थान, पेयजल और स्वच्छता की पुख्ता व्यवस्था करने पर जोर दिया। बैठक में खेल और पर्यटन विभाग के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, चतरा।

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना–**N.I.T. No.-05/2026-27**

पत्रांकः–433 दिनांक :–11.05.2026

1.	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, चतरा ।
2.	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि–	28.05.2026 के अपराह्न 1.00 (एक) बजे तक ।
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	29.05.2026 के अपराहृन 3.00 (तीन) बजे तक ।
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	29.05.2026 के अपराह्न 3.30 (साढ़े तीन) बजे ।
5.	परिमाण विपत्र विक्री का स्थान	1- कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल का कार्यालय, चतरा । 2- अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, का कार्यालय हजारीबाग । 3- सहायक अभियंता, भवन अवर प्रमण्डल सं0.01,चतरा का कार्यालय ।
6.	निविदा प्राप्ति का स्थान और खोलने का स्थान	1- कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल का कार्यालय, भवन प्रमण्डल, चतरा ।
7.	कार्य की विवरणी	

क्रम सं0	कार्य का नाम	प्रा0 राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Renovation of Godown at Bhedi Farm Office under Chatra District.	20,89,900.00	42000.00	5000.00	02 Months
2.	Renovation of Bhed Prahanan Prakshatra Offices, Chatra	15,38,400.00	31,000.00	5000.00	01 Months

नोटः– 1. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट् पर देखा जा सकता है।
2बैंक ड्राफ्ट निविदाकार के नाम से ही निर्गत होना चाहिए।

कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, चतरा।

PR 379497 Building(26-27)D

फ्लोरेंस नाइटिंगेल जो कर गईं, वह बेमिसाल

दया और सेवा की प्रति मूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग का जन्मदाता माना जाता है। उनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उनकी जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना किया जाता है। इस वर्ष यह दिवस "हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।" थीम के साथ मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। लेडी विद द लैंप के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत में वर्ष 1973 में नर्सों के अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी। केंद्र सरकार प्रतिवर्ष इस दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान करती है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटैलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की। मात्र 16 वर्ष की उम्र में ही उन्हें एहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवाकार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था। इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दी गई। उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्किये की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आईं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं था। ऐसे में ब्रिटिश सरकार ने फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्टूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्किये भेजा। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। उन्होंने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से लेडी विद द लैंप कहने लगे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहीं। 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटीं, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया।

सूडोकु नवताल- 7792

✱✱✱✱✲ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7791 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार ह्यपकड़वा विवाहह्न के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर हम ह्यनारी शक्तिह्न और ह्यबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्न जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह ह्यसॉफ्टवेयर क्राइमह्न का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन- सभी को मिलकर काम करना होगा।

अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे।

आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है।

सामाजिक -आध्यात्मिक योगदान देने वाली विदुषी- संत मुक्ताबाई

गिरीश जोशी

महाराष्ट्र की संत परंपरा में संत मुक्ताबाई का नाम अत्यंत श्रद्धा एवं सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल संत ज्ञानेश्वर की छोटी बहन ही नहीं थीं, बल्कि स्वयं एक उच्चकोटि की संत, दार्शनिक चिंतक और कवयित्री थीं। वारकरी संप्रदाय में मुक्ताबाई को स्त्री-संत परंपरा की अग्रिम पंक्ति में स्थान प्राप्त है। उनकी वाणी में ज्ञान,भक्ति,वैराग्य, समता और आत्मबोध का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। मध्यकाल में जब दुनिया भर के अन्यान्य देशों में महिलाओं को उचित स्थान नहीं था तब भारतीय समाज में मुक्ताबाई ने अपने चिंतन और आध्यात्मिक योगदान से विशेष स्थान अर्जित किया।

जन्म एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि

संत मुक्ताबाई का जन्म 13वीं शताब्दी में महाराष्ट्र के आपेगांव आलंदी क्षेत्र में माना जाता है। वे अपने तीन संत भाई निवृत्तिनाथ, ज्ञानेश्वर, सोपानदेव की छोटी बहन थीं। उनका परिवार सामाजिक बहिष्कार, धार्मिक रूढ़ियों की प्रताड़ना का शिकार हुआ था। उनके पिता विठ्ठलपंत ने पहले संन्यास लिया था लेकिन किसी कारण से बाद में फिर से गृहस्थ जीवन में लौटने के कारण समाज ने इनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया था। इस सामाजिक पीड़ा ने मुक्ताबाई के मन में विद्वेष की जगह करुणा, समता और आध्यात्मिकता को मजबूती से विकसित किया।

आध्यात्मिक संस्कार

मुक्ताबाई को आध्यात्मिक संस्कार उनके बड़े भाई निवृत्तिनाथ से मिले थे, जो नाथ संप्रदाय के संत थे। निवृत्तिनाथ ने ज्ञानेश्वर, सोपानदेव और मुक्ताबाई को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। मुक्ताबाई की साधना में नाथपंथ की परंपरा और वारकरी संप्रदाय की भक्तिधारा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। वे ईश्वर को बाहरी कर्मकांड में नहीं, बल्कि अंतःकरण की शुद्धता और आत्मबोध में खोजती हैं। दूसरी ओर वारकरी संप्रदाय की विठ्ठल भक्ति और नामस्मरण की परंपरा ने उनकी साधना और अभिव्यक्ति को लोकाभिमुख बनाया। इस प्रकार मुक्ताबाई के व्यक्तित्व में नाथ संप्रदाय और वारकरी भक्ति परंपरा का अद्भुद समन्वय मिलता है। मुक्ताबाई का जीवन यह प्रतिपादित करता है कि ईश्वर-प्राप्ति, ज्ञान और मोक्ष में स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं है। उनकी भूमिका से स्पष्ट हुआ कि स्त्री भी गुरु हो सकती है। स्त्री भी दार्शनिक संवाद कर सकती है। स्त्री भी समाज को दिशा दिखा सकती है । मुक्ताबाई का जीवन वृत्त संत साहित्य, लोककथाओं और परंपरागत आख्यानों पर आधारित है। उनका प्रभाव वारकरी संप्रदाय और मराठी संत साहित्य पर गहरा पड़ा है ।उनकी रचनाओं में स्त्री अनुभव, सामाजिक पीड़ा और आध्यात्मिक उत्कर्ष का अद्भुत समन्वय मिलता है।

संत ज्ञानेश्वर के जीवन में भूमिका

मुक्ताबाई केवल संत ज्ञानेश्वर की बहन ही नहीं थीं, बल्कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा की सहयात्री भी थीं। अनेक कथाओं में ये उल्लेख भी मिलता है कि जब ज्ञानेश्वर सामाजिक विरोध और मानसिक वेदना से व्यथित होते, तब मुक्ताबाई उन्हें धैर्य, समता और क्षमा का भाव धारण करने का संदेश देती थीं। उनकी प्रसिद्ध उक्ति "विश्व रागे झाले वन्ही, संत सुखे व्हावे पाणी" अर्थात जब संसार क्रोध और द्वेष की अग्नि बन जाए, तब संतों को शीतल जल के समान बन जाना चाहिए।

एक बार की बात है समाज के अपमान और तिरस्कार से दुःखी और निराश होकर ज्ञानेश्वर ने स्वयं को एक कुटिया में बंद कर लिया था। तब मुक्ताबाई ने "ताटी (कुटिया का दरवाजा) खोलो" ये विनती करते हुए अभंग लिखें है। इन अभंगों में करुणा, समता, क्षमा और संत स्वभाव का गहन तत्त्वज्ञान व्यक्त हुआ है।

ताटी के अभंग

ताटी के अभागों में सबसे प्रसिद्ध अभंग है-"ताटी उघडा ज्ञानेश्वरा। योगी पावन मनाचा॥" मुक्ताबाई ज्ञानेश्वर से कहती हैं कि सच्चा योगी लोगों के व्यवहार से विचलित नहीं होता। "संत जेणे व्हावे। जग बोलणे सहावे ॥" संत वही कहलाए। जो जग की बातें सह जाए ॥ इस पंक्ति में संत स्वभाव का सार व्यक्त किया गया है कि संत वही हो सकता है जो दुनिया की निंदा, अपमान, उपेक्षा आदि को सहन करना सीख जाता है। "थोरपण जेथे वसे। तेथे भूतदया असे॥" जहां महानता बसती है। वहाँ प्राणिमात्र पर दया होती है॥ मुक्ताबाई के अनुसार सच्ची महानता प्रत्येक प्राणियों के प्रति दया और करुणा में होती है। ''आपण जैसे व्हावे ।अवघे अनुमानावे॥'' स्वयं जैसे बनो । वैसे ही सबको समझो॥ मनुष्य स्वयं जैसा होता है वैसा ही दूसरों से अपेक्षा कर सकता है। ''क्रोधे यावे कोठे। अवघे आपण निधोटे॥'' क्रोध किस पर करें । सब अपने ही स्वरूप हैं॥ राग और द्वेष व्यर्थ हैं, क्योंकि सभी जीव उसी परमात्मा के अंश हैं। ''जीभ दातांनी चाविली ।कोणी बत्तीशी तोडिली॥'' यदि दांतों ने जीभ काट ली तो क्या कोई अपनी पूरी बत्तीसी तोड़ देता है? जैसे दाँत गलती से जीभ काट लें तो हम दाँत नहीं तोड़ते, वैसे ही सब मनुष्य अपने ही है इसलिए उनकी भूलों को क्षमा करना चाहिए। ''चणे खावे लोखंडाचे। मग ब्रह्मपदी नाचे॥'' लोहे के चने चबाने पड़ते हैं। तब ब्रह्म पद प्राप्त होता है॥ आध्यात्मिक साधना से ब्रह्म तत्व को पाना कठिन होता है उसके लिए धैर्य, सहनशीलता और कठोर तप आवश्यक है। संत मुक्ताबाई के ''ताटी के अभंग'' वारकरी संत साहित्य में अत्यंत प्रसिद्ध और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।

साहित्यिक योगदान

मुक्ताबाई की रचनाएं मुख्यतः अभंग शैली में उपलब्ध हैं। उनकी वाणी सरल, मार्मिक और अनुभवप्रधान है। उनके अभंगों के प्रमुख विषय आत्मज्ञान, समता, और सामाजिक भेदभाव का विरोध, वैराग्य-माया, अहंकार और लोभ से मुक्ति का संदेश तथा भक्ति, ईश्वर के प्रति निष्कपट प्रेम और समर्पण रहे हैं।

सामाजिक दृष्टि एवं नारी विमर्श का स्वर

मुक्ताबाई का व्यक्तित्व मध्यकालीन समाज में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि स्त्री केवल गृहस्थी तक सीमित नहीं, बल्कि वह ज्ञान, साधना और समाज सुधार की वाहक भी हो सकती है। उनकी वाणी में स्त्री की स्वतंत्र चेतना, आत्मसम्मान और आध्यात्मिक अधिकार स्पष्ट दिखाई देते हैं। इसलिए आधुनिक महिला विमर्श की दृष्टि से मुक्ताबाई का अध्ययन जरूरी है। मुक्ताबाई की विशेषता उनके ज्ञानप्रधान भक्ति दर्शन में दिखाई देती है। जैसे मीराबाई का केंद्र कृष्णप्रेम है, वैसे ही मुक्ताबाई का केंद्र आत्मज्ञान और समरसता है। आधुनिक स्त्री विमर्श के संदर्भ में मुक्ताबाई का अध्ययन इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने 13वीं शताब्दी में ही स्त्री की बौद्धिक क्षमता, आध्यात्मिक समानता, सामाजिक अस्मिता और मानवीय गरिमा को स्थापित किया। तत्कालीन समय में मुक्ताबाई का संत, कवयित्री और गुरु रूप में उभरना सामाजिक दृष्टि से क्रांतिकारी घटना थी।

भाषा और अभिव्यक्ति

मुक्ताबाई ने लोकभाषा मराठी में अभंग रचे। उनकी वाणी में सहजता,अनुभव की प्रामाणिकता, करुणा, प्रतिरोध की सौम्य शैली और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई देता है। वे स्वतंत्र स्त्री वैचारिकी की प्रतिनिधि हैं। उन्होंने मध्यकालीन समाज में स्त्री की बौद्धिकता, आध्यात्मिक समानता, स्वतंत्र पहचान और सामाजिक गरिमा को स्थापित किया। वे जागरूक भारतीय स्त्री चेतना की प्रारंभिक प्रवक्ता हैं, जिन्होंने अपने जीवन और वाणी से स्त्री सशक्तिकरण का रास्ता दिखाया।

जीवन का अंतिम चरण

किंवदंतियों के अनुसार अल्पायु में ही उन्होंने देहत्याग किया। किंतु उनका आध्यात्मिक प्रभाव वारकरी परंपरा में आज भी जीवित है। वे महाराष्ट्र की प्रारंभिक स्त्री संत कवयित्री हैं। उन्होंने भक्ति को सामाजिक समता से जोड़ा। उनकी वाणी में ज्ञानेश्वर की परंपरा का दार्शनिक विस्तार मिलता है। वे स्त्री-आध्यात्मिक नेतृत्व का सशक्त उदाहरण हैं। संत मुक्ताबाई का जीवन यह सिद्ध करता है कि आध्यात्मिक महानता आयु, लिंग या सामाजिक स्थिति पर निर्भर नहीं करती, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता पर आधारित होती है। मुक्ताबाई की वाणी आज भी समाज को यह संदेश देती है कि जब संसार द्वेष से जल रहा हो, तब मनुष्य को प्रेम, शांति और करुणा का जल बनना चाहिए।

(लेखक, संस्कृति अध्येता एवं स्तंभकार हैं)

राहुल-प्रियंका: देश के प्रति योगदान जीरो फिर भी मीडिया के 'हीरो'

संजय सक्सेना

एक समय था जब भारतीय राजनीति में कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार की जड़ें समान रूप से काफी मजबूत हुआ करती थीं। लोग तो यहां तक कहते थे कि नेहरू-गांधी परिवार के बिना कांग्रेस अधूरी मानी जाती थी। कांग्रेस ने देश को जितने प्रधानमंत्री दिए, उनमें इस परिवार के तीन सदस्य प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तक ने कुल मिलाकर कई दशक तक देश पर राज किया। कांग्रेस तब तक उभार पर रही, जब तक पार्टी के भीतर इन तीनों का सिक्का चला, लेकिन इसके बाद सोनिया गांधी के हाथ में कांग्रेस की बागडोर आने के बाद धीरे-धीरे कांग्रेस का बुरा दौर शुरू हो गया। हालांकि यह इतना बुरा भी नहीं था कि कांग्रेस हाशिये पर चली गई हो। 2014 तक वह किसी न किसी तरह सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में कामयाब हो ही जाती थी, परंतु जब से सोनिया गांधी की पकड़ पार्टी पर कमजोर और राहुल गांधी की मजबूत होना शुरू हुई, तब से कांग्रेस का बेहद बुरा दौर आ गया। केंद्र की सत्ता तो कांग्रेस से फिसली ही, राज्य दर राज्य भी कांग्रेस की सरकारें जाती रहीं। हालात यह हो गया कि नेशनल पार्टी का तमगा हासिल किए हुए कांग्रेस क्षेत्रीय दलों की पिछलग्गू बनकर रह गई। यूपी में समाजवादी पार्टी, बिहार में लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल, तमिलनाडु में डीएमके, झारखंड में शिबू सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी के साथ कांग्रेस पिछलग्गू बनी हुई है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर कांग्रेस चुनाव लड़ चुकी है। यहां भी अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस को अपनी इच्छानुसार सीटें दी थीं। हाल में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव में केरल में कांग्रेस मुस्लिम लीग के सहारे सत्ता में आई है।

कांग्रेस का क्षेत्रीय दलों का पिछलग्गू बनने का दौर राहुल गांधी के समय ही शुरू हुआ था। कांग्रेस के खोते जनाधार और गिरते मनोबल को बचाने में जब राहुल गांधी कामयाब होते नहीं दिखे, तो प्रियंका वाड्रा को भी कांग्रेस का ट्रंप कार्ड बताते हुए मैदान में उतार दिया गया, लेकिन उनका भी जादू चल नहीं पाया। भाई-बहन की जोड़ी भी कांग्रेस की तस्वीर नहीं बदल पाई। यह और बात है कि आज भी कांग्रेस को अर्श से फर्श पर ला देने वाले राहुल गांधी की ही पार्टी के भीतर तूती बोलती है। कांग्रेस का छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा नेता राहुल-प्रियंका के सामने हाथ बांधे खड़ा रहता है, जबकि राहुल के कई फैसले पार्टी के लिए घातक साबित हो चुके हैं ।बहरहाल, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज की तारीख तक राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा गांधी का देश और पार्टी को आगे ले जाने में किसी तरह का कोई खास योगदान नहीं है। पार्टी के लिए इन दोनों ने अभी तक कुछ ऐसा नहीं किया, जिससे कांग्रेस आगे बढ़ती दिख रही हो। इसके उलट कांग्रेस लगातार जनाधार खोती जा रही है। सवाल यह है कि कांग्रेस के पतन के लिये जिम्मेदार राहुल गांधी और प्रियंका को भारतीय मीडिया इतना हाईलाइट क्यों करता है, जबकि देश-विदेश में भारत की छवि दागदार करने, राहुल के देश विरोधी ट्वीट और हिंदू विरोधी छवि के कारण जनता इन्हें लगातार नकारती जा रही है। आश्चर्य होता है कि क्यों मीडिया की दुनिया में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम आज भी प्रमुखता से चमकता रहता है। यह सवाल भारतीय राजनीति और मीडिया के गठजोड़ की उस जटिल गुत्थी को खोलता है, जहां वोट की बजाय व्यूअरशिप और एडवर्टाइजमेंट राज करता है। गहराई से विश्लेषण करें तो पता चल जाता है कि कैसे ये दोनों नेहरू-गांधी परिवार के वारिस बनकर राजनीति में बने हुए हैं।

दरअसल, राहुल गांधी की राजनीतिक यात्रा शुरू से ही विवादों और असफलताओं से भरी रही। 2004 में अमेठी से सांसद बने, फिर 2014 और 2019 में हार का सामना करना पड़ा। 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी हार के बाद उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। प्रियंका गांधी ने 2019 में महासचिव बनकर पूर्वी उत्तर प्रदेश संभाला, लेकिन 2022 यूपी विधानसभा चुनाव में पार्टी को महज 2 सीटें मिलीं। 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटें जरूर मिलीं, लेकिन यह राहुल या प्रियंका के व्यक्तिगत करिश्मे से कम, गठबंधन और मोदी विरोधी माहौल से ज्यादा जुड़ा रहा। आंकड़े साफ कहते हैं कि 2014 में कांग्रेस के पास 44 लोकसभा सीटें थी, 2019 में 52, लेकिन राज्य स्तर पर हाहाकार मचा रहा। यूपी में 403 सीटों वाली विधानसभा में 2022 में कांग्रेस को केवल 2 सीटें मिलीं, पंजाब में 2022 विधानसभा चुनाव में पार्टी 92 से घटकर 18 सीटों पर पहुंच गई। हिमाचल में भले कांग्रेस जीती, लेकिन गुजरात में 156 में से केवल 1 सीट मिली। ये आंकड़े दिखाते हैं कि इन दोनों का नेतृत्व पार्टी को मजबूत बनाने में नाकाम रहा। जनाधार का सिकुड़ना भी छिपा हुआ नहीं है। 2014 में कांग्रेस का वोट शेयर 19.5 फीसदी था, 2019 में 19.3 फीसदी, जबकि बीजेपी 38 फीसदी से ऊपर कायम रही।फिर भी मीडिया का फोकस इन पर क्यों रहता है? पहला कारण परिवार का ब्रांड है। नेहरू-गांधी परिवार भारतीय राजनीति का सबसे पुराना राजनीतिक वंश माना जाता है। जवाहरलाल नेहरू से इंदिरा और राजीव गांधी तक, यह नाम ही समाचार बन जाता है। मीडिया हाउस जानते हैं कि राहुल गांधी का कोई बयान चाहे "चौकीदार चोर है" वाला हो या फिर देश को हिंदू आतंकवाद से खतरा बताने वाला तुरंत वायरल हो जाता है। प्रियंका की साड़ी-स्टाइल या भावुक अपील पर टीआरपी बढ़ती है। 2024 चुनाव में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को कई न्यूज चैनलों ने घंटों कवर किया, जबकि बीजेपी के विकसित भारत अभियान को अपेक्षाकृत कम।

दैनिक पंचांग

12 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

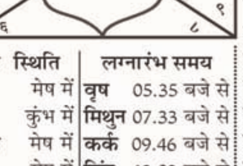

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.35 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	07.33 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.46 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.02 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.14 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.25 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.40 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.56 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.01 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कुंभ	00.47 बजे से
		मीन	02.20 बजे से
		मेष	03.51 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 132 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 14.53 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 01.18 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 23.20 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 14.53 बजे तदनन्तर बव 02.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 05' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872707 **जूलियन दिन** 2461172.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

राधानगर पुलिस ने दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : जिले के राधानगर पुलिस ने मारपीट व छेड़खानी मामले के अलग-अलग कांड के दो आरोपित को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के राधानगर निवासी दुलारी देवी ने राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज की है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाते हुए बताईं की गांव के ही कोमल मंडल सहित अन्य 5 लोगों ने जान मारने के नियत से मारपीट करना एवं छेड़छाड़ की। पुलिस थाना कांड संख्या 152/26 सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिक की दर्ज की है। प्राथमिक दर्ज होने के बाद ही पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाते हुए कांड के प्राथमिक अभियुक्त विक्रम मंडल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वही दूसरा मामला कांड संख्या 153/26 के प्राथमिकी अभियुक्त राधानगर निवासी सनातन मंडल को कभी गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

बीजीआर और शार प्रोजेक्ट्स में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मातृ दिवस

आमड़ापाड़ा : बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड एवं शार प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों ने रविवार, 10 मई 2026 की संध्या को शार शिविर परिसर में बड़े उत्साह, उमंग एवं पारिवारिक माहौल के बीच मातृ दिवस मनाया। इस अवसर पर कर्मचारियों के परिवारजनों, महिलाओं एवं बच्चों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे पूरा कार्यक्रम अत्यंत यादगार बन गया। मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं के प्रति सम्मान, प्रेम एवं कृतज्ञता व्यक्त करना था। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मातृत्व के महत्व, त्याग, समर्पण तथा परिवार एवं समाज के निर्माण में माताओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया। कंपनी प्रबंधन की ओर से कहा गया कि मां केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं होतीं, बल्कि समाज के नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों की भी प्रमुख संवाहक होती हैं। इसी भावना को सम्मान देने के उद्देश्य से इस विशेष आयोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक, मनोरंजक एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया गया।

खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर उपायुक्त ने दिया जोर

खूंटी : समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में जिला खेल संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खेल गतिविधियों को सुदृढ़ और व्यवस्थित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान जिला खेल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला ओलंपिक संघ, जिला हॉकी संघ के पदाधिकारी सहित आवासीय एवं डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों के प्रशिक्षक उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने जिले में नव स्वीकृत तीन आवासीय प्रशिक्षण केंद्रों में चयनित खिलाड़ियों का जिला स्तरीय चिकित्सा जांच के बाद जल्द नामांकन कर प्रशिक्षण शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में सुरक्षा कर्मी, सफाई कर्मी और ग्राउंड्समैन की नियुक्ति के लिए संबंधित विभाग को पत्राचार करने के निर्देश दिया।

शादी के रिसेप्शन से लौट रही स्कॉर्पियो पलटी, एक की मौत, चार घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के बर्मन कॉलोनी निवासी देबू राजवंशी के 28 वर्षीय पुत्र दीपक राजवंशी की पश्चिम बंगाल के मालदा जिला अंतर्गत गाजोल में सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। जबकि 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मृतक अपने घर का इकलौता बेटा था। मिली जानकारी के अनुसार, मृत युवक के बहन की शादी बीते 7 मई को पश्चिम बंगाल के गंगारामपुर में हुई थी। विवाह की सारी रस्में पूरी होने के बाद, 10 मई को आयोजित रिसेप्शन समारोह में दीपक अपने मित्रों और परिजनों के साथ शामिल होने गया था। समारोह के बाद रविवार की रात लौटने के दौरान स्कॉर्पियो (नंबर-डब्ल्यू.बी 66 ए.सी/ 3780) गाजोल नामक स्थान के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ये हादसा दूसरे वाहन को ओवर टेक करने के दौरान हुआ। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दीपक राजवंशी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, वाहन चला रहे चालक जोय बर्मन और गाड़ी में सवार गणेश बर्मन, शक्ति बर्मन और अमित बर्मन गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बताई जा रही है। कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कोलकाता के बड़े अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दीपक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। परिवार में एक भाई और एक बहन थे। बहन की तीन दिन पहले ही डोली उठी थी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा कि जो भाई अपनी बहन को विदा करने गया था, वह अब इस दुनिया में नहीं रहा। सोमवार को मृतक के परिजन और मित्र शव को बंगाल से राजमहल लाने के लिए रवाना हो गए हैं। पूरे बर्मन कॉलोनी में इस हृदयविदारक घटना के बाद चूल्हा नहीं जला है। परिजनों ने बताया कि पुलिस प्रक्रिया पूरी करने के बाद मालदा मेडिकल केंद्र में पोस्टमार्टम के लिए सबको भेजा जा रहा है जहां पोस्टमार्टम के उपरांत प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को दिया जाएगा। उसके बाद राजमहल पैतृक आवास लाया जाएगा। हृदय विदारक घटना से माता-पिता बहन एवं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है पूरे गांव में मातम पसरा हुआ। मिली जानकारी के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, दोनों वाहनों को स्थानीय पुलिस ने जप्त कर जांच में जुट गई है।

सड़क, पुल और पुलिया के नाम पर लूट निर्माण के कुछ माह बाद ही क्रैक हुई पुलिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: जिले के बोरियो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पटलोहरा से बड़ा कुसमी गांव तक मुख्यमंत्री ग्राम सुदृढ़करण योजना के तहत ग्रामीण कार्य विभाग, झारखंड सरकार द्वारा सड़क एवं पुलिया का निर्माण कराया गया था। सड़क की कूल लंबाई 3.9 किलोमीटर थी, जिसके लिए विभाग ने कूल 298.284 लाख रुपए आवंटित किया था। सड़क एवं पुलिया का निर्माण और मरम्मतीकरण का कार्य कुछ महीने पहले ही पूर्ण हुई है। और ग्रामीणों के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि इस सड़क के साथ जिन पुलिया का निर्माण कराया गया था, उनमें से एक पुलिया क्रैक हो गया है, और आशंका है कि कभी भी पूरी तरह से दरक सकता है। ग्रामीणों ने तथा बिशनपुर पंचायत के मुखिया द्वारा सड़क निर्माण कार्य के दौरान ही खराब गुणवत्ता के साथ सड़क निर्माण कराने को लेकर ठेकेदार के विरुद्ध शिकायत भी दर्ज कराया था, बावजूद सड़क एवं पुलिया निर्माण की गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया था। अब परिस्थिति यह है कि सड़क की दुर्दशा हो चुकी है वहीं पुलिया में भी क्रैक आ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क, पुल और पुलिया के नाम पर लुट लगी है, लुट सको तो लुट लो।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : झारखण्ड सरकार के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलमगीर आलम को सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिलने की खबर सामने आते ही पाकुड़ जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। जमानत की सूचना मिलते ही जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर, अबीर-गुलाल लगाकर तथा पटाखे फोड़कर अपनी खुशी का इजहार किया। पाकुड़ शहर के विभिन्न इलाकों में कांग्रेस कार्यकताओं का जमावड़ा देखा गया, जहां समर्थकों ने एक-दूसरे को बधाई दी और खुशी जाहिर की। कई स्थानों पर कार्यकताओं ने इसे न्याय की जीत बताते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता के प्रति अपनी आस्था और विश्वास व्यक्त किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उन्हें देश की न्यायपालिका पर शुरू से पूरा भरोसा था और उन्हें विश्वास था कि न्याय मिलेगा। नेताओं ने कहा कि आलमगीर आलम हमेशा गरीबों, मजदूरों, किसानों, अल्पसंख्यकों तथा आम जनता की आवाज उठाने का कार्य करते रहे हैं। सामाजिक सरोकारों एवं जनहित के मुद्दों को लेकर उनकी सक्रियता के कारण क्षेत्र की जनता में आज भी उनके प्रति विशेष सम्मान और विश्वास कायम है। जिला कांग्रेस नेताओं का कहना है कि आलमगीर आलम के नेतृत्व में क्षेत्र में कई विकास योजनाओं को गति मिली, जिनका लाभ आम लोगों तक पहुंचा। कार्यकताओं ने कहा कि उनके कार्यकाल में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय पहल की गई, जिन्हें लोग आज भी याद करते हैं। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनका मनोबल कभी कमजोर नहीं हुआ और उन्हें हमेशा न्याय व्यवस्था पर भरोसा था। कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ कहा, सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं।

बरहरवा स्टेशन पर आरपीएफ ने नाबालिग बालिका को किया सुरक्षित रेस्क्यू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : यात्रियों की सुरक्षा, बच्चों के संरक्षण तथा रेलवे परिसरों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता के तहत, मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा विभिन्न स्टेशनों एवं ट्रेनों में नियमित निगरानी एवं विशेष अभियान निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। यह अभियान मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन तथा आशिम कुमार कुल्लू, मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल/मालदा के पर्यवेक्षण में संचालित किए जा रहे हैं। जहां 10 मई को बड़हरवा रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच के दौरान रेलवे सुरक्षा बल, बरहरवा द्वारा 14 वर्षीय एक नाबालिग बालिका का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। उक्त बालिका प्लेटफॉर्म संख्या 02 पर अकेली घूमती हुई पाई गई। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि पारिवारिक विवाद के कारण वह घर छोड़कर चली गई थी तथा अनजाने में गलत ट्रेन में सवार हो गई थी। बालिका को सुरक्षित रूप से रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, बरहरवा लाया गया, जहाँ तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचित किया गया। आवश्यक काउंसलिंग एवं सभी विधिक औपचारिकताओं की पूर्ति के उपरांत बालिका को आगे की देखभाल एवं पुनर्वास हेतु चाइल्ड हेल्पलाइन प्रतिनिधियों को सुपुर्द कर दिया गया। यह सफल अभियान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, संवेदनशील एवं असहाय व्यक्तियों के संरक्षण तथा रेलवे परिसरों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के प्रति मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल की सतत सतर्कता एवं प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, सहिया के खिलाफ शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर अस्पताल में सहिया द्वारा भोली भाली मरीज व उनके परिजन से जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर अवैध पैसे की वसूली की जाती है। यहां तक कि पैसे नहीं देने पर सहिया मरीज के डिस्चार्ज पेपर तक रख लेती है। ऐसा ही मामला सोमवार को देखने को मिला है। महिला अपनी बच्ची की जन्म प्रमाण पत्र के लिए सदर अस्पताल की चक्कर काट रही है। लेकिन सहिया बिना पैसे लिए न ही महिला को बच्ची का जन्म प्रमाण पत्र दी है और न ही डिस्चार्ज पेपर दी है। महिला दुमका की रहने वाली युक्ता भारती है। महिला ने एक सहिया पर जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए 17 सौ रुपया मांगने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसे सहिया बेवजह परेशान कर रही है। 27 अगस्त 2025 को महिला ने सदर अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया था। महिला अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज पेपर सहिया ले ली। मांगने पर कहती है कि जन्म प्रमाण पत्र बनाने में 17 सौ रुपए खर्च लगेगा। जिसमें सहिया को 1000 दे दी हूं सहिया 700 का मांग और कर रही है। महिला का आरोप है कि ऑफिस में खर्च के नाम पर सहिया पैसे की मांग की है। पैसा नहीं देने पर अबतक उसे न ही जन्म प्रमाण पत्र मिला है। न ही डिस्चार्ज पेपर दी है। परेशान होकर महिला ने अस्पताल उपाधीक्षक को आवेदन के माध्यम से लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है और अपने बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की बात कही है। इधर इस संबंध में सहिया से मोबाइल से बात करने पर मामले में बताई कि महिला युक्ता भारती से किसी पैसे का डिमांड नहीं की है बल्कि जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए हैपीडिपिट व ऑफिस खर्च के लिए 700 मांगी है जिसमें बताई की 400 लगभग हैपीडिपिट बनाने में लगता है, 100 एएनएम वेरीफाई करने का पैसा लेती है तथा 200 ऑफिस खर्च लगता है।

कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा में जनकल्याणकारी योजनाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप संवेदनशीलता, सक्रियता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, साइकिल वितरण योजना, बिरसा आवास योजना, धुमकुड़िया भवन निर्माण, कब्रिस्तान घेराबंदी, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, संविधान की धारा 275(1) अंतर्गत संचालित योजनाओं तथा पीवीटीजी एंटाइटलमेंट सर्वे 2026 की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए सभी प्रखंडों के बीईईओ को अविलंब आवश्यक डेटा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि पात्र विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों की भी समीक्षा की गई। जिला कल्याण पदाधिकारी ने जानकारी दी कि जिले में विभाग द्वारा 5 आवासीय विद्यालय तथा एनजीओ के माध्यम से 6 विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। वहीं जिले में दो एकलव्य विद्यालय–लिट्टीपाड़ा एवं पाकुड़िया में संचालित हैं। उपायुक्त ने दोनों एकलव्य विद्यालयों के आधारभूत संरचना विकास हेतु आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कल्याण विभाग द्वारा संचालित अस्पतालों की स्थिति, उपलब्ध बेड की संख्या एवं मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक संसाधनों की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। बैठक में अनुसूचित जनजाति आवासीय उच्च विद्यालय, हिरणपुर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से घंटी आधारित शिक्षकों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

बरहरवा थाना के फरीदपुर में फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने किया न्यायिक इश्तेहार तामिला

साहिबगंज : जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव में सोमवार को बोआरीजोर एवं बरहरवा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फरार अभियुक्त के घर न्यायिक इश्तेहार तामिला किया। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की गई। जानकारी के अनुसार बोआरीजोर थाना कांड संख्या 31/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(5)/3(5), झारखंड गोवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम 2005 की विभिन्न धाराओं, पशु परिरक्षण नियम 1978 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत मामला दर्ज है। उक्त मामले में बरहरवा थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव निवासी याकूब शेख, पिता ग्यासुद्दीन शेख को अभियुक्त बनाए गए हैं। पुलिस के अनुसार अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा है। फरारी को देखते हुए न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध इश्तेहार निर्गत किया है। जिसके आलोक में सोमवार को उसके घर पर इश्तेहार तामिला कराया गया। बताया गया कि इस संबंध में बरहरवा थाना को न्यायालय की ओर से आधिकारिक पत्र भी प्राप्त हुआ था। पत्र में अभियुक्त के विरुद्ध इश्तेहार तामिला सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था, ताकि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा सके। मौके पर बोआरीजोर थाना के एएसआई संतोष सहा, बरहरवा थाना के एएसआई रफीक अंसारी समेत अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

सीएस ने 'वन डे वन सीएचसी' कार्यक्रम का किया उद्घाटन

साहिबगंज : राजमहल स्वास्थ्य विभाग के द्वारा वन डे वन सीएचसी कार्यक्रम के पहले दिन सोमवार को पूर्वी नारायणपुर के बेंगडूब्बी-2 में सिविल सर्जन, साहिबगंज डॉक्टर रामदेव पासवान, प्रभारी बीडीओ मो युसूफ ने संयुक्त रूप से फीता काट कर विधिवत रूप से शुभारंभ किया। मौके पर सीएस ने संदेश देते हुए कहा की बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए टीका आवश्यक हैं। साथ ही बताया कि विशेष टीकाकरण अभियान 11, 13 और 15 मई तक प्रखंड के विभिन्न जगह पर चलाया जाएगा। मौके पर अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉक्टर उदय टुडू, बीपीएम अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, यूनिसेफ स्कूल संस्था के प्रतिनिधि एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि के साथ-साथ नामित सभी कर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

पाकुड़ में एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक से की मुलाकात

पाकुड़ : शहर के गांधी चौक स्थित एआईएमआईएम कार्यालय में विभिन्न पंचायतों से पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने पूर्व विधायक अकील अख्तर से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान संगठन की मजबूती, पंचायत स्तर पर पार्टी की गतिविधियों के विस्तार तथा क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं एवं जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को पूर्व विधायक के समक्ष रखा। इस अवसर पर अकील अख्तर ने कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आपसी एकता बनाए रखने तथा जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा गरीब, मजलूम, किसान, मजदूर एवं युवाओं की आवाज उठाने का कार्य करती रही है और भविष्य में संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। साथ ही पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं से जनता के सुख-दुख में सहभागी बनने एवं पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने की अपील की। बैठक के दौरान विभिन्न पंचायतों के कई सक्रिय कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण एवं सकारात्मक बना रहा।

जनहित मुद्दों पर मीडिया संवाद में डीसी ने साझा की प्रशासनिक कार्ययोजना

साहिबगंज: उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने पत्रकारों के साथ अनौपचारिक संवाद के दौरान जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, सड़क निर्माण, जल निकासी, स्वास्थ्य व्यवस्था, पर्यटन विकास एवं जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। पत्रकारों द्वारा उठाए गए विभिन्न जनहित से जुड़े प्रश्नों का उपायुक्त ने तथ्यात्मक एवं सकारात्मक जवाब देते हुए प्रशासन की कार्ययोजना साझा की। उपायुक्त ने बताया कि हाल ही में क्षेत्र भ्रमण के दौरान साक्षरता मोड़ से मदनशाही होते हुए सकरीगली जाने वाले मार्ग की जर्जर स्थिति एवं जल जमाव की समस्या संज्ञान में आया। इस संबंध में 13 अप्रैल 2026 को आयोजित दिशा समिति की बैठक में उक्त सड़क को डीएमएफटी अथवा अन्य जिला स्तरीय फंड से दुरुस्त कराने का प्रस्ताव पारित किया गया। रियो द्वारा लगभग 3.8 किलोमीटर सड़क एवं ड्रेन निर्माण हेतु करीब 9 करोड़ रुपये का प्राकलन तैयार किया गया है। प्रशासनिक स्वीकृति के पश्चात इस सप्ताह टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। एन एच से अनापत्ति प्राप्त करने हेतु कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। उपायुक्त ने विस्थापित क्षेत्र स्थित आर एन आर कॉलोनी में जल जमाव की समस्या के समाधान हेतु विशेष ड्रेनेज योजना तैयार किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गंगा तट एवं लो-लाइंग क्षेत्र होने के कारण जल निकासी प्रभावित होती है। इसे ध्यान में रखते हुए ह्यएलह्व आकार की नाली निर्माण की योजना बनाई जा रही है, जिससे पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके। शहर में पर्यटन एवं मनोरंजन सुविधाओं के विकास का विषय उठाए जाने पर उपायुक्त ने कहा कि गंगा विहार पार्क का शीघ्र निरीक्षण कर वहां बैठने की व्यवस्था एवं अन्य जनसुविधाओं के विकास की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसके अतिरिक्त ह्यवेस्ट टू वंडरह्व पार्क में सौंदर्यीकरण एवं अन्य जनसुविधाओं के विस्तार पर भी विचार किया जा रहा है। उपायुक्त ने आगामी मानसून को देखते हुए बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान एवं वन महोत्सव आयोजित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर ऐसे स्थलों का चयन किया जाएगा, जहां पौधारोपण सफलतापूर्वक हो सके तथा इसमें जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। गंगा घाटों के सौंदर्यीकरण को लेकर उपायुक्त ने कहा कि घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, बैरिकेडिंग, चेन लगाने एवं अतिरिक्त हाई मास्क लाइट की सुविधाओं के विकास पर विचार किया जा रहा है, ताकि दुर्घटनाओं की रोकथाम के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके।

एक नजर

युवक ने ट्रेन से कटकर की खुदकुशी

पलामू : पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड के पूर्वडीहा गांव के 30 वर्षीय रंजीत दुबे, पिता हरेंद्र दुबे ने रविवार को स्थायी नौकरी नहीं मिलने पर ट्रेन से कट कर खुदकुशी कर ली। घटना डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर हुई। सोमवार को इसका सीसीटीवी वीडियो सामने आया। शव की पहचान होने पर सुबह 10:00 बजे एमएमसीएच में 24 घंटे बाद पोस्टमार्टम किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में गांव के लोग और परिजन मौजूद थे। गांव में कोयल नदी तट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि रविवार की सुबह डालटनगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर रंजीत दुबे ने मालगाड़ी से कट कर खुदकुशी कर ली थी। शुरूआत में डेड बॉडी की पहचान नहीं होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। शव सुरक्षित रखी गई थी। पहचान होने के बाद परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करने का निर्णय लिया गया। सूत्रों के अनुसार रंजीत दुबे पढ़ने लिखने में काफी तेज थे। संत जेवियर कॉलेज रांची और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से पढ़ाई की थी। बावजूद उनकी स्थायी जॉब नहीं लग रही थी। इस कारण तनाव में आकर सुसाइड कर लिया। रंजीत इकलौते पुत्र थे। एक बहन एक भाई होते हैं। शादी नहीं हुई थी। पिता कृषि कार्य करते हैं। रंजीत के खुदकुशी करने से गांव में शोक की लहर है। होनहार युवक के सुसाइड का विश्वास किसी को नहीं हो रहा है। वर्ष 2018 में भी रंजीत दुबे ने ट्रेन से कटकर खुदकुशी करने की कोशिश की थी। अंततः उनकी ट्रेन हादसे में जान गई।

स्कूली वाहन दुर्घटनाग्रस्त, छह बच्चे घायल

लातेहार : जिले के बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को स्कूली वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में गाड़ी पर सवार 6 स्कूली बच्चे घायल हो गए। इनमें दो बच्चों को ज्यादा चोट लगी है। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय स्थित संत क्लारेट स्कूल में छुट्टी के बाद बच्चे गाड़ी पर सवार होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान स्कूली वाहन का चालक एक दूसरे गाड़ी से ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित हो गई और सड़क से पलट कर नीचे खेत में जा गिरी। इधर घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी बच्चों को दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। वहीं सूचना मिलने के बाद अंचल अधिकारी लोकेश सिंह सहित अन्य अधिकारी भी अस्पताल पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली। अंचल अधिकारी ने बताया कि घायल सभी बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

हाई टेंशन तार की चपेट में झुलसे नाबालिग की इलाज के दौरान मौत

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-3 पर पांच दिन पहले हुए हादसे में गंभीर रूप से झुलसे एक नाबालिग की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। वह महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती था, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा था। हालांकि शरीर का बड़ा हिस्सा जल जाने के कारण उसकी हालत लगातार गंभीर बनी हुई थी। बताया जाता है कि नाबालिग प्लेटफार्म पर खड़ी मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गया था। इसी दौरान वह ऊपर से गुजर रहे हाई टेंशन ओवरहेड बिजली तार की चपेट में आ गया। तेज करंट लगते ही वह बुरी तरह झुलस गया।

सेवानिवृत्त टाटा स्टील कर्मी ने की पत्नी, बेटे और गर्भवती बेटी की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत एग्रिको रोड नंबर-2 स्थित क्वार्टर संख्या एल5/13 में सोमवार सुबह हुए तिहरे हत्याकांड ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या के बाद इलाके में दहशत और मातम का माहौल है। मामले में पुलिस ने घर के मुखिया और टाटा स्टील के सेवानिवृत्त कर्मचारी रविन्द्र प्रसाद सिंह को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित ने रविवार रात अपनी पत्नी, बेटे और बेटी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी थी। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह स्वयं रविन्द्र प्रसाद सिंह ने डायल-100 पर फोन कर पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर के भीतर से तीन शव बरामद किए। मृतकों की पहचान पत्नी सरिता सिंह (55), पुत्र रविशेक कुमार (30) और पुत्री सुप्रिया सिंह (31) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुप्रिया सिंह विवाहित थी और गर्भवती भी थी। घटना की खबर फैलते ही एग्रिको इलाके में भारी भीड़ जुट गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि रविन्द्र प्रसाद सिंह इसी वर्ष फरवरी माह में टाटा स्टील से सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद से परिवार में लगातार विवाद और तनाव की स्थिति बनी हुई थी। हालांकि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित पूरी रात घर के भीतर शवों के साथ ही मौजूद रहा। सोमवार सुबह उसने खुद पुलिस को कॉल कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है। फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया, जिसने घर के भीतर से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। घटना जिस इलाके में हुई है, वहां पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का निजी आवास भी काफी नजदीक स्थित है। ऐसे पॉश और शांत माने जाने वाले इलाके में एक साथ तीन हत्याओं की घटना से स्थानीय लोग स्तब्ध हैं। घटना की सूचना मिलते ही जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू और सिटी एसपी ललित मीणा सिदगोड़ा थाना प्रभारी फैज अहमद समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित से लगातार पूछताछ की जा रही है। आसपास के लोगों और रिश्तेदारों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हत्या के कारणों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

विधायक जगत माझी ने ज्ञान केंद्र का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जगत माझी ने सोमवार को गोविंदपुर पंचायत भवन में ज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को किताबों से दोस्ती करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं और पुस्तकालय में समय बिताने वाले विद्यार्थियों को जीवन में सफलता जरूर मिलती है। उद्घाटन के बाद विधायक ने ज्ञान केंद्र में बने कंप्यूटर कक्ष और लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों के साथ महापुरुषों की जीवनी और प्रेरणादायक साहित्य उपलब्ध कराया गया है, जिससे छात्रों को पढ़ाई में मदद मिलेगी। जगत माझी ने कहा कि यदि ज्ञान केंद्र में और पुस्तकों की जरूरत होगी तो सूची उपलब्ध कराने पर उनकी व्यवस्था कराई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। सम्मानित छात्रों में मैट्रिक की तनीषा प्रधान, रेशमी प्रधान और शुभम प्रधान तथा इंटरमीडिएट के चमरा बांकिरा और राधा नायक शामिल हैं। कार्यक्रम की शुरूआत में छात्र-छात्राओं ने परेड कर विधायक का स्वागत किया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ उरांव, मुखिया अमर सिंह सामाड, पंचायत सचिव मानस कुमार त्रिपाठी, समाजसेवी किशोर दास, चिरंजीवी प्रधान, रंजीता प्रधान, प्रेमचंद प्रमाणिक सहित कई ग्रामीण और शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

जमशेदपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने महिला को कुचला, चालक वाहन छोड़कर फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित आकाशदीप प्लाजा के समीप सोमवार को सड़क किनारे पैदल जा रही एक महिला को तेज रफ्तार ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग तुरंत सहायता के लिए दौड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर काफी तेज गति में था और चालक लापरवाहीपूर्वक वाहन चला रहा था। लोगों का कहना है कि चालक ने महिला को टक्कर मारने के बाद वाहन रोकने की बजाय कुछ दूरी तक ट्रेलर को आगे बढ़ाया। हालांकि, घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुटती देख चालक ट्रेलर को बीच सड़क पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए इलाके में यातायात भी प्रभावित रहा और सड़क पर लंबा जाम लग गया। घटना की सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुट गई है। इसके लिए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि चालक की पहचान की जा सके। साथ ही ट्रेलर के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर वाहन मालिक का भी पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने माना है कि हादसा तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही के कारण हुआ।

बोड़ाम के पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह का निधन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम प्रखंड अंतर्गत आमझोर गांव निवासी तथा पूर्व प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह का सोमवार सुबह निधन हो गया। वे लगभग 63 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर फैलते ही बोड़ाम, पटमदा, नीमडीह, चांडिल सहित पूरे कोल्हान क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सामाजिक, राजनीतिक और ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी पहचान एक जुझारू और साफ-सुथरी छवि वाले जननेता के रूप में थी। जानकारी के अनुसार रविवार देर शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। बताया जाता है कि उन्हें पैरालिसिस का अटैक आया, जिसके बाद परिजन उन्हें तत्काल पश्चिम बंगाल के बाघमुंडी थाना क्षेत्र स्थित कालीमाटी इलाज के लिए लेकर गए। इलाज के दौरान सोमवार सुबह करीब 9 बजे उन्हें हार्ट अटैक आया, जिससे उनकी मौत हो गई। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। लक्ष्मण सिंह लंबे समय तक भाजपा संगठन से जुड़े रहे और बोड़ाम मंडल अध्यक्ष के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अलावा वे प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष रहते हुए क्षेत्र में कई विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी और सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर वे लगातार आवाज उठाते थे। वर्ष 2010 में नक्सल गतिविधियों के खिलाफ गठित दलमा आंचलिक सुरक्षा समिति के केंद्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने विशेष पहचान बनाई थी। उस समय बोड़ाम, पटमदा, नीमडीह और चांडिल इलाका नक्सली गतिविधियों से प्रभावित माना जाता था। लक्ष्मण सिंह ने ग्रामीणों को संगठित कर जनजागरण अभियान चलाया और पुलिस-प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर क्षेत्र को नक्सल प्रभाव से बाहर लाने में अहम योगदान दिया। स्थानीय लोग उन्हें साहसी और संघर्षशील नेतृत्वकर्ता के रूप में याद करते हैं। उनके निधन पर भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण सिंह का निधन उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मण दा केवल राजनीतिक सहयोगी नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र थे। आदिवासी परिवार से आने के बावजूद उन्होंने अपने संघर्ष और कार्यशैली से पूरे क्षेत्र में अलग पहचान बनाई।

छात्रों ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : कोल्हान विश्वविद्यालय में लागू किए गए क्लस्टर सिस्टम और जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में आर्ट्स एवं साइंस संकाय की पढ़ाई बंद किए जाने के फैसले के खिलाफ सोमवार को छात्रों का गुस्सा सड़कों पर दिखाई दिया। जेडीयू छात्र संघ के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर धरना-प्रदर्शन किया और राज्य सरकार तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। छात्रों का कहना था कि झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग के निर्देश पर क्लस्टर सिस्टम लागू करने के बाद वर्कर्स कॉलेज से आर्ट्स और साइंस की पढ़ाई लगभग समाप्त कर दी गई है। अब इन विषयों के विद्यार्थियों को एलबीएसएम कॉलेज और को-ऑपरेटिव कॉलेज भेजा जा रहा है। छात्रों ने इसे शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने वाला निर्णय बताया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता हेमंत पाठक ने कहा कि वर्कर्स कॉलेज कदमा, सोनारी, मानगो और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों गरीब एवं मध्यमवर्गीय छात्रों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सरकारी महाविद्यालय है। ऐसे में विद्यार्थियों को 15 से 20 किलोमीटर दूर दूसरे कॉलेजों में भेजना उनके भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा और नियमित आवागमन भी बड़ा मुद्दा है। कई अभिभावक अपनी बेटियों को इतनी दूर पढ़ने भेजने के पक्ष में नहीं हैं। धरने में शामिल छात्रा दिशा प्रसाद ने कहा कि उनके परिवार वाले उन्हें दूसरे कॉलेज भेजने के लिए तैयार नहीं हैं। यदि यह व्यवस्था जारी रही तो उन्हें पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ सकती है।

गुवा सेल खदान में रोजगार को लेकर अनिश्चितकालीन चक्का जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले की गुवा लौह अयस्क खदान में स्थानीय लोगों को रोजगार देने की मांग को लेकर सोमवार तड़के शुरू हुआ अनिश्चितकालीन चक्का जाम आंदोलन लगातार उग्र होता जा रहा है। मानकी सुरेश चांपिया के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन में खदान प्रभावित कई गांवों के मुंडा, मानकी, मुखिया और ग्रामीण शामिल हैं। आंदोलनकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक सेल प्रबंधन 500 स्थानीय बेरोजगार युवकों को रोजगार देने पर लिखित समझौता नहीं करता, तब तक खदान का संचालन पूरी तरह बाधित रहेगा। वहीं बड़ी संख्या में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया गया है। ग्रामीणों ने गुवा खदान के मेन गेट, क्रशिंग प्लांट, लोडिंग प्वाइंट और रांजाबुरु क्षेत्र में आवाजाही रोक दी है। आंदोलन के कारण लौह अयस्क परिवहन और उत्पादन पर असर पड़ने लगा है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि खदान विस्तार और खनन गतिविधियों के कारण उनकी जमीन, जंगल और जल स्रोत प्रभावित हुए हैं, लेकिन बदले में स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिला। काशिया पेचा गांव के मंगता सुरीन ने कहा कि वर्षों से ग्रामीण प्रदूषण, विस्थापन और बेरोजगारी झेल रहे हैं, इसलिए अब वे सिर्फ आश्वासन नहीं बल्कि स्थायी रोजगार चाहते हैं। ग्रामीणों ने कारो नदी में बह रहे कथित प्रदूषित लाल पानी का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि खदान से निकलने वाला गंदा पानी खेतों और जल स्रोतों को नुकसान पहुंचा रहा है, जिससे खेती प्रभावित हो रही है। आंदोलनकारियों ने झारखंड की 75 प्रतिशत स्थानीय नियोजन नीति को सख्ती से लागू करने तथा रांजाबुरु खदान में हैंड माइनिंग और मैनुअल रैक लोडिंग शुरू करने की मांग भी रखी है। कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की मौजूदगी में सेल अधिकारियों और ग्रामीण प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई थी, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। जानकारी के अनुसार प्रबंधन फिलहाल 25 लोगों को रोजगार देने की बात कह रहा है, जबकि आंदोलनकारी इसे अपर्याप्त बता रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सम्मानजनक संख्या में स्थानीय युवाओं की नियुक्ति नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

पानी-बिजली कनेक्शन को लेकर विधायक प्रतिनिधि ने रीजनल मैनेजर से की मुलाकात

पूर्वी सिंहभूम : शहर के सोनारी, कदमा, बिष्टुपुर और साकची स्थित टाटा लीज एरिया में रहने वाले लोगों को पानी और बिजली कनेक्शन लेने में हो रही परेशानियों को लेकर सोमवार को जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा ने टाटा लैंड विभाग के रीजनल मैनेजर प्रवीण कुमार से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र के निवासियों से जुड़ी कई समस्याओं को विस्तार से रखा गया और उनके त्वरित समाधान की मांग की। मुकुल मिश्रा ने कहा कि टाटा लीज एरिया में रहने वाले बड़ी संख्या में लोगों ने पानी और बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन जमा किए हैं, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बावजूद उन्हें अब तक सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण आम नागरिकों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने टाटा लैंड प्रबंधन से आग्रह किया कि लंबित आवेदनों की शीघ्र समीक्षा कर योग्य आवेदकों को प्राथमिकता के आधार पर पानी और बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि यदि समय पर सुविधाएं उपलब्ध नहीं हुईं तो लोगों में असंतोष और बढ़ सकता है। बैठक के दौरान टाटा लैंड के आरएम प्रवीण कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि लंबित मामलों की समीक्षा की जाएगी और जल्द ही समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रयास किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में शीतल खुल्लर, विनोद सिंह, काजल चौधरी और अशोक सिंह भी शामिल थे। बैठक में क्षेत्र की नागरिक सुविधाओं, भवन निर्माण प्रक्रिया और लीज एरिया से जुड़ी अन्य समस्याओं पर भी चर्चा हुई।

गोड्डा के मेहरमा में 1.47 करोड़ की सड़क परियोजना का शिलान्यास, भुसका पहाड़ बनेगा पर्यटन केंद्र

गोड्डा : झारखंड की ग्रामीण विकास कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने सोमवार को महागामा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मेहरमा प्रखंड में गोड्डा-पीरपैंती एनएच पथ बिरामचक से दियाजोरी बलबड्डा पथ (घोरीचक मोड़ भाया वीरनगर तक) के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। लगभग 1.47 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करेगी और ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराएगी। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण के साथ-साथ भुसका पहाड़ पर पार्क निर्माण की योजना भी क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि भगैया ककरघट में विकसित नेचर पार्क की सफलता के बाद अब भुसका पहाड़ को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी की जा रही है। मंत्री ने कहा कि इस योजना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और पर्यटन को साथ लेकर आगे बढ़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। दीपिका पांडेय सिंह ने यह भी बताया कि पंचायत में प्रस्तावित राइस मिल निर्माण की सभी बाधाएं दूर कर ली गई हैं। अगले छह से आठ महीनों के भीतर राइस मिल शुरू होने की संभावना है। इसके शुरू होने से किसानों को धान की बिक्री और प्रसंस्करण में सीधा लाभ मिलेगा तथा उन्हें स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों में लगातार विकास कार्य कर रही है। ग्रामीणों की मांग के अनुरूप छठ घाट, पोखर, पीसीसी सड़क, खेल मैदान और अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास भी प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अज्ञात युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

खूंटी : खूंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत डड़गामा पीढ़ीटोली गांव के पास सोमवार सुबह एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव झाड़ियों और नाला के बीच पड़ा हुआ था। मृतक की उम्र लगभग 22 से 23 वर्ष बताई जा रही है। युवक के शरीर पर धारदार हथियार से हमला किए जाने के गंभीर निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह गांव के कुछ ग्रामीण खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर नाला के पास पड़े एक युवक के शव पर पड़ी। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना खूंटी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही खूंटी थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य जुटाए और उन्हें जांच के लिए अपने साथ ले गई। पुलिस आसपास के इलाके में भी बारीकी से छानबीन कर रही है। मामले को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) वरुण रजक ने बताया कि बरामद शव एक अज्ञात युवक का है, जिसकी उम्र करीब 22 वर्ष प्रतीत हो रही है। मृतक के शरीर पर धारदार हथियार से वार किए जाने के स्पष्ट निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि युवक की हत्या कहीं और की गई हो और शव को साक्ष्य छिपाने की नीयत से डड़गामा पीढ़ीटोली स्थित नाला में फेंक दिया गया हो। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। एसडीपीओ ने बताया कि इस संबंध में खूंटी थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मृतक की पहचान कराने का प्रयास लगातार जारी है। आसपास के थाना क्षेत्रों एवं पुलिस इकाइयों से भी संपर्क किया जा रहा है, ताकि युवक की शिनाख्त हो सके। घटना के बाद ग्रामीणों ने जल्द से जल्द मामले का खुलासा कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

संक्षिप्त डायरी

पटना में सुबह-सुबह पुलिस की सघन वाहन चेकिंग, 20 प्वाइंट पर बैरिकेडिंग कर जांच

पटना (एजेंसी) पटना पुलिस ने सोमवार सुबह शहर के 20 चेकिंग प्वाइंट पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया. चेन स्नेचिंग और अपराध नियंत्रण को लेकर चला अभियान : (नीतीश सिंह की रिपोर्ट) पटना में सोमवार की सुबह पुलिस ने अचानक सघन वाहन जांच अभियान चलाया. राजधानी के 20 अलग-अलग चेकिंग प्वाइंट पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की जांच की गई. इस दौरान पुलिस ने एक-एक वाहन की तलाशी ली और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी. कागजात नहीं होने पर वसूला गया जुमार्ना वाहन जांच अभियान के दौरान कई वाहन चालकों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं पाए गए. ऐसे लोगों से पुलिस ने जुमार्ना भी वसूला. वहीं कुछ संदिग्ध वाहनों को आगे की जांच के लिए संबंधित थाना लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है. सुबह से ही तैनात थी पुलिस टीम जानकारी के अनुसार, चेन स्नेचिंग और अन्य आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया गया. सुबह से ही शहर के 20 चेकिंग प्वाइंट पर एक पुलिस पदाधिकारी और चार जवानों की तैनाती कर दी गई थी. संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की नजर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए इस तरह का अभियान आगे भी जारी रहेगा. वाहन जांच के दौरान संदिग्ध लोगों और वाहनों पर विशेष नजर रखी जा रही है.

पंचायत का फरमान- वह भले जिंदा है, लेकिन अर्थी निकाल दाह-संस्कार करो

पटना (एजेंसी) बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में प्रेम विवाह करने वाली एक युवती को पंचायत ने सामाजिक रूप से मृत घोषित कर दिया। मड़वन प्रखंड के एक गांव में युवती के प्रेमी के साथ घर छोड़ने के बाद पंचायत ने उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया और समाज में बने रहने के लिए बेटी का बहिष्कार करने का फरमान सुनाया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां प्रेम विवाह करने वाली एक युवती को गांव की पंचायत ने सामाजिक रूप से ह्लमृतह्ल घोषित कर दिया। पंचायत के दबाव में परिजनों ने अपनी ही बेटी का प्रतीकात्मक दाह संस्कार कर दिया। मामला जिले के मड़वन प्रखंड क्षेत्र के एक गांव का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार युवती अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई थी। इस घटना के बाद गांव में नाराजगी फैल गई और पंचायत बुलाई गई। पंचायत ने युवती के परिवार के सामाजिक बहिष्कार का फैसला सुनाया। ग्रामीणों ने परिवार से कहा कि यदि उन्हें गांव और समाज में फिर से रहना है तो अपनी बेटी का पूरी तरह बहिष्कार करना होगा। पंचायत का फरमान इतना कठोर था कि परिवार को बेटी को ह्लमृतह्ल मानने के लिए मजबूर होना पड़ा। बताया जा रहा है कि गांव और समाज में अपनी जगह बनाए रखने के लिए परिजनों ने बेटी को कागजों और रस्मों में मृत घोषित कर दिया। मामले में पहले युवती के परिजनों ने करजा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती को बरामद किया और कोर्ट में पेश किया। न्यायालय में युवती ने बयान दिया कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से युवक के साथ शादी की है। उसने अपने पति के साथ रहने की इच्छा जताई। युवती ने अपने परिजनों पर ससुराल पक्ष को प्रताड़ित करने का आरोप भी लगाया। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने युवती को उसकी इच्छा के अनुसार उसके ससुराल भेज दिया। पंचायत के फैसले के बाद युवती के परिवार ने गांव वालों के साथ मिलकर उसका सांकेतिक दाह संस्कार किया। ग्रामीणों के अनुसार हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार पूरे कार्यक्रम को किया गया। बताया गया कि युवती का प्रतीकात्मक शव तैयार किया गया, जिसमें उसकी तस्वीर रखी गई। इसके बाद अर्थी सजाकर गांव में शव यात्रा निकाली गई। शव यात्रा के बाद लोगों ने श्मशान घाट पहुंचकर मंत्रोच्चारण के बीच पुतले का दाह संस्कार कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरा कार्यक्रम उसी तरह किया गया, जैसे किसी व्यक्ति के निधन के बाद अंतिम संस्कार और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। घटना के बाद गांव में इस मामले को लेकर चर्चा तेज है, लेकिन अधिकांश लोग खुलकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। वहीं यह मामला सामाजिक सोच और पंचायत के फैसलों को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है।

मगध में 'सिंघम' रिटर्न, नए आईजी का फरमान-काम में कोताही की तो नपेंगे थानेदार

पटना (एजेंसी) स्थित मगध प्रक्षेत्र के नए आईजी ने पदभार संभालते ही पुलिस व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने साफ कहा है कि एफआईआर दर्ज नहीं करने, अपराध की गंभीरता कम दिखाने, अवैध वसूली और शिकायतों के निष्पक्ष निपटारे में लापरवाही बरतने वाले थाना प्रभारियों पर तुरंत निलंबन की कार्रवाई होगी। गया स्थित मगध प्रक्षेत्र के नए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास वैभव ने पदभार संभालते ही पुलिस व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। करीब छह साल बाद दोबारा फील्ड पुलिसिंग में लौटे आईजी ने साफ शब्दों में कहा है कि कानून के शासन से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि एफआईआर दर्ज नहीं करने, अपराध की गंभीरता कम दिखाने, अवैध वसूली करने और शिकायतों के निष्पक्ष निपटारे में लापरवाही बरतने वाले थाना प्रभारियों पर तत्काल निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। आईजी ने अपने संदेश में कहा कि पुलिस की पहली जिम्मेदारी कानून को पूरी निष्पक्षता और बिना किसी डर या पक्षपात के लागू करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी थाना प्रभारी की भूमिका प्रथम दृष्टया संदिग्ध पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी को तुरंत निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता को गुमराह करना, अपराध की जानकारी समय पर वरीय अधिकारियों तक नहीं पहुंचाना और पुलिसकर्मियों द्वारा अवैध वसूली जैसे मामलों में ह्लजीरो टॉलरेंसह्ल नीति अपनाई जाएगी। मगध प्रक्षेत्र में अपराध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आईजी ने विशेष रूप से संपत्ति संबंधी अपराधों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही रात्रि गश्ती को मजबूत करने, भूमि विवादों में निष्पक्ष पुलिस कार्रवाई सुनिश्चित करने, लंबित मामलों का तेजी से निष्पादन करने और अतिक्रमण व यातायात समस्याओं के समाधान पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने साफ कहा कि सड़क जाम करने वालों के खिलाफ हर हाल में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हर थाने में बनेगा सीनियर सिटिजंस सेल सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए आईजी ने हर थाना में ह्लसीनियर सिटिजंस सेलह्ल बनाने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य बुजुर्गों की समस्याओं का नियमित समाधान करना होगा। इसके अलावा प्रत्येक महीने के पहले शनिवार को थाना क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर ह्लजनता-पुलिस संवाद कार्यक्रमह्ल आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आम लोग अपनी शिकायतें और सुझाव सीधे पुलिस अधिकारियों के सामने रख सकेंगे। रात में होगा थानों का औचक निरीक्षण आईजी ने कहा कि पुलिस थानों का रात के समय औचक निरीक्षण किया जाएगा। लॉकअप की जांच कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कहीं कोई अवैध हिरासत या अवैध वसूली जैसी गतिविधि तो नहीं चल रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ-साथ जवानों के कल्याण और मनोबल को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। नए आईजी के इस सख्त और स्पष्ट संदेश के बाद मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। वहीं आम लोगों के बीच भी उम्मीद जगी है

सीएम सम्राट चौधरी ने लॉन्च किया सहयोग पोर्टल, 30 दिनों में होगा शिकायतों का समाधान

'सबका सम्मान, जीवन आसान': सीएम सम्राट चौधरी आज करेंगे नए पोर्टल का उद्घाटन

पटना (एजेंसी) बिहार में लोगों की शिकायतों का समाधान 30 दिनों के अंदर किया जा सकेगा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहयोग पोर्टल का उद्घाटन करेंगे. इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव और विजय कुमार चौधरी मौजूद रहेंगे. बिहार सरकार की ओर से सबका सम्मान, जीवन आसान के तहत खास पहल की गई है. इसी क्रम में आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहयोग पोर्टल का उद्घाटन करेंगे. इस कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12:30 बजे होगा. मुख्यमंत्री सचिवालय में डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव और विजय कुमार चौधरी मौजूद रहेंगे.

सहयोग हेल्पलाइन नंबर भी होगा लॉन्च जानकारी के मुताबिक, लोग **sahyog.bihar.gov.in** पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकेंगे. इस दौरान सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100 भी लॉन्च किया जाएगा. हेल्पलाइन सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक उपलब्ध रहेगी. इसके जरिए हर नागरिक कभी भी अपनी समस्या दर्ज कर सकते हैं. शिकायतों के जल्द से जल्द समाधान के लिए यह नई व्यवस्था शुरू होने वाली है. इस दिन लगाया जाएगा सहयोग शिविर इसके साथ ही हर महीने के पहले और तीसरे मंगलवार को सहयोग शिविर लगाया जाएगा. शिविर में मौके पर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा. इतना ही नहीं, लोगों की ओर से शिकायत दर्ज होने के 30 दिनों के अंदर निपटारा अनिवार्य किया गया है. समस्या के समाधान के बाद आवेदक को लिखित सूचना दी जाएगी. एक्शन मोड में सीएम सम्राट चौधरी बिहार में नई सरकार बनने के बाद लगातार कई पहल किए जा रहे हैं. सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने के बाद एक्शन मोड में हैं. नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे, उस वक्त ही सात निश्चय-3 लागू किया गया था. सात निश्चय-3 में सातवां और प्रमुख निश्चय सबका सम्मान, जीवन आसान शामिल है. सीएम बनने के बाद सम्राट चौधरी ने कहा था, बिहार नीतीश कुमार के आदर्शों पर ही आगे बढ़ेगा. ऐसे में सहयोग पोर्टल का उद्घाटन उन्हीं में से एक माना जा रहा है.

राजधानी पटना में गंगा नदी में समाई स्कॉर्पियो, लोग मदद की बजाय बनाते रहे वीडियो

पटना (एजेंसी) अचानक गाड़ी गंगा नदी की ओर लुढ़कने लगी। गाड़ी मालिक यह देखकर लोगों से गाड़ी को बचाने की गुहार लगाने लगे, लेकिन लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे और देखते ही देखते गाड़ी नदी की तेज धार में समा गई। राजधानी के दीघा स्थित पाटीपुल घाट पर एक दर्दनाक हादसा हुआ। शिक्षा विभाग से सेवानिवृ एक बुजुर्ग दंपत्ति की स्कॉर्पियो देखते ही देखते गंगा नदी के गहरे पानी में समा गई। विडंबना यह रही कि वहां मौजूद सैकड़ों लोग मदद के लिए हाथ बढ़ाने की बजाय मोबाइल फोन से वीडियो बनाने में मशगूल रहे। गाड़ी मालिक की पहचान बेगूसराय निवासी राम नरेश सिंह के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि वह सेवा निवृत हैं और वर्तमान में अपने परिवार के साथ पटना के शिवपुरी में रह रहे हैं। उनके घर में पूजा का आयोजन किया गया था। वह अपनी पत्नी के साथ पूजा की सामग्री विसर्जित करने दीघा के पाटीपुल घाट आए थे। टना के संबंध में राम नरेश सिंह ने बताया कि घाट के ढलान पर स्कॉर्पियो खड़ी करने के बाद राम नरेश सिंह हैंड-ब्रेक लगाना भूल गए। यही लापरवाही उनके लिए नुकसानदेह साबित हो गया। उन्होंने बताया कि जैसे ही वे दोनों गाड़ी से नीचे उतरे, ढलान के कारण स्कॉर्पियो धीरे-धीरे लुढ़कने लगा और लुढ़कते-लुढ़कते स्कॉर्पियो गंगा नदी की ओर बढ़ने लगा। तमाशबीन बनी रही भीड़ राम नरेश सिंह ने गाड़ी को रोकने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी। यहां तक कि उन्होंने घाट पर मौजूद लोगों से चीख-चीख कर मदद करने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि घाट पर सैकड़ों लोग मौजूद थे, लेकिन कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया। लोग संवेदनहीनता की पराकाष्ठा पार करते हुए इस पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड करते रहे। इसी बीच वहां से एक बड़ा जहाज भी गुजरा, लेकिन मदद नहीं मिल सकी और अंततः गाड़ी गहरे पानी में डूब गई। राम नरेश सिंह ने कहा कि मैंने सबसे मदद मांगी, चीखता रहा, चिल्लाता रहा लेकिन सब तमाशा देखते रहे। मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। अगर दो-चार लोग हाथ लगा देते तो मेरी गाड़ी बच सकती थी। पुलिस की कार्रवाई घटना की सूचना मिलते ही दीघा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि, पुलिस के घटनास्थल पर पहुँचने तक स्कॉर्पियो गंगा नदी में पूरी तरह डूब चुकी थी। पुलिस का कहना है कि गाड़ी को अब तक बाहर नहीं निकाला जा सका है। पुलिस का कहना है कि गाड़ी लगभग 10 साल पुरानी थी।

'बिहार के देवघर' अशोक धाम में सोमवार को उमड़ती है आस्था, विशाल शिवलिंग के दर्शन से पूरी होती है मनोकामना

पटना (एजेंसी) लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम स्थित इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार को बाबा भोलेनाथ के विशाल शिवलिंग के दर्शन और जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों का तांता लगा रहता है. 'बिहार के देवघर' के रूप में विख्यात इस मंदिर के पट अहले सुबह 4 बजे श्रृंगारी पूजन के बाद खोल दिए जाते हैं, जहां दर्शन मात्र से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होने की मान्यता है. लखीसरायः यदि आप लखीसराय में हैं, तो आज सोमवार के दिन बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लेना न भूलें. यहां स्थित प्रसिद्ध इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर (अशोक धाम) में स्थापित बाबा भोलेनाथ के विशाल शिवलिंग के दर्शन के लिए सोमवार को भक्तों की विशेष भीड़ उमड़ती है. धार्मिक मान्यता है कि यहां सच्चे मन से दर्शन, पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने से शिवभक्तों की हर मनोकामना शीघ्र पूरी हो जाती है. बिहार का देवघर के नाम से विख्यात है अशोक धाम अशोक धाम मंदिर अपनी भव्यता और धार्मिक महत्ता के कारण श्रद्धालुओं के बीच बिहार का देवघर के नाम से भी जाना जाता है. इस पवित्र स्थल पर भगवान शिव के दर्शन के लिए न केवल स्थानीय बल्कि दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. सुबह 4 बजे खुल जाते हैं मंदिर के पट मंदिर प्रबंधन के अनुसार, प्रतिदिन सुबह चार बजे पूरे विधि-विधान के साथ बाबा भोलेनाथ का श्रृंगारी पूजन किया जाता है. इसके तुरंत बाद आम श्रद्धालुओं के दर्शन और पूजन के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाते हैं. सोमवार का दिन देवों के देव महादेव की विशेष आराधना का दिन होता है, इस वजह से आज यहां दर्शनार्थियों की भारी भीड़ लगी रहती है. अहले सुबह से ही मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहता है.

कौन हैं आईएएस अधिकारी कुमार रवि? मुख्यमंत्री सचिवालय के बाद अब बने निशांत के विभाग के सचिव

पटना (एजेंसी) राज्य सरकार ने प्रशासनिक महकमे में फेरबदल किया और 16 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया. इस पूरे प्रक्रिया में सबसे ज्यादा चर्चा आईएएस कुमार रवि के ट्रांसफर की हो रही. कुमार रवि को स्वास्थ्य विभाग का सचिव बनाया गया है. आईएएस अधिकारी कुमार रवि को नए विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है. उन्हें पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के स्वास्थ्य विभाग का सचिव बनाया गया है. इससे पहले स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह थे. लेकिन प्रशासनिक महकमे में जब अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया तो लोकेश कुमार सिंह को पर्यटन विभाग का सचिव बना दिया गया है. क्यों हो रही आईएएस कुमार रवि की चर्चा? आईएएस अधिकारी कुमार रवि की चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि

नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते ही उनकी पोस्टिंग मुख्यमंत्री सचिवालय में की गई थी. नीतीश कुमार के साथ उन्होंने कई काम किए. लेकिन अब सरकार बदल गई है. ऐसे में जब सम्राट कैबिनेट का विस्तार हुआ तो नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया. इसके साथ ही आईपीएस अफसरों का ट्रांसफर जब किया गया तो कुमार रवि को स्वास्थ्य विभाग का सचिव बना दिया गया. यानी कि नीतीश कुमार के बाद अब कुमार रवि उनके बेटे निशांत के साथ काम करेंगे. कुमार रवि के बारे में जानिए प्रशासनिक गलियारे में कुमार रवि को तेज तर्रार अधिकारी माना जाता है. खास बात यह भी है कि वह नालंदा जिले के रहने वाले हैं. इसके साथ ही अपने करियर में उन्होंने कई बड़ी जिम्मेदारियों को संभाला. कुमार रवि ने आईआईटी कानपुर से बीटेक की डिग्री ली. इसके बाद यूपीएससी की परीक्षा क्रैक की. साल 2003 में वह आईआरएस अधिकारी बने थे. इसे बाद दोबारा उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा 2005 में क्रैक की. इस बार उन्हें पूरे देश में 10वां रैंक मिला और आईएएस बने. कुमार रवि पटना के डीएम और प्रमंडलीय आयुक्त रह चुके हैं. इसके अलावा गयाजी, दरभंगा समेत अन्य जिलों के भी डीएम रह चुके हैं. खासकर 2008 में जब बाढ़ आई थी, उस वक्त सुपौल जिले में उन्होंने राहत बचाव कार्य का नेतृत्व किया था, जिसके लिए उनकी जमकर सराहना भी हुई थी. साथ ही वे भवन निर्माण विभाग में भी सचिव रह चुके हैं. इस तरह से नीतीश सरकार में उन्होंने कई काम किए. अब नीतीश कुमार के बेटे और जदयू नेता निशांत कुमार के साथ स्वास्थ्य विभाग के कामकाज को देखेंगे

पटना आयुर्वेदिक कॉलेज के शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बुलाने की तैयारी

पटना (एजेंसी) पटना स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल के शताब्दी समारोह को भव्य और यादगार बनाने की तैयारी शुरू हो गई है. कॉलेज प्रशासन ने समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित करने का प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग को भेजा है. स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से राष्ट्रपति को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा जाएगा. शताब्दी वर्ष पर जारी होगा डाक टिकट कॉलेज प्रशासन की ओर से शताब्दी वर्ष के अवसर पर विशेष डाक टिकट जारी करने की भी तैयारी की जा रही है. कॉलेज की प्राचार्य डॉ. उमा पांडेय ने बताया कि 26 जुलाई 2026 को संस्थान के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इसे लेकर अभी से विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है. संस्थान के इतिहास को बनाया जाएगा खास प्राचार्य डॉ. उमा पांडेय और अधीक्षक डॉ. शिवादित्य ठाकुर ने बताया कि इस कॉलेज की स्थापना भारत के प्रथम

उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने की थी. उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिता भी इस कॉलेज के पूर्व छात्र रह चुके हैं. शताब्दी वर्ष को ऐतिहासिक बनाने के लिए कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. पीजी स्तर पर शुरू होगा 15वां पाठ्यक्रम इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च विभाग खोलने की तैयारी आयुर्वेदिक कॉलेज में वर्तमान में 14 पीजी कोर्स संचालित हो रहे हैं. अब कॉलेज प्रशासन नए सत्र से 15वां पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके तहत डिपार्टमेंट ऑफ इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च शुरू किया जाएगा। इसके लिए भी स्वास्थ्य विभाग को अनुमति हेतु प्रस्ताव भेजा गया है. आधुनिक और पारंपरिक चिकित्सा पर होगा काम प्राचार्य डॉ. उमा पांडेय ने बताया कि इस नए पाठ्यक्रम के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को जोड़कर समग्र उपचार प्रणाली विकसित करने पर काम किया जाएगा। आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़ी प्रयोगशाला शोध को व्यावहारिक उपचार में शामिल करने की दिशा में पहल होगी.

पटना-दुमका एक्सप्रेस 2 घंटे से अधिक लेट, 11:46 बजे पहुंची स्टेशन, यात्री हुए परेशान

पटना (एजेंसी) पटना से दुमका जाने वाली 13334 डाउन एक्सप्रेस सोमवार को अपने निर्धारित समय से दो घंटे से अधिक की देरी से सुबह 11:46 बजे जमालपुर स्टेशन पहुंची. ट्रेन के रीशेड्यूल होने और इसके लेट परिचालन के कारण दैनिक यात्रियों, सरकारी कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. मुंगेर के जमालपुर से विजय कुमार गुप्ता की रिपोर्ट: पटना जंक्शन से चलकर जमालपुर, सुल्तानगंज और भागलपुर के रास्ते दुमका जाने वाली 13334 डाउन पटना-दुमका एक्सप्रेस सोमवार को अपने निर्धारित समय से 2 घंटे से अधिक की देरी से जमालपुर स्टेशन पहुंची. सप्ताह के पहले दिन ट्रेन के इतने विलंब से चलने के कारण दैनिक यात्रियों, सरकारी कर्मचारियों और छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. रीशेड्यूल होने के कारण पटना से ही लेट खुली ट्रेन इस ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों ने बताया कि सामान्य तौर पर पटना-दुमका एक्सप्रेस पटना जंक्शन से सुबह 6:35 बजे अपने निर्धारित समय पर गंतव्य के लिए रवाना होती है. परंतु, सोमवार को इस ट्रेन को 2 घंटे के लिए रीशेड्यूल कर दिया गया था. इसके कारण यह ट्रेन पटना से सुबह 8:32 बजे रवाना हो सकी. जमालपुर स्टेशन पर इस ट्रेन के पहुंचने का नियमित समय सुबह 9:29 बजे है, लेकिन पटना से ही लेट खुलने के कारण यह ट्रेन पूर्वाह्न 11:46 बजे जमालपुर स्टेशन पहुंची. कर्मचारियों को हुई देरी, छात्रों की छूटी

कोचिंग सोमवार को ट्रेन के लेट होने से जमालपुर और आसपास के इलाकों में जाने वाले रेल यात्रियों के चेहरे पर परेशानी साफ देखी गई. ट्रेन में सफर कर रहे कई सरकारी कर्मचारियों ने बताया कि अगर ट्रेन सही समय पर चलती है, तो वे लोग समय पर जमालपुर पहुंचकर अपने कार्यालय चले जाते हैं. लेकिन सोमवार को ट्रेन काफी लेट होने के कारण उन्हें ड्यूटी पर पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. वहीं, कई छात्र-छात्राओं ने भी अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि ट्रेन लेट होने की वजह से उनकी कोचिंग की क्लास छूट गई है, जिससे उनकी पढ़ाई का नुकसान हुआ है.

बिहार में अगले तीन दिनों तक आंधी-बारिश का चलेगा दौर, आज 19 जिलों में येलो अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में फिलहाल लोगों को तपती गर्मी से राहत मिली हुई है. इस बीच मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है. साथ ही आज 19 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. बिहार में मौसम इन दिनों खुशनुमा बना हुआ है. दोपहर के वक्त धूप की वजह से गर्मी झेलनी पड़ रही है. लेकिन सुबह और शाम के वक्त मौसम सुहावना हो जा रहा है. इस बीच मौसम विभाग की ओर से अगले तीन दिनों तक राज्य में आंधी-बारिश का

दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है. आज इन 19 जिलों में अलर्ट जारी मौसम विभाग ने आज 19 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. उन 19 जिलों में शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, कटिहार, मुंगेर, भागलपुर, जमुई और बांका शामिल है. बिगड़ते मौसम को देखते हुए लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है. 11 से 13 मई तक के लिए एडवाइजरी जारी पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 11 मई से उत्तर बिहार के कई जिलों में मौसम बदलेगा. पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल और अररिया में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. तेज हवाएं भी चल सकती हैं. 12 मई को मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार और आसपास के कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने का खतरा ज्यादा रहेगा. मौसम विभाग ने इन इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. हवा की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है. 13 मई को कुछ इलाकों में मौसम थोड़ा शांत हो सकता है, लेकिन उत्तर-पूर्व बिहार के जिलों में बारिश और तेज हवा का असर बना रह सकता है. कई जगहों पर बादल छाए रहेंगे और मौसम बदलता रहेगा. पटना समेत दक्षिण बिहार में भी आसमान में बादल रह सकते हैं. रविवार को कैसा रहा मौसम? रविवार को बिहार में गर्मी ने एक बार फिर लोगों की परेशानी बढ़ा दी. रविवार को राज्य के कई जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया. सबसे अधिक तापमान कैमूर के भभुआ में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. उत्तर बिहार के जिलों में भी उमस भरी गर्मी का असर देखने को मिला. लेकिन अधिकतर जिलों में बारिश नहीं हुई. मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है.

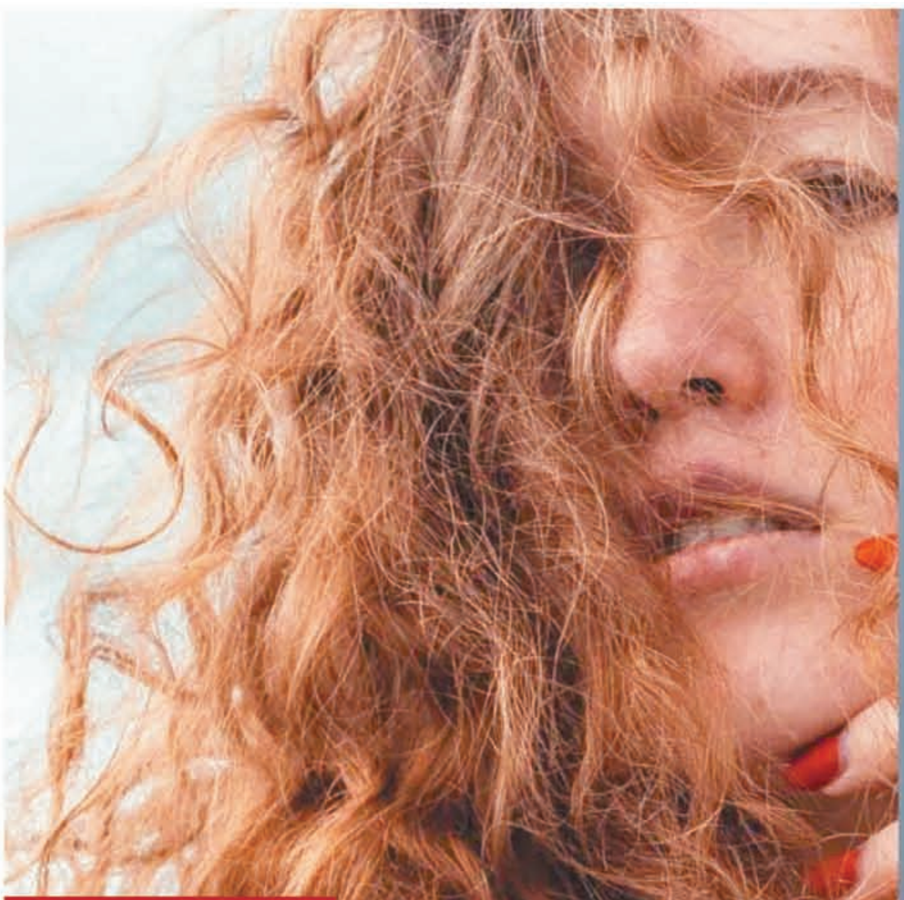

अगर आपके बाल भी रूखे सूखे और बेजान हो गए हैं तो उन्हें सुलझाने के लिए और उनकी नेचुरल चमक को वापस लाने के लिए आप इन दो घरेलू नुस्खों को ज़रूर आज़माए। इनकी मदद से आपके बाल न केवल शाइनी होंगे बल्कि जड़ से मजबूत और हेल्दी भी होंगे। साथ ही बालों का झड़ना भी कम होगा। चलिए, जानते हैं वे नुस्खे कौन से हैं?

रूखे और बेजान बालों को चमकाने के लिए इन नुस्खों का करें इस्तेमाल, रेशम से सिल्की हो जाएंगे बाल

इन दो नुस्खों का करें इस्तेमाल :

अलसी का जेल : अलसी के बीजों में ऐसे कई फायदेमंद तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं।अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड बालों को चमकने के अलावा उन्हें झड़ने से बचाता है। साथ ही ये सिर की त्वचा की सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल : अलसी के जेल को शहद, दही के साथ मिलाएं। इस मास्क को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं, 15-20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें। इससे बालों में नमी और चमक बढ़ सकती है।

चावल का पानी: चावल का पानी कई पोषक तत्वों जैसे विटामिन क्र ष्ट, श्व, मिनरल्स और अमीनो एसिड से भरपूर होता है। यह बालों की सतह पर होने वाले घर्षण को कम करने में मदद करता है जिससे बाल रेशमी और चमकदार बनते हैं और उनमें रूखापन कम होता है।

कैसे करें इस्तेमाल: कच्चे चावलों को लगभग 30 मिनट तक पानी में भिगोकर रखें। चावलों को छान लें और पानी को अलग रख लें। बालों में शैम्पू करें और नल के पानी से धो लें। इसके बाद, बालों और सिर की त्वचा को उस चावल के पानी से धोएँ जिसे आपने अलग रखा था। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें और आखिर में पानी से धो लें।

शाइनी और मजबूत हेयर के लिए इन बातों का भी रखें ख्याल :

तौलिए की जगह सूती का करें इस्तेमाल: अगर आप भी तौलिए का इस्तेमाल बालों को सुखाने के लिए कर रहे हैं तो इस आदत को बदल दें। तौलियों से जोर से रगड़ने से बालों में घर्षण पैदा होता है, जिससे बाल टूट जाते हैं। इसलिए, तौलिए की जगह सूती कपड़े का इस्तेमाल करें, जिससे आप अपने बालों को सुखा सकें।

बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल न करें : अगर आप बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बालों के क्यूटिकल्स खुल जाते हैं। लेकिन जब आप बाल धोने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो यह क्यूटिकल्स को बंद कर देता है और बालों को रेशमी और सीधा रखने में मदद करता है।

हीट टूल्स का इस्तेमाल करने से बचें: अगर आप अपने बालों को ठीक करने के लिए ब्लो ड्रायर या इलेक्ट्रिक स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो असल में आप अपने बालों को कमजोर बना रहे हैं। इसीलिए आपको ड्रायर और इस तरह के अन्य उपकरणों का नियमित इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

चेहरे पर कैसे लगाएं दूध की मलाई, ग्लो करने लगेगा चेहरा

रूखी त्वचा भी बन जाएगी मुलायम

दूध को त्वचा के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि सिर्फ दूध ही नहीं, बल्कि दूध की मलाई भी आपकी त्वचा की सेहत पर पॉजिटिव असर डाल सकती है? दूध की मलाई में मौजूद तमाम औषधीय गुण स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकते हैं। आज हम आपको पोषक तत्वों से भरपूर दूध की मलाई को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के सही तरीके के बारे में बताएंगे।

कैसे लगाएं मलाई- सबसे पहले एक कटोरी में थोड़ी सी मलाई निकाल लीजिए। इसके बाद आपको इसी कटोरी में चुटकी भर हल्दी पाउडर को भी निकाल लेना है। अब आपको इन दोनों केमिकल फ्री चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आप इस पेस्ट को फेस पैक की तरह एक हफ्ते में 1 से 2 बार अप्लाई कर सकते हैं।

अप्लाई करने का तरीका- इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लीजिए। लगभग 5 मिनट तक अपने चेहरे की मसाज जरूर करें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको लगभग 20 मिनट तक इस फेस पैक को अपनी त्वचा पर लगाए रखना है। 20 मिनट के बाद आप फेस वॉश कर सकते हैं। हालांकि, आपको दूध की मलाई को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

त्वचा के लिए वरदान- त्वचा का निखार बढ़ाने के लिए और त्वचा को गहराई से पोषण देने के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या आप दाग-धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आप इस फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। दूध की मलाई में एंटी एजिंग गुण भी मौजूद होते हैं यानी झुर्रियों को रोकने के लिए भी इस फेस पैक को यूज किया जा सकता है। इस फेस पैक की मदद से रूखी त्वचा को मुलायम बनाया जा सकता है।

डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

नाश्ते में झटपट बनाएं टेस्टी और हेल्दी रागी चीला, वेट लॉस में है मददगार

सुबह का नाश्ता दिन का पहला मील होता है। इसलिए नाश्ते में हमेशा हेल्दी चीजें खानी चाहिए। सुबह की जल्दबाजी में लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। अक्सर लोग एक ही तरह का नाश्ता करके बोर हो जाते हैं। ऐसे में रागी का चीला स्वाद और सेहत दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हो सकता है। रागी का चीला खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है और इसे बनाना बेहद आसान भी है। रागी चीला ग्लूटन-फ्री और कम कैलोरी वाला नाश्ता है। ऐसे में जो लोग वेट लॉस करना चाहते हैं वो इसका सेवन कर सकते हैं।

सामग्री

रागी का आटा- 1 कप
बेसन या सूजी- 2-3 बड़े चम्मच (बाइंडिंग के लिए)
दही- द कप
प्याज -1 मध्यम (बारीक कटा हुआ)
हरी मिर्च - 1-2 (बारीक कटी हुई)
अदरक-लहसुन पेस्ट - ङ्ग छोटा चम्मच
ताजा धनिया - बारीक कटा हुआ
सब्जियां - कद्दूकस की हुई गाजर या बारीक कटी शिमला मिर्च (स्वादानुसार)
मसाले - नमक, हल्दी, जीरा पाउडर, और थोड़ी सी हींग
पानी - आवश्यकतानुसार (घोल बनाने के लिए)
तेल/घी - सेकने के लिए

बनाने की विधि

घोल तैयार करें

एक बड़े बाउल में रागी का आटा, बेसन/सूजी, नमक और सभी सूखे मसाले मिला लें। अब इसमें दही और थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर एक मध्यम गाढ़ा घोल तैयार करें। ध्यान रहे कि गुठलियां न बनें।

सब्जियां मिलाएं

इस घोल में कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरा धनिया और अपनी मनपसंद सब्जियां डालकर अच्छी तरह मिलाएं। घोल को 10-15 मिनट के लिए ढककर रख दें।

तवा गरम करें

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल या घी लगाकर चिकना कर लें।

चीला फैलाएं

आंच को धीमा करें और एक बड़ा चम्मच घोल तवे के बीच में डालें। इसे धीरे-धीरे गोल घुमाते हुए फैलाएं।

सेकें

चीले के किनारों पर थोड़ा सा तेल डालें। इसे मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकने दें जब तक कि ऊपर की सतह सूखी न दिखने लगे।

पलटें

अब चीले को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

कच्चे आम की लौंजी बनाकर खाएं, खट्टा मीठा स्वाद चखते ही मजा आ जाएगा, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

कच्चे आम का सीजन आते ही लोग आम की चटनी, आम का अचार और आम की लौंजी बनाकर खाते हैं। अगर आपको भी कुछ खट्टा मीठा और स्वादिष्ट खाना है तो आम की लौंजी बनाकर खा सकते हैं। बिना प्याज, लहसुन और टमाटर के आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाती है। इसका स्वाद इतना अच्छा होता है कि आप लौंजी से 1-2 रोटी ज्यादा खा जाएंगे। अगर आपने अभी तक आम की लौंजी ट्राई नहीं की तो ये रेसिपी एक बार जरूर बनाएं। खास बात ये है कि कच्चे आम की लौंजी कई दिनों तक खराब नहीं होती है। इसका स्वाद बहुत ही मजेदार होता है। फटाफट नोट कर लें कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी।

कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी

पहला स्टेप- कच्चे आम की लौंजी बनाने के लिए आपको 3-4 कच्चे आम लेने हैं। आम को अच्छी तरह से धो लें और उसे छील लें। अब आम को मोटे-मोटे टुकड़ों में काट लें। गुठलियां निकाल लें और उन्हें फेंके नहीं बल्कि सब्जी में ही डाल दें।

दूसरा स्टेप- लौंजी के लिए कड़ाही में सरसों का तेल डालें। आपको बहुत कम तेल इस्तेमाल करना है। अब तेल में हरी सौंफ डालें और हल्दी, नमक और लाल मिर्च पाउडर डाल दें। अब इसमें कटे हुए कच्चे आम और उसकी गुठलियां डाल दें। सारी चीजों को मिक्स करके 1 गिलास पानी डाल दें।

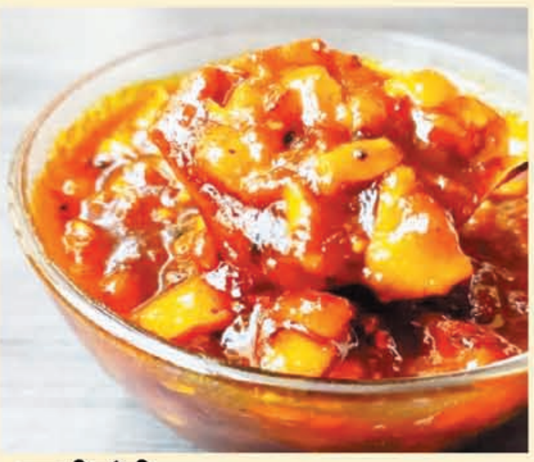

आम की लौंजी

तीसरा स्टेप- अब आम को अच्छी तरह से गलने तक पकाएं। जब आम पक जाए तो इसमें थोड़ा स्वाद बढ़ाने के लिए काला नमक और काली मिर्च का पाउडर डाल दें। अब मीठा करने के लिए इसमें गुड़, जैगरी पाउडर या फिर चीनी मिला दें। आप इसे अपने स्वाद के हिसाब से मीठा कम या ज्यादा रख सकते हैं। लौंजी में पानी कम हो तो थोड़ा और डाल लें।

चौथा स्टेप- आम की लौंजी को हल्का लुटपुटा बनाते हैं। बहुत ज्यादा पानी या बहुत गाढ़ा न करें। इस तरह स्वादिष्ट आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाएगी। आप इसे रोटी और चावल के साथ खाएं। आम की लौंजी को अच्छी तरह 8-10 दिन तक फ्रिज में रखकर खा सकते हैं।

बादाम के तेल में मिलाएं ये 1 चीज, तैयार हो जाएगी घर में बनी नेचुरल फेस क्रीम, लगाते ही मक्खन सी चिकनी होगी त्वचा

त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए चेहरे पर मालिश करना जरूरी है। मसाज के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मिल जाती हैं। लेकिन आप घर में सिर्फ बादाम के तेल और एलोवेरा जेल से एकदम नेचुरल और होममेड क्रीम तैयार कर सकते है। आपको यकीन नहीं होगा कि तेल से इतनी आसानी से क्रीम बन जाएगी। आप इसे कुछ दिनों तक लगातार चेहरे पर लगाएंगे तो निखार साफ नजर आने लगेगा। बाबाद और एलोवेरा से बनी ये क्रीम झुर्रियों को दूर करने, झाईं और दाग मिटाने और एजिंग को कम करने में मदद करती है। इस क्रीम को बनाना बच्चों का खेल है। इतनी आसानी से और मिनटों में घर में बादाम के प्योर शुद्ध तेल से क्रीम बन जाएगी। जानिए बादाम तेल से क्रीम बनाने का तरीका क्या है?

बादाम तेल से क्रीम कैसे बनाएं

इसके लिए आपको बादाम का शुद्ध तेल लेना है। आप घर में बादाम का तेल निकाल सकते हैं। बाजार से त्वचा पर लगाने के लिए कोल्ड प्रेस बादाम का खरीद सकते हैं। बादाम के तेल को कटोरी में निकाल लें। 4 चम्मच तेल में करीब 4 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। इसमें 2 विटामिन ई के कैप्सूल डालें और सारी चीजों को चम्मच की मदद से लगातार चलाते रहें। थोड़ी देर चलाने के बाद ही तेल और जेल मिलकर क्रीम जैसी बन जाएगी। इसका रंग भी व्हाइट और क्रीमी होने लगेगा।

बादाम क्रीम को चेहरे पर कैसे लगाएं

इस क्रीम को एक एयरटाइट कांच की शीशी या किसी क्राम के ट्यूब में भर दें। आप इसे रोजाना रात में सोते वक्त पूरे चेहरे पर अच्छी तरह से लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से चेहरे की मालिश करें। इसके बाद सो जाएं। सुबह पानी से चेहरे को धो लें। बादाम के तेल से बनी इस क्रीम का इस्तेमाल आप दिन में किसी भी वक्त कर सकते हैं। नहाने से पहले या नहाने के बाद इस क्रीम से फेस मसाज करना फायदेमंद साबित होगा। आप इसे लंबे समय तक आसानी से स्टोर कर सकते हैं। बादाम के तेल में भरपूर विटामिन ई पाया जाता है जिससे एजिंग को कम किया जा सकता है। वहीं एलोवेरा त्वचा में नमी को लॉक करने का काम करता है।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी ओर यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंट जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है।

अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरान ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- साई किशोर

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, इम्पैक्ट प्लेयर- हर्ष दुबे

स्पेन के राफेल जोडार इटैलियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

–अर्नाल्डी को हराया, टिएन से होगा मुकाबला

रोम (एजेंसी)। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी राफेल जोडार ने इटैलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ ही चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोडार ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वाइल्डकार्ड धारी अर्नाल्डी को हराकर जोडार ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है।

स्पेनिश खिलाड़ी ने पहले सेट को 6-1 से जीता पर दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने 6-4 से जीत दर्ज कर अच्छी की। वहीं निर्णायक तीसरे सेट में जोडार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जोडार ने इस साल क्ले कोर्ट पर अपना 14-2 का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। इस सत्र में उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। साथ ही बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक वह पहुंचे थे।

जीत के बाद जोडार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोम में किसी इटैलियन खिलाड़ी के साथ खेलना कभी आसान नहीं रहता। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया पर मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला। अब जोडार का मुकाबला लर्नर टिएन से होगा

इससे पहले, लर्नर अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। इंडियन वेल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के बाद से ही टिएन की यह अच्छी वापसी है। टिएन साल 2002 में एंडी रोडिक के बाद रोम के चौथे राउंड में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के अमेरिकी खिलाड़ी हैं। एक अन्य मुकाबले में विश्व के पूर्व नंबर 2 कैस्पर रूड ने भी चेक गणराज्य के 11वें वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को ठीक 80 मिनट में 6-3, 6-4 से आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया है।

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद मुंबई इंडियंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है। ये दोनो ही टीमों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और अंतिम पायदान पर होने के करण ये प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायीं। लखनऊ को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जबकि मुंबई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इससे दोनो का ही अभियान समाप्त हो गया।

मुंबई को अंतिम गेंद पर आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा।

मुंबई इंडियंस के लिए यह सीज़न अच्छा नहीं रहा था। टीम की कप्तानी में बदलाव, लगातार हार और सही संयोजन न मिल पाने के कारण उसके प्लेऑफ की रहा बंद हो गयी। टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या भी कई मैचों में खेल नहीं पाये। रोहित शर्मा की भी फिटनेस ठीक नहीं रही जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। इस प्रकार 11 मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में नौवें स्थान पर है।वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी इसी प्रकार का रहा है। सीएसके से मिली हार के बाद वह भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। 11 मैच खेलने के बाद लखनऊ की टीम ने केवल 3 मैच ही जीते। इससे उसे 6 अंक ही मिल पाये। उसका नेट रन रेट भी काफी कम रहा। अंक तालिका में ये दोनो अपने बचे हुए मैच जीतने के बाद भी केवल 12 अंक तक ही पहुंच पाते। अभी शीर्ष चार टीमों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के ही 14-14 अंक हैं, जबकि पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे नंबर पर बरकरार है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे हैं हेल्स

लंदन (एजेंसी)। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जैसे छोटे प्रारुप में जहां कई खिलाड़ियों ने शतक लगाये हैं। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो केवल एक रन से शतक नहीं लगा पाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स थे। साल 2012 में नॉटिंघम के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में हेल्स ने केवल 68 गेंदों में 99 रन रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाये थे पर वह अपना पहला शतक पूरा नहीं कर पाये। रवि रामपॉल की एक गेंद पर वह आउट हो गये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 99 पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी रहे हैं।

वहीं 99 पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज डेनमार्क के हामिद शाह रहे हैं। साल 2022 में हामिद ने फिनलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के लगाकर 99 रन बनाए। हामिद भी 99 पर पहुंचकर आउट हो गये। साल 2024 में थाईलैंड के बैंकॉक में सऊदी अरब के अब्दुल वहीद ने कंबोडिया के खिलाफ केवल 58 गेंदों में ही 99 रन बना दिये। इस पारी में में 9 शानदार चौके और 6 विशाल छक्के शामिल थे पर वह भी शतक से ठीक पहले आउट हो गये।

इसके अलावा ओमान के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी प्रकार आउट हुएहुए। ओमान के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 99 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाये पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। ये चारों ही पारियों इन खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी निराशाजनक रही। ये चारों घटनाएं इस बात साबित करती हैं कि क्रिकेट में कभी-कभी एक रन की दूरी भी बड़ी बन जाती है। भले ही ये बल्लेबाज अपने शतक नहीं लगा पाये पर उनकी ये 99 रन की पारियां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद की जाती रहेंगी।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

–निगार सुल्ताना करेंगी कप्तानी

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उिससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढ़लने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज़ के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी। टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेगी।

बीसीसीआई ने अंपायर से बहस के लिए फ्लावर पर जुर्माना लगाया

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए जुर्माना लगाया है। बीसीसीआई के अनुसार मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।उन पर मैच के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगे हैं।फ्लावर ने इसे स्वीकार कर लिया है जिस कारण उनपर आगे कार्रवाई नहीं होगी।इस मैच में आरसीबी लक्ष्य का पीछा कर रही थी।तभी 18वें ओवर के दौरान नमन धीर ने कुनाल पंड्या का का कैच पकड़ने का प्रयास किया ।इसके बाद अंपायर ने कुनाल को आउट करार दिया हालांकि इस पर संशय था जिससे फ्लावर भड़क गए और चौथे अंपायर से बहस करने लगे।इसी दौरान उन्होंने अंपायर को अपशब्द कह दिये।इसी कारण उन्हें आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया।इसी को लेकर मैच रेफरी अमित शर्मा ने फ्लावर पर जुर्माना ठोक दिया। आईपीएल में किसी मैच अधिकारी पर उठे विवाद का ये पहला मामला नहीं है।इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर पर भी डगआउट में मोबाइल पर बात करने के कारण विवाद उठा था।इसके बाद उन पर भी भारी भरकम जुर्माना लगा था।

वैभव को बटलर ने उपहार में दिया बल्ला

जयपुर ।आईपीएल के इस सत्र में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन कर 400 से अधिक रन बनाये हैं।इस दौरान वैभव ने कई रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं।वैभव की इस सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी देखकर सभी हैरान हैं। जिस प्रकार से वह निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं उसकी सभी ने प्रशंसा की है। वैभव के इस प्रदर्शन पर गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ने उन्हें उपहार में एक बल्लास दिया है।बल्ला देते हुए बटलर ने कहा कि इसपर ऑटोग्राफ नहीं दूंगा बल्कि इससे तुम्हें खेलना है। इस नजारे को देख क्रिकेट प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गयी।बटलर ने स्वयं वैभव से मुलाकात की।इस वीडियो में वैभव की मासूमियत और खेल के प्रति उनका जुनून नजर आया।वीडियो में वैभव कहते सुनाई देते हैं, 'बल्ला ले लेता हूं जाकर।' इसके बाद दोनों खिलाड़ी डगआउट की ओर बढ़ते हैं। बटलर ने तभी वैभव को अपना एक बल्ला उपहार में दिया। जब वैभव से कहा गया कि इस बल्ले पर बटलर के ऑटोग्राफ ले लो, तो वैभव ने कहा कि इसे उन्हें खेलने के लिए दिया गया है।वैभव ने इस मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 16 गेंदों पर ही 36 रनों की आक्रामक पारी खेली थी पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये हालांकि इस दौरान उन्होंने रिकार्ड जरुर बना लिया।वैभव ने पारी का पहला छक्का लगाते ही टी20 क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनका 236.56 का स्ट्राइक रेट है।जहां अन्य बल्लेबाज 150-160 का स्ट्राइक रेट के रन बना रहे हैं।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

शिविर के महत्व पर जोर देते हुए मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण कैंप होगा। हमारा मुख्य ध्यान खिलाड़ियों की फिटनेस और खेल के उन विशिष्ट क्षेत्रों पर रहेगा, जहां हमें सुधार की आवश्यकता है। हम लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर अगले स्तर तक पहुंचना चाहते हैं। है।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर 29 वीं बार जीता ला लीगा खिताब

मैड्रिड ।बार्सिलोना ने यहां हुए एक मुकाबे में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर 29 वीं बार स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल खिताब जीता है।इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने एक बार फिर अपने को साबित किया है।एक बार फिर फुटबॉल जगत में अपनी श्रेष्ठता साबित की।वहीं रियल मैड्रिड को इस खिताबी मुकाबले में अपने तीन प्रमुख खिलाड़ियों की कमी खली।उसके स्टार खिलाड़ी काइलियन एम्बाप्पे हैमस्ट्रिंग फेडेरिको वाल्वरडे और डीन हुइजसेन चोटिल होने के कारण इस मैच में शामिल नहीं हुए।इससे टीम के खेल पर काफी प्रभाव पड़ा उसकी आक्रामकता और मध्यपंक्ति कमजोर हुई।बार्सिलोना ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए शुरुआती मिनटों में ही दबाव बनाना शुरू कर दिया।मैच के नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने पहला गोल दागकर बार्सिलोना को 1-0 की बढ़त दिला दी।इसके कुछ ही देर बाद, 18वें मिनट में टोरेस ने डैनी ओल्मो के पास पर खेल कर बार्सिलोना की बढ़त को 2-0 कर दिया।वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही रियल मैड्रिड ने वापसी का अच्छा प्रयास किया पर बार्सिलोना की रक्षापंक्ति ने इस प्रयास को विफल कर दिया।इसके बाद देनो ही टीमों ने गोल करने के प्रयास किये पर असफल रहे।मुकाबले के दौरान, रियल मैड्रिड ने वापसी करने के कई प्रयास किए, लेकिन बार्सिलोना के रक्षापंक्ति ने उसे अवसर नहीं दिया।जीत के बाद बार्सिलोना के खिलाड़ी जश्न में डूबे दिखे।

कुश्ती से संन्यास नहीं लूंगी, विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर लगाया आरोप

गोंडा (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। विनेश फोगाट ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि वह इस खेल को छोड़ दें, लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगी और उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगी। WFI ने विनेश को यहां होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तब तक अयोग्य घोषित कर दिया था, जब तक उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती।

विनेश प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचीं और दावा किया कि वह मुकाबले में वापसी के लिए पात्र हैं, जबकि महासंघ ने डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि का हवाला देते हुए उन्हें 26 जून 2026 तक अयोग्य घोषित कर दिया है। WFI ने उनकी भागीदारी को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। WFI अधिकारियों से मिलने के बाद विनेश ने पत्रकारों से कहा, 'आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वे चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं। संजय सिंह, बृज भूषण, उनकी टीम–वे सभी जिनका इस पर नियंत्रण है, जिनके पास सत्ता है।'

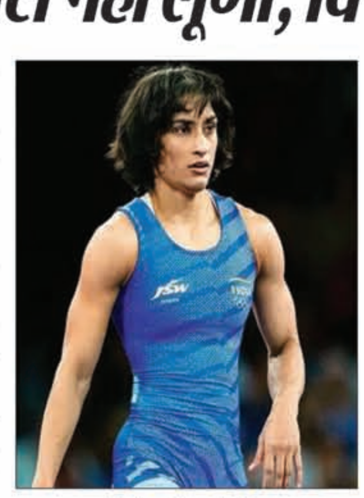

विनेश ने कहा कि उन्होंने WFI के कारण बताओ नोटिस पर संक्षिप्त जवाब भेज दिया है और 14 दिनों के भीतर विस्तृत जवाब देंगी। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे (संजय सिंह) कहा कि 14 दिनों में विस्तृत जवाब दे दूंगी, लेकिन उससे पहले ही मुझे दोषी कैसे माना जा सकता है? कम से कम 14 दिनों तक तो मुझे मत रोकिए। उसके बाद जो कार्रवाई करनी हो, कर लीजिए। लेकिन वह विस्तृत जवाब पर ही अड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने 12 दिसंबर को पत्र भेजकर बताया था कि मैं खेल में वापसी करना चाहती हूं और प्रशिक्षण शुरू कर चुकी हूं। फिर छह महीने तक इंतजार क्यों किया गया? मैं प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंची और तब मुझ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह बात पहले भी बताई जा सकती थी। ऐसा लगता है कि मुझे प्रतिबंधित करने का पहले से ही फैसला कर लिया गया था। यह पूरी तरह पूर्व-नियोजित है।' विनेश ने कहा, 'हम अपने वकील के जरिए पहले ही जवाब दे चुके हैं। अब हम एक और विस्तृत जवाब तैयार कर रहे हैं, जिसमें अपनी ओर से हर संभव बात रखेंगे। लेकिन मैं उन बातों को स्पष्ट करना चाहती हूं जो नोटिस में लिखी गई हैं। उनमें से एक बिंदु विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से संबंधित था।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या हाल के घटनाक्रमों के बाद वह अदालत का रुख करेंगी, तो विनेश ने कहा, 'देखते हैं। हम अपनी क्षमता के अनुसार जो कुछ भी कर सकते हैं, करने की कोशिश करेंगे।' विनेश ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए उन्हें वाडा से अनुमति मिल चुकी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने एक बार अपनी उपस्थिति' की जानकारी अपडेट नहीं की थी, जबकि खिलाड़ियों को तीन बार ऐसी छूट होती है। कोई भी शीर्ष खिलाड़ी कभी-कभी ऐसी भूल कर सकता है। उस समय मैं विधानसभा सत्र में व्यस्त थी और अपडेट करना भूल गई थी। इसके लिए मैंने वाडा से माफी भी मांगी।'

विनेश के अनुसार, 'वाडा ने मुझे क्लीन चिट दी और कहा कि मैं किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकती हूं। लेकिन यहां (WFI) कहा जा रहा है कि वे संतुष्ट नहीं हैं। मैंने डोप टेस्ट के बाद ही प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं डोपिंग को लेकर पूरी तरह पाक-साफ हूं और हमेशा रही हूं। मैं किसी का हक नहीं छीन रही, बस अपने लिए निष्पक्ष मौका चाहती हूं।'

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पिछले साल जून में ही खेल में वापसी की सूचना दे दी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने जून में ही बता दिया था कि मैं फिर से कुश्ती शुरू कर रही हूं, आप मेरा टेस्ट (डोपिंग जांच) कर सकते हैं। मैंने उन्हें छह महीने का समय दिया। अब यह उनका अधिकार है कि वे कब टेस्ट करना चाहते हैं।' विनेश ने यह भी दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि एक जनवरी 2026 से वे अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में हिस्सा ले सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं नियम जानती हूं और वाडा के प्रति जवाबदेह हूं। मैंने ब्रेक के लिए अनुरोध किया था क्योंकि मैं गर्भवती थी। बाद में मैंने वापसी की सूचना भी दे दी थी।'

विनेश ने कहा कि पहलवानों को जिन असुरक्षाओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें दूर करना डब्ल्यूएफआई नेतृत्व की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'मैं इतने वर्षों से इस दौर से गुजर रही हूं, इसलिए मेरे मन में ये असुरक्षाएं हैं। डब्ल्यूएफआई के प्रमुख के तौर पर इन असुरक्षाओं को दूर करना आपकी जिम्मेदारी है।' पास के अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद विनेश ने WFI के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया। उन्होंने दावा किया कि संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों से संबंधित विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) का नियम 5.6.1 उन पर लागू नहीं होता, क्योंकि उन्होंने जून में ही यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) को संन्यास के बाद दोबारा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया था।

UWW के सूत्रों ने हालांकि बताया कि महासंघ उनके जवाब से संतुष्ट नहीं था। उनका मानना था कि पहलवान ने केवल पात्रता वाले पहलू पर ही बात की है, जबकि शनिवार को जारी विस्तृत नोटिस में उन पर लगाए गए व्यापक अनुशासनात्मक आरोपों का उन्होंने पूरी तरह से जवाब नहीं दिया है।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंची आरसीबी

रायपुर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।वहीं इस हार के साथ ही मुंबई की टीम अंतिम स्थान पर खिसक गयी है।इस जीत के साथ ही आरसीबी की प्लेऑफ के लिए दावेदारी मजबूत होगी।इस मैच में 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की।इसी के साथ ही मुंबई की टीम को11 मैचों में आठवीं हार का सामना करना पड़ा है।इसी के साथ ही मुम्बई की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद प्लेऑफ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है।वहीं इस जीत के साथ ही आरसीबी के अब सबसे अधिक 14 अंक हो गये हैं और वर नंबर एक पर पहुंच गयी है।वहीं इतने ही अंक लेकर सरनरइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि इनका नेट रन रेट कम रहा है।इस में आरसीबी को जीत के लिए 15 रनों की जरुर थी।मुंबई की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने राज अंगद बावा को ओवर दिया।ओवर की शुरुआत में वाइड और नो-बॉल से हुई, जिससे आरसीबी को आसानी से 5 रन मिल गए।बावा ने तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मुंबई की उम्मीदें जगा दीं पर इसके बाद एक और वाइड से टीम को नुकसान हुआ।अगली गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर मैच एक बार फिर आरसीबी के पाले में कर दिया।इसके बाद आरसीबी को केवल गेंदों में तीन रन चाहिए थे।पांचवीं गेंद पर एक रन लेने के बाद अंतिम गेंद पर दो रन की जरूरत थी।

चंबा में गहरी खाई में गिरी कार, 6 लोगों की मौत, 4 गंभीर

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार तड़के सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तुनुहट्टी क्षेत्र के काकीरा घार के पास रात करीब तीन बजे हुआ, जब धर्मशाला से डलहौजी की ओर जा रही एक टैक्सी इनोवा अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरूआती जानकारी के मुताबिक वाहन में कुल दस लोग सवार थे। इनमें अधिकांश पर्यटक गुजरात के बताए जा रहे हैं। हादसे के समय क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी, जिसके चलते सड़क पर फिसलन थी। आशंका जताई जा रही है कि खराब मौसम और फिसलन हादसे का कारण हो सकती है। लोगों ने हादसे की आवाज सुनकर तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे और अंधेरे व बारिश के बीच राहत कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद घायलों और शवों को खाई से बाहर निकाला। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन मंडी नंबर की टैक्सी इनोवा थी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। एसपी ने कहा कि विजय कुमार सकलानी ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

राहुल गांधी मानहानि मामले में बहस टली, अब 21 मई को सुनवाई

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के दौरान बहस नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई, जहां परिवादी पक्ष की ओर से वॉयस सैंपल की मांग खारिज किए जाने के आदेश को सेशन कोर्ट में चुनौती देने हेतु समय मांगा गया। परिवादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर रिवीजन दाखिल करने के लिए अवसर देने की मांग की। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि अदालत ने परिवादी को एक अवसर प्रदान करते हुए मामले की अगली सुनवाई एवं बहस के लिए 21 मई की तारीख नियत की है। मामला वर्ष 2018 में बेंगलुरु में आयोजित एक जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। भाजपा नेता विजय मिश्र द्वारा इस संबंध में सुलतानपुर की अदालत में मानहानि वाद दायर किया गया था। उल्लेखनीय है कि मामले में राहुल गांधी पूर्व में अदालत में पेश होकर जमानत ले चुके हैं तथा उनका बयान भी दर्ज किया जा चुका है। अब अदालत में 21 मई को आगे की सुनवाई होगी।

चुनाव खत्म होते ही पीएम को याद आया 'संकट' : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनता से कम खर्च करने और खाने के तेल की खपत कम करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर तंज करते हुए सोमवार को कहा कि यह गुजारिश सरकार की अपनी असफलता की 'स्वीकारोक्ति' है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तेलंगाना में एक रैली में आम जनता से पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे हालात में ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल करने और सोने की खरीद तथा विदेश यात्रा को एक साल के लिए टालने जैसे कई उपाय सुझाए जाने पर तंज करते हुए 'एक्स' पर कहा कि चुनाव खत्म होते ही, 'संकट' याद आ गया! दरअसल देश के लिए 'संकट' सिर्फ़ एक है और उसका नाम है-'भाजपा'। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गयी है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए क्योंकि जनता तो वैसे भी 1.5 लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है। भाजपाई ही अपनी काली कमाई का स्वर्णीकरण करने में लगे हैं। हमारी बात गलत लग रही हो तो 'लखनऊ से लेकर गोरखपुर' तक पता कर लीजिए या 'अहमदाबाद से लेकर गुवाहाटी' तक। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वैसे सारी पाबंदियां चुनाव के बाद ही क्यों याद आई है? भाजपाइयों ने चुनाव में जो हजारों चार्टर हवाई यात्राएं कीं वो क्या पानी से उड़ रहीं थीं? वो क्या होटलों में नहीं ठहर रहे थे या सिलेंडर की फोटो लगाकर खाना बनाकर खा रहे थे? भाजपाइयों ने चुनाव में वीडियो कॉन्फ्रेंस से ही प्रचार क्यों नहीं किया? सारी पाबंदियां जनता के लिए ही हैं क्या? उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील की आलोचना करते हुए कहा कि ये अपील भाजपा सरकार की अपनी असफलता की स्वीकारोक्ति है। दरअसल वोट मिलते ही भाजपा का खोट सामने आ गया।

धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में तीन शिक्षक निलंबित

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित पीएमश्री स्कूल के तीन शिक्षकों को परिसर में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोपों में निलंबित कर दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने जलाब सराय गांव में हुई आधिकारिक जांच के बाद प्रधानाचार्य मोहम्मद अंजर अहमद, कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वलेश कुमार और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक शिक्षकों पर स्कूल के अंदर धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और हिंदू छात्रों को टोपी पहनने के लिए कहने और लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप है। इन आरोप में लिप्त होने पर एफआईआर दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद 7 मई को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद, संभल ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार ने मामले की जांच के लिए 8 मई को स्कूल का दौरा किया। छात्रों के बयान दर्ज किए गए और बाद में बीएसए को रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वालेश कुमार को वरिष्ठ अधिकारियों को गतिविधियों के बारे में सूचित करने में विफल रहने और अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन न करने के आरोप में निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य मोहम्मद अंज़ार अहमद और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज़ दोनों विद्यालय परिसर में अनुपस्थित पाए गए।

क्या खाली है तमिलनाडु का खजाना.... यहां थलापति कर रहे राजनैतिक बयानबाजी

पूर्व सीएम स्टालिन ने दावों पर उठाए सवाल

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री विजय थलापति पहले दिन से ही चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम् को लेकर उठे विवाद के बाद, दूसरा और बड़ा मुद्दा राज्य की आर्थिक स्थिति पर उनके दावे से शुरू हुआ है। नए मुख्यमंत्री बने विजय ने आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती डीएमके सरकार ने राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ा है और सरकारी खजाने को पूरी तरह से खाली किया है। इन दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने तीखा पलटवार कर कहा कि प्रदेश की नई सरकार के पास पैसा है, बस लोगों तक पहुंचाने की इच्छाशक्ति और शासन चलाने की क्षमता की कमी है।

राज्य की राजनीति में नई सरकार आने के बाद पूर्ववर्ती सरकार पर खजाना खाली करने का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। इसके पहले भी सत्ता में आने वाली डीएमके सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती एआईएडीएमके सरकार पर इसतरह के आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति उतनी खराब है जितनी सीएम विजय ने बात दी है, या यह केवल राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा है?

दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु पर भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा कर्ज है। वर्ष 2025 के अंत तक, राज्य पर करीब 9.56 लाख करोड़ रुपये की उधारी का अनुमान है। यह पिछले कई वर्षों के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लिया गया कर्ज है। हालांकि, तमिलनाडु देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है, जिसकी विकास दर 2011 के जीडीपी वर्ष आधार पर 10.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 11.2 प्रतिशत हो गई है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य इस कर्ज को संभालने और चुकाने की मजबूत क्षमता रखता है।

इसके बाद विशेषज्ञों के अनुसार, मुख्यमंत्री थलापति की सरकार की वास्तविक चिंता कर्ज की मात्रा से अधिक, वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे अनिवार्य खर्चों का बढ़ता बोझ है। एक रिपोर्ट में प्रकाशित पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में राज्य की अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का लगभग 62 प्रतिशत इन्हीं अनिवार्य खर्चों में जाने का अनुमान है, जिससे विकास कार्यों पर खर्च के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है।

लेकिन विडंबना यह है कि थलापति ने स्वयं चुनावी घोषणापत्र में हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे कई कल्याणकारी वादे किए हैं, जो उनके सरकारी खर्चे को और भी बढ़ाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में तमिलनाडु पहले ही सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं पर 72,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की योजना बना चुका है, जो सड़क और बुनियादी ढांचे जैसी विकास परियोजनाओं के लिए निर्धारित राशि से भी अधिक है। अनुमान है कि विजय के सभी चुनावी वादों को पूरा करने से राज्य पर वार्षिक कल्याणकारी खर्च लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

वहीं तमिलनाडु का खजाना भले ही पूरी तरह से खाली न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से गंभीर वित्तीय दबाव में है। मुख्यमंत्री थलापति को न केवल पूर्ववर्ती सरकार द्वारा छोड़ी गई विरासत का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि अपने स्वयं के चुनावी वादों को पूरा करने के लिए भी एक ठोस वित्तीय रणनीति बनानी होगी, जो राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन बिठा सके।

शुभेंदु के पीए की हत्या : बक्सर से विशाल श्रीवास्तव को किया गिरफ्तार

यूपीआई भुगतान से खुला हत्यारों का राज

बक्सर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की सनसनीखेज हत्या के मामले में जांच तेज करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बिहार के बक्सर में बड़ी कार्रवाई की है। एसटीएफ की टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयपट्टी निवासी कुख्यात अपराधी विशाल श्रीवास्तव को हिरासत में लिया है और उसे पूछताछ के लिए कोलकाता ले गई है। विशाल के खिलाफ हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे करीब एक दर्जन गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ को संदेह है कि चंद्रनाथ रथ की हत्या की साजिश और इसे अंजाम देने से जुड़े कई अहम राज विशाल के पास हो सकते हैं। हालांकि, बक्सर के एसपी शुभम आर्य ने इस पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि की है कि पश्चिम बंगाल से आई टीम ने छापेमारी कर विशाल को हिरासत में लिया है। इस बीच, जांचकर्ताओं को हावड़ा के बल्ली टोल प्लाजा से एक बेहद महत्वपूर्ण सुराग मिला है। वारदात में इस्तेमाल की गई संदिग्ध कार हमले से कुछ देर पहले टोल प्लाजा से गुजरी थी, जहाँ उसमें सवार लोगों ने यूपीआई के माध्यम से टोल का भुगतान किया था। इस डिजिटल ट्रांजैक्शन ने पुलिस को संदिग्धों के मोबाइल नंबर तक पहुँचा दिया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज में हमलावरों और वाहन की स्पष्ट तस्वीरें भी कैद हुई हैं। ज्ञात हो कि चंद्रनाथ रथ की हत्या 6 मई की रात कोलकाता हवाई अड्डे के समीप मध्यमग्राम के दोहरिया लेन में उस वक्त कर दी गई थी, जब वे अपनी एसयूवी से लौट रहे थे। हमलावरों ने सिल्वर रंग की कार से उनका रास्ता रोका और फिर दोपहिया वाहनों पर सवार होकर आए शूटर्स ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। जांच में पता चला है कि इस हत्याकांड में ऑस्ट्रिया निर्मित अत्याधुनिक ग्लॉक 47 एक्स पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया है, जिसने राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। सीआईडी और एसटीएफ की संयुक्त एसआईटी इस कोण से भी जांच कर रही है कि क्या इस हत्याकांड के पीछे कोई विदेशी नेटवर्क शामिल है, जिसने बांग्लादेश के रास्ते हथियारों की आपूर्ति की हो। विशाल श्रीवास्तव की गिरफ्तारी इस केस की गुत्थी सुलझाने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

रेल मंत्री का बड़ा दावा: बुलेट ट्रेन खत्म करेगी छोटे रूटों पर हवाई सफर

-अश्विनी वैष्णव के बयान ने बढ़ा दी एयरलाइंस के लिए चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आने वाले वर्षों में, भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क कई छोटे घरेलू हवाई मार्गों पर हवाई यात्रा को करीब-करीब समाप्त कर देगा। सीआईआई बिजनेस समिट में रेल मंत्री वैष्णव ने एयरलाइन निवेशकों को आगाह कर संकेत दिया कि मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और बेंगलुरु-चेन्नई जैसे प्रमुख रूटों पर यात्री अब फ्लाइट के बजाय बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने वाले है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव का तर्क है कि जिस तरह जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में हाई-स्पीड रेल ने घरेलू विमानन बाजार को पूरी तरह बदल दिया है, ठीक उसी तरह भारत में भी एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री के अनुसार, मुंबई से पुणे की दूरी बुलेट ट्रेन से केवल 48 मिनट में तय होगी। इसी तरह, पुणे से हैदराबाद की यात्रा 1 घंटा 55 मिनट में, हैदराबाद से बेंगलुरु की यात्रा 2 घंटे 8 मिनट में और बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा महज 78 मिनट में पूरी होगी। इतनी कम यात्रा अवधि के साथ, लोग हवाई अड्डों पर लंबी सुरक्षा जांच, शहर के ट्रैफिक और उड़ानों में होने वाली देरी जैसी परेशानियों से बचने के लिए बुलेट ट्रेन को कहीं अधिक सुविधाजनक पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताकर कहा कि भविष्य में इन रूटों पर 99 प्रतिशत यात्रा रेलवे के माध्यम से ही होगी, जिससे हवाई यात्रा की प्रासंगिकता करीब खत्म हो जाएगी। रेल मंत्री वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी योजना के वित्तीय पहलू पर भी प्रकाश डाला, बताया कि भारत सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। इस परियोजना का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय कंपनियों और सप्लायर्स को मिलेगा, जिससे देश में रोजगार के नए मौके पैदा होने और विनिर्माण क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

रेलवे बोर्ड के सदस्य ने कामाख्या कोचिंग डिपो का किया निरीक्षण

एजेंसी

मालीगांव : रेलवे बोर्ड के सदस्य श्री आर. राजगोपाल ने 4 रविवार को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधीन कामाख्या कोचिंग डिपो में महत्वपूर्ण परिचालन और रखरखाव सुविधाओं का व्यापक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्रू कल्याण, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव, संरक्षा में सुधार और उन्नत तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया।

इस निरीक्षण में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में रेलवे के वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान, सदस्य ने कामाख्या स्थित रनिंग रूम और क्रू लॉबी का दौरा किया, जहाँ वंदे भारत स्लीपर और अन्य प्रीमियम ट्रेनों के क्रू सदस्यों को उपलब्ध कराई गई विश्राम सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

रेल कर्मचारियों के लिए आराम और परिचालन तत्परता के उच्च मानकों को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

कामाख्या स्थित कोच मेनटेनेंस डिपो में, सदस्य (टीआरएस) ने भारत के पहले वंदे भारत रेक का निरीक्षण किया और डिपो में अपनाए जा रहे विभिन्न रखरखाव और संरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा की।

पिट लाइन पर, रोलिंग स्टॉक की स्थिति की निगरानी के लिए अपनाए जा रहे नए और उन्नत तरीकों के संबंध में विस्तृत अवलोकन किए गए।

सदस्य ने कर्मचारियों के साथ बातचीत कर उनके समर्पण की सराहना की और कई नए संरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की प्रशंसा की। इस निरीक्षण में वंदे भारत स्लीपर कोचों के गुणवत्ता मानकों की समीक्षा भी की गयी। संरक्षा उपायों को और अधिक मजबूत करने तथा रखरखाव की दक्षता बढ़ाने के लिए सुझाव दिए गए। अधिकारियों ने सदस्य को लामडिंग मंडल द्वारा वर्तमान में विकसित किए जा रहे प्रौद्योगिकी-आधारित रोलिंग स्टॉक और ट्रैक निगरानी प्रणालियों के बारे में जानकारी दी।

इन पहलों का उद्देश्य इस जोन में रेलवे संचालन के पूवार्नुमानित रखरखाव, परिचालन संरक्षा और समग्र दक्षता में सुधार करना है। सदस्य ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत भी की, जिसमें रेलवे परिचालन में निरंतर नवाचार, संरक्षा के प्रति जागरूकता और टीम वर्क पर जोर दिया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे उन्नत प्रौद्योगिकियों और सर्वोत्तम परिचालन पद्धतियों को अपनाकर आधुनिकीकरण, संरक्षा वृद्धि और यात्रियों की सुविधा के प्रति प्रतिबद्ध है।

कहीं आंधी-बारिश और ओलावृष्टि तो कहीं हीटवेव की चेतावनी

उत्तर भारत में फिर करवट ले रहा मौसम

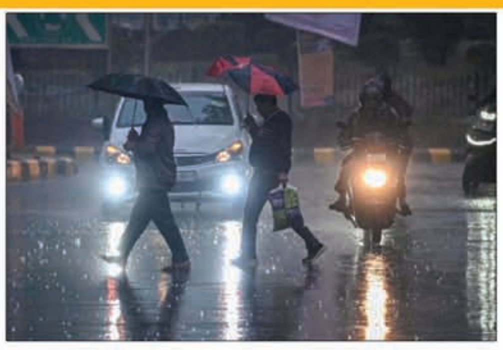

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दोपहर के समय बढ़ती तपिश के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आज से 14 मई के बीच उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में बारिश, कड़कती बिजली और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज आंधी का नया दौर शुरू होगा। पश्चिमी विक्षोभ और अन्य भौगोलिक कारणों से होने वाले इस बदलाव से जहां कुछ राज्यों को गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं कई हिस्सों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज से 14 मई के दौरान व्यापक स्तर पर बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने का अनुमान है। विशेष रूप से सोमवार और मंगलवार को जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में, और 12 व 13 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 11 से 14 मई और उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई के बीच बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

एक तरफ जहां उत्तर भारत में बारिश की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर 15 मई तक पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भीषण हीटवेव (लू) चलने की आशंका है। दक्षिण भारत की बात करें तो अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। 11 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की भी संभावना है, जिसका असर तटीय क्षेत्रों के मौसम पर पड़ेगा। पूर्वोत्तर भारत और पूर्वी राज्यों में भी मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 मई तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। बिहार, झारखंड, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में भी गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति की सबसे अस्वीकृत वस्तु : फडणवीस का तीखा हमला

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला कर उन्हें भारतीय राजनीति में सबसे अस्वीकृत वस्तु करार दिया। सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को सभी राज्यों के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है, जबकि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह आलोचना राहुल गांधी द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों की आलोचना करने के बाद की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति में सबसे ज्यादा नकारे गए व्यक्ति हैं, हर राज्य में सभी ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने गांधी को एक ऐसा उत्पाद जो कि जनता ने किनारे कर दिया है। फडणवीस ने जोर दिया कि लोकतंत्र में केवल वही मायने रखता है जिसे जनता स्वीकार करती है, और राहुल गांधी जैसे लगातार नकारे जा रहे व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें बार-बार अपना आशीर्वाद देता है।

ये टिप्पणियाँ प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों पर राहुल गांधी की आलोचना के बाद आईं, जो पश्चिम एशिया संकट के जवाब में की गई थीं। पीएम मोदी की अपीलों में खाद्य तेल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और प्राकृतिक खेती अपनाने जैसे अनुरोध शामिल थे, जिनका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक दबावों से निपटना था। राहुल गांधी ने पोस्ट में इन अपीलों को उपदेश के बजाय विफलता करार दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री को समझौतावादी बताकर अपनी आलोचना तेज की और दावा किया कि देश का शासन अब उनके नियंत्रण में नहीं है।

इस बीच, दिल्ली में आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में फडणवीस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के अगले युग के लिए महाराष्ट्र की तैयारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण पर महाराष्ट्र के विशेष ध्यान पर जोर दिया।

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा: एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

अदालत ने दिया अलग याचिका का सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर, तब तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार मात्र 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी सीट पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत 5432 वोट हटा दिए गए थे।

तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि राज्य के चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कुल 32 लाख वोटों का अंतर रहा है, जबकि वोटर सूची से नाम हटाने संबंधी 35 लाख अपीलें फिलहाल विभिन्न न्यायाधिकरणों (ट्राइब्यूनल्स) के समक्ष लंबित हैं, जिन पर अभी फैसला आना बाकी है। ममता के वकील ने इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची की एक पुरानी टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि डिलीट हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहती है, तब इसतरह के मामलों का न्यायिक परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए। इन दलीलों पर सुनवाई कर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने टीएमसी को सलाह दी है कि वे इस मामले को लेकर अलग से याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि ममता बनर्जी सहित इन 31 सीटों के सभी उम्मीदवार इस दावे के साथ अलग से याचिकाएं दायर कर सकते हैं। अदालत ने ममता बनर्जी का नाम विशेष रूप से इसलिए लिया क्योंकि भवानीपुर सीट भी उन्हीं सीटों में शामिल है, जहां एसआईआर में कटे वोटों से जीत का अंतर कम बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 294 सीटों में से 207 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था और राज्य में पहली बार सरकार बनाई। इस जीत को भाजपा ने एक ऐतिहासिक सफलता माना था। हालांकि, अब टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी हार के पीछे एसआईआर प्रक्रिया को एक बड़ा कारण बताते हुए कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**